11

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 | अंक : 251 पटना (बिहार) शनिवार ,12 जुलाई 2025 | पेज - 12 | मूल्य: 1 | R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

भोलेबाब जयकारो के साथ शुरू हुई कांवड़ यात्रा

यूपी से दिल्ली और फिर हरिद्वार तक कांवड़ यात्रा को लेकर ट्रैफिक प्लान तैयार

नई दिल्ली,।

शुक्रवार से देशभर में सावन माह के शुरू होने के साथ भोलेबाब के जयकारों के साथ कावाड़ यात्रा भी शुरू हो गई। कांवड़िए गंगाजल लेने के लिए हरिद्वार की ओर निकल रहे है। आने वाले दिनों में इन कावड़ियों की संख्या और बढ़ेगी। जिसका सीधा असर कांवड़ मार्ग पर यातायात पर पड़ेगा। यह देखकर प्रशासन की ओर से भी तैयारियां की गई है। इसी क्रम में गुरुवार से दिल्ली हरिद्वार मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। जबकि कई जगहों पर ट्रैफिक रूट डायवर्ट किया है। इस साल कांवड़ यात्रा 11 से 23 जुलाई तक चलेगी, इसके बाद ट्रैफिक को लेकर पुलिस प्रशासन ने खास इंतजाम किए हैं। गाजियाबाद पुलिस ने अगले 13 दिनों तक दिल्ली से मेरठ हाईवे पर भाई वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। इसके बाद हल्के वाहनों पर भी रोक लगाने की तैयारी है। 18 जुलाई से इस मार्ग पर हल्के वाहनों की आवाजाही पर भी रोक रहेगी। इस दौरान

भारी और हल्के वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग से भेजा जाएगा। दिल्ली से अमरोहा, हरिद्वार और लखनऊ जाने वाले वाहनों यूपी गेट या गाजीपुर बॉर्डर से नेशनल हाईवे 9 से डासना इंटरसेक्शन तक जाना होगा। इसके बाद ये वाहन ईस्टर्न पेरिफेरल मार्ग से आगे की ओर जा सकते है। दिल्ली से लखनऊ और बरेली के लिए इन दो मार्ग से होकर जा सकते है। दिल्ली से बरेली और लखनऊ जाने के लिए गाजियाबाद के डासना से होकर ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे से आगे बढ़ना होगा। इसके बाद सिकंदराबाद, बुलंदशहर, बहदोई, डिबाई, चंदौसी के रास्ते होकर मुरादाबाद और फिर दिल्ली लखनऊ हाईवे से आगे जा सकते है। -दूसरा रास्ता दिल्ली से हापुड़ के छिजारसी से ततारपुर चौराहा से टियाला अंडर पास, किठौर, मेरठ से बिजनौर, धामपुर और नगीना होते मुरादाबाद जा सकते हैं। इसके बाद यहां से दिल्ली लखनऊ हाईवे से आगे निकल जा सकते है। बता दें कांवड़ यात्रा को देखकर पुलिस प्रशासन के द्वारा ये तैयारियां की गई हैं। इसके साथ ही पूरे कावंड़ मार्ग पर 29454 सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। जिसके जरिए तमाम मुख्य मार्गों और चौराहों पर पूरी तरह से नजर रखी जा रही है। यात्रा मार्ग पर 375 ड्रोन के द्वारा निगरानी की जाएगी। इस दौरान 66 हजार पुलिसकर्मियों के अलावा 50 कंपनी केंद्रीय सशस्त्र बल/पीएसी, 1424 होमगार्ड तैनात किए गए हैं।

राजधानी के उद्योगपति और कारोबारी के बाद अब मक्का दुकानदार को मारी गोली, रुपये भी लूटे

क्राइम संवाददाता द्वारा

मुजफ्फरपुर :राजधानी में लगातार दो बड़े व्यवसायियों की हत्या के बाद अब वैशाली जिले में अपराधियों ने एक दुकानदार को गोली मार कर घायल कर दिया है। घायल शख्स की पहचान मुजफ्फरपुर जिले के सकरा थाना क्षेत्र के मिश्रौलिया निवासी जगदीश साह के पुत्र दीपक साह (40) के रूप में की गई है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि वह समस्तीपुर जिला के ताजपुर से अपना मक्का बेचकर मुजफ्फरपुर अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान वैशाली जिले के बलिगांव थाना क्षेत्र के चिकनौता में मोटरसाइकिल सवार अपराधियों ने लूट करने के दौरान उसे गोली मार दी। गोली लगते ही दीपक जमीन पर गिर पड़ा। उसके गिरते ही अपराधी वहां से फरार हो गये। आननफानन में आसपास के लोगों ने घायल दीपक को तुरंत

स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया। हालांकि परिवार वाले दीपक का इलाज मुजफ्फरपुर के अस्पताल में करवा रहे हैं। घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि यह घटना बृहस्पतिवार की देर रात की है। परिजन अब यह भी कह रहे हैं कि दीपक के पास अनाज बिक्री का बीस हजार रूपया भी था, जो अब नहीं है। अपराधियों ने लूट के दौरान विरोध करने पर दीपक को गोली मारी थी। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि मोटरसाइकिल पर सवार तीन की संख्या में पहुंचे अपराधियों ने पूरी घटना को अंजाम दिया है। गोली मारने के बाद 20 हजार रुपये भी ले भागे। घायल का बयान लेने के लिए पुलिस अस्पताल में पहुंची थी लेकिन होश में नहीं होने के कारण पुलिस बयान नहीं ले सकी और वापस लौट गई। वहीं पुलिस अब पूरे मामले की जांच पड़ताल करने में जुट गई है। बालीगांव थाना प्रभारी डीके महतो ने बताया है कि अज्ञात अपराधियों के द्वारा गोली मारी गई है लूट के क्रम में यह घटना हुई है। अज्ञात अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

बिहार के चार शहर टॉप 10 प्रदूषित शहरों में, हाजीपुर की हवा सबसे खतरनाक

संवाददाता द्वारा

पटना :भारत में वायु प्रदूषण को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। ऊर्जा एवं स्वच्छ वायु अनुसंधान केंद्र (CREA) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, साल 2025 की पहली छमाही में झारखंड-असम सीमा पर स्थित बनीर्हाट देश का सबसे प्रदूषित शहर रहा, जबकि दिल्ली दूसरे स्थान पर और बिहार का हाजीपुर तीसरे स्थान पर रहा। सीआरईए ने यह रिपोर्ट शुक्रवार, 11 जुलाई को जारी की। रिपोर्ट देश के 293 शहरों में स्थापित 'निरंतर परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों' (CAAQMS) के आंकड़ों के आधार पर तैयार की गई है। इसमें पीएम 2.5 कणों के औसत स्तर की समीक्षा की गई। बिहार के चार शहर टॉप-10 में रिपोर्ट के मुताबिक, टॉप-10 सबसे प्रदूषित शहरों में बिहार के चार शहर शामिल हैं झ्र हाजीपुर, सासाराम, पटना और राजगीर। हाजीपुर का पीएम2.5 स्तर 85 फॅ/न दर्ज किया गया, जो बेहद चिंताजनक है। यहां केवल 13 दिन ही वायु गुणवत्ता संतोषजनक रही, जबकि एक दिन ह्यसिवियरह्न श्रेणी में थी। सासारामः 69 $\mu g/m^3$ पटनाः 68 $\mu g/m^3$ राजगीरः 65 $\mu g/m^3$ दिल्ली की स्थिति भी गंभीर:रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में पीएम2.5 का औसत स्तर 87 $\mu g/m^3$ रहा, जो भारतीय मानक (NAQS) 40 फॅ/न से दोगुना है। दिल्ली ने 10 जनवरी तक ही डब्ल्यूएचओ के सालाना मानक को पार कर लिया था। सभी 239 निगरानी शहर डब्ल्यूएचओ मानक से ऊपर :सीआरईए के मुताबिक, जिन 239 शहरों में पर्याप्त डेटा उपलब्ध था, उनमें से 122 शहर भारतीय मानक (NAQS) से ऊपर रहे। लेकिन डब्ल्यूएचओ के 5 $\mu g/m^3$ मानक को एक भी शहर पूरा नहीं कर सका। यानी तकनीकी रूप से ह्यसंतोषजनकह्न माने जाने वाले शहर भी स्वास्थ्य के लिहाज से खतरनाक स्थिति में हैं। बनीर्हाट में सबसे बुरी हालत :बनीर्हाट में औसत पीएम2.5 स्तर 133 $\mu g/m^3$ दर्ज किया गया। यहां साल की पहली छमाही में वायु गुणवत्ता अधिकतर समय ह्यबहुत खराबह्न श्रेणी में रही। एक भी दिन हवा अच्छी नहीं रही। सीआरईए के विश्लेषक मनोज कुमार ने चेतावनी दी कि ह्ववायु गुणवत्ता सुधार के लिए सिर्फ मौसमी उपायों से काम नहीं चलेगा। जरूरी है कि राष्ट्रीय मानकों को अपडेट किया जाए, प्रदूषण के सभी स्त्रोतों पर सालभर नियंत्रण हो और गैसीय प्रदूषकों को भी निगरानी में लिया जाए।

बिहार के 1.11 करोड़ लोगों के खाते में आये 1227 करोड़ रुपये

बिशेष संवाददाता द्वारा

पटनाः शुक्रवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के 1 करोड़ 11 लाख लोगों के खाते में 1227 करोड़ रुपये की पेंशन राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के जरिए भेज दी है. मुख्यमंत्री आवास के संकल्प से मुख्यमंत्री ने डीबीटी के माध्यम से राशि भेजी है. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पूरे बिहार में आयोजित कार्यक्रम में लोगों को जोड़ा गया सीएम नीतीश ने लोगों के खाते में भेजे पैसेः बता दें कि 21 जून को नीतीश कुमार ने ऐलान किया था कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत सभी बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगजनों को हर महीने 400 रुपये की जगह 1100 रुपये दिए जाएंगे. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सामाजिक सुरक्षा के तहत पेंशन की राशि भेजते हुए कहा कि अब हर महीने 10 तारीख को 1100 भेज दी जाएगी. पिछले 20 सालों में हर वर्ग और समाज के हर तबके के हित के लिए काम किया है. पहले वाले कुछ किए थे क्या? हम लोगों को जब से मौका मिला है, लोगों के लिए काम कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे.- नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री, बिहार सीएम ने फिर दोहराई ये बातः मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर से कहा कि अब इधर-उधर जाने वाले नहीं है. हम लोग सब एक साथ हैं और आगे भी एक साथ ही रहेंगे. वहीं सरकार ने पूरे बिहार में उत्सव की तरह इस कार्यक्रम को आयोजित किया था. 50 लाख से अधिक लाभार्थियों को कार्यक्रम से जोड़ा गया. विजय कुमार चौधरी को बना दिया उपमुख्यमंत्रीः कार्यक्रम में बिहार सरकार के दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के साथ समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी भी मौजूद थे. मुख्यमंत्री जब संबोधन कर रहे थे, उस समय उन्होंने उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा की जगह विजय कुमार चौधरी बोल दिया. जबकि मुख्यमंत्री के ठीक बगल में ही विजय कुमार सिन्हा बैठे हुए थे. **बिहार में छह तरह की पेंशनः** मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना- 49 लाख 89 हजार 507 लाभुक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना- 35 लाख 57 हजार 163 लाभुक लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना- 8 लाख 64 हजार 903 लाभुक बिहार विकलांगता पेंशन योजना- 9 लाख 65 हजार 202 लाभुक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना- 6 लाख 32 हजार 594 लाभुक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विकलांगता पेंशन योजना - 1 लाख 10 हजार 580 लाभुक 1227 करोड़ से अधिक राशि : बता दें कि, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चुनावी साल में सामाजिक सुरक्षा पेंशन को लेकर बड़ा फैसला लिया. सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये कर दी गई है. 11 जुलाई को एक करोड़ 11 लाख से अधिक लाभार्थियों के खाते में 1227 करोड़ से अधिक की राशि भेजी गई. लाभार्थियों के खिले चेहरेः बढ़ी हुई पेंशन की राशि पाकर लाभार्थियों के चेहरे खिल गए हैं. उनका कहना है कि पहले ये राशि 400 रुपये थी. राशि बढ़ने से हमें बहुत खुशी हो रही है. पेंशन की राशि आ गई है. बहुत अच्छा लग रहा है. 1100 रुपये आए हैं.- शकुंतला देवी, पेंशनधारी प्रखंड और पंचायत स्तर पर कार्यक्रमः सामाजिक सुरक्षा पेंशन को लेकर प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर विशेष कार्यक्रम किया गया. 105 जगह को चिह्नित किया गया था. सभी स्थानों से सीएम नीतीश से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए लाभुक जुड़े थे.मसौढ़ी में इतने लाभुकों के खाते में आए पैसे : मसौढ़ी के प्रखंड मुख्यालय से लेकर राजस्व ग्राम स्तर तक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. मसौढ़ी अनुमंडल में कुल 1 लाख 40 हजार पेंशनधारियों के खाते में पैसे डाले गए हैं. यह कार्यक्रम पहली बार नई दर से पेंशन राशि के सीधे अंतरण को चिह्नित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया. महिलाओं ने जाहिर की खुशीः महिलाओं ने ईटीवी भारत के खास बातचीत में बताया कि पहले 400 हमें मिलते थे अब 1100 हमें मिल रहे हैं. बहुत ही सुखद एहसास है. बता दें कि मसौढ़ी प्रखंड के 17 पंचायत,धनरूआ के 20 पंचायत और पुनपुन के 14 पंचायतों के राजस्व ग्रामों में कार्यक्रम आयोजित किया गया.

बिहार में 30 की लागत से 1500 की दारू, तेजस्वी की खूब तारीफ पवन सिंह का प्लान क्या है

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटनाः भोजपुरी फिल्मों के पावर स्टार और सिंगर पवन सिंह ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एक न्यूज चैनल से बात करते हुए बिहार के विकास, शराबबंदी और खेसारी लाल यादव के साथ अपने रिश्ते पर खूब बात की। इस दौरान पवन सिंह ने तेजस्वी यादव और प्रशांत किशोर के लिए भी बहुत कुछ कहा। उन्होंने कहा कि बिहार में विकास की गति धीमी है। शराबबंदी को पूरी तरह से बंद नहीं करना चाहिए, बल्कि इस पर रोक लगानी चाहिए। बिहार में काम नहीं हो रहा:पवन सिंह ने कहा कि बिहार में जो काम होना चाहिए, वो नहीं हो रहा है। जिसके हाथ में ताकत है, वही सब कुछ कर रहा है। उन्होंने शराबबंदी पर कहा कि हम एक बात जरूर कहेंगे कि किसी भी चीज को बंद नहीं करना चाहिए। रोक लगा दीजिए ना सर। कोई भी चीज लिमिट में होनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने बिहार की स्थिति को समझाने के लिए एक उदाहरण भी दिया। उन्होंने कहा कि एक आदमी साइकिल से उनसे मिलने आया था। तीन महीने बाद उसने फिल्म बनाने की बात की। उसने बताया कि वह शराब के बिजनेस से पैसे कमा रहा है। 30 रुपये की लागत पर 1500 रुपये में बिक्री कर रहा है। तेजस्वी यादव की तारीफ :इस दौरान पावर स्टार ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की तारीफ भी की। पवन सिंह ने कहा कि तेजस्वी यादव खूब मेहनत कर रहे हैं। जनता के बीच रह रहें है। उनको देखकर लगता है कि वह जमीनी नेता हैं। वहीं 9वीं पास-फेल मुद्दे पर पवन सिंह ने कहा कि काम करने के लिए पढ़ाई जरूरी नहीं है। सोच अच्छी होनी चाहिए। इस दौरान पवन सिंह ने खुद का उदहारण भी दिया। कहा कि आपके अगल-बगल कैसे लोग हैं, उस

पर निर्भर करता है कि आप कुछ करना चाहते हैं कि नहीं। प्रशांत किशोर के लेकर कह दी बड़ी बात :चुनावी रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर को लेकर भी पवन सिंह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हम कभी उनसे मिले नहीं हैं, लेकिन उनकी एक बात बुरी लगी। पवन सिंह ने कहा कि वे हमारे गांव के बाजार सरैयां आये तो उनसे कुछ लोगों ने पूछा कि आप पावर स्टार के क्षेत्र आए हैं, इस पर उन्होंने (पीके) जो कहा वह अच्छा नहीं लगा। पवन सिंह ने कहा कि अभी हम कुछ बोलेंगे नहीं। खेसारी को बताया छोटा भाई :पवन सिंह ने खेसारी लाल यादव को अपना छोटा भाई बताया। उन्होंने कहा कि खेसारी अगर कोई गलती करते हैं, तो उन्हें बुरा नहीं मानना चाहिए। पवन सिंह ने कहा कि जो इंसान ज्यादा बोलता है वो दिल का साफ होता है। उन्होंने आगे कहा कि भगवान खेसारी को खूब तरक्की दे। पवन सिंह ने कहा कि वे अपने साथ काम करने वाले कलाकारों के साथ मिलकर काम करते हैं। वे एक दूसरे की मदद करते हैं।

न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य के आंकड़ों के आधार पर क्यों बिहार कतार में है

बिशेष प्रतिनिधि द्वारा

पटनाः बिहार विकास के दौड़ में छलांग लगाने को तैयार है. विकास दर के मामले में बिहार राष्ट्रीय स्तर पर अव्वल है, लेकिन चिंता की बात ये है कि राज्य के अंदर जनसंख्या बिस्फोट जैसी स्थिति उत्पन्न हो चुकी है. बिहार की आबादी 13 करोड़ को पार कर चुकी है और राज्य आबादी के दबाव से कराह रहा है. विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर हम आपको न्याय, शिक्षा और स्वास्थ्य के आंकड़ों के आधार पर बताएंगे कि आप की स्थिति क्या है. देश का हर दसवां व्यक्ति बिहारीः साल 2023 में हुई जातिगत जनसंख्या के आंकड़ों के मुताबिक बिहार की जनसंख्या 13 करोड़ 7 लाख को पार कर चुकी है. देश का हर दसवां व्यक्ति बिहारी है. 2021 से 2025 के लिए बिहार की अनुमानित वृद्धि दर 14.4% है. इसके ऊपर सिर्फ राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का नंबर आता है. दिल्ली का अनुमानित जनसंख्या वृद्धि दर 18.3% है. जनसंख्या घनत्व में पहले स्थान पर बिहारः बिहार राज्य क्षेत्रफल के हिसाब से देश में 13 वें स्थान पर है, जबकि साल 2011 की जनगणना के अनुसार आबादी के हिसाब से बिहार राष्ट्रीय स्तर पर तीसरे स्थान पर है. वहीं, साल 2023 की जनगणना के अनुसार बिहार का जनसंख्या घनत्व 1388 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है. सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व वाला जिला शिवहरः 2011 की जनगणना के मुताबिक बिहार का सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व वाला जिला शिवहर है. यहां 1880 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर में रहते हैं. सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला जिला कैमूर है, जहां 488 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर में रहते हैं. इसके अलावा पटना दूसरे स्थान पर है. पटना में 1823 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर में रहते हैं. वहीं, तीसरे स्थान पर दरभंगा है, जहां 1716 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर में रहते हैं, जबकि बेगूसराय में 1539 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर में रहते हैं. बिहार का सबसे अधिक जनसंख्या वाला जिला पटनाः 2011 की जनगणना के अनुसार बिहार का सबसे अधिक जनसंख्या वाला जिला पटना है. राजधानी में वर्तमान में 72 लाख 50 हजार से अधिक लोग रहते हैं. सबसे कम आबादी वाला जिला शेखपुरा है. शेखपुरा जिले की अनुमानित जनसंख्या 6,50,000 से ऊपर है. पटना के बाद दूसरा जनसंख्या वाला जिला पूर्वी चंपारण है. पूर्वी चंपारण की जनसंख्या 62 लाख 94 हजार से अधिक है, जबकि तीसरे स्थान पर मुजफ्फरपुर आता है, जहां 59 लाख से अधिक लोग रहते हैं. 22000 की जनसंख्या पर एक चिकित्सकः जनसंख्या दबाव के चलते सरकार की कोशिशों के बावजूद स्वास्थ्य व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं दिख रहा है. बिहार में प्रत्येक 22000 लोगों पर एक डॉक्टर उपलब्ध है. सरकारी अस्पतालों में यह अनुपात और भी खराब है. 30000 लोगों पर एक डॉक्टर उपलब्ध है. राज्य के अंदर 45% चिकित्सकों के पद खाली पड़े हैं. डब्लूएचओ के मानक के अनुसार 1000 की आबादी पर एक डॉक्टर होना चाहिए. बिहार मानक से काफी पीछे है. मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर में काफी कमी दर्ज की गई है. अब 74% प्रसव अस्पतालों में हो रहे हैं. बिहार की शिक्षा व्यवस्था का हाल : बिहार सरकार सबसे अधिक खर्च शिक्षा पर करती है, लेकिन शिक्षा व्यवस्था में भी अपेक्षित सुधार नहीं दिखता है. बिहार में 7% लोग ही ग्रेजुएट हैं. आठवीं क्लास की पढ़ाई पूरी करने के बाद लगभग 39% बच्चे स्कूल छोड़ देते हैं. जिसमें लड़कों की दर 40.1% से अधिक है और लड़कियों की दर 37.3 % है. वहीं, नवमीं और दसवीं के बाद लड़कों में ड्रॉप आउट की दर 60.8% है और लड़कियों की दर 66.7% है. उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए बड़ी संख्या में छात्रों को दूसरे राज्यों में पलायन करना पड़ता है. बिहार में इंजीनियरिंग और मेडिकल के कॉलेज खुले जरूर हैं, लेकिन कॉलेज में पर्याप्त इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं है. "आईजीआईएमएस में इलाज की व्यवस्था अच्छी है, लेकिन भीड़ इतनी ज्यादा है कि सीटी स्कैन की रिपोर्ट को हासिल करने में डेढ़ से 2 महीने का वक्त लग जाता है. अगर आउटडोर में आपको डॉक्टर को दिखाना है तो 10 से 12 घंटे का वक्त लग जाता है". - रघुवीर मोची, स्थानीय निवासी ध्वस्त होने की स्थिति में न्यायिक व्यवस्था : पटना उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता अरुण कुशवाहा ने बताया कि जनसंख्या दबाव के चलते न्यायिक व्यवस्था ध्वस्त होने की स्थिति में है. बिहार में एक तो जनसंख्या का दबाव है, दूसरा न्यायालय में न्यायाधीशों की कमी है. लॉ कमीशन ऑफ इंडिया ने सिफारिश की थी कि 10 लाख आबादी पर एक जज हाईकोर्ट में होना चाहिए. पटना हाईकोर्ट में जजों की कमीः अरुण कुशवाहा ने आगे बताया कि बिहार की जनसंख्या के हिसाब से पटना हाई कोर्ट में 140 जज होने चाहिए. यहां पर 53 सेक्शन पोस्ट हैं, जबकि कार्यरत न्यायाधीशों की संख्या 34 है. यानी 19 पद अभी भी खाली हैं. बिहार में लगभग 40 लाख केस पेंडिंग है. पटना उच्च न्यायालय में अपील की सुनवाई में 10 साल तक लग जाते हैं,

बिहार में 12 IPS अधिकारियों का फिर से हुआ तबादला

संवाददाता द्वारा

पटना : बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश सरकार ने एक बार फिर से आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया है. 12 आईपीएस अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया है. इस बाबत गृह विभाग ने नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया. 2020 बैच के आईपीएस अधिकारी शिखर चौधरी का

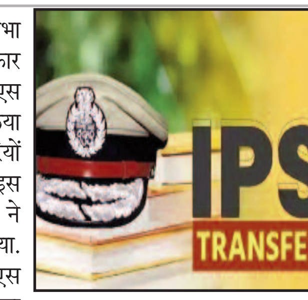

तबादला कटिहार के पुलिस अधीक्षक (SP) के पद पर किया गया है. 2018 बैच के भारतीय पुलिस प्रशासनिक सेवा अधिकारी वैभव शर्मा का एसपी अनुसंधान नियंत्रण का अपराध अनुसंधान विभाग पटना में तबादला किया गया है. 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी मिथिलेश कुमार को पुलिस मुख्यालय पटना में तबादला किया गया है. 2016 बैच के शैशव यादव का पुलिस प्रशिक्षण केंद्र डुमरांव में प्राचार्य के पद पर तबादला किया गया है. 2018 बैच के आईपीएस अधिकारी नवजोत सिमी का बेगूसराय बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस 19 में किया गया है. भारतीय पुलिस सेवा के 2018 बैच के मनोज कुमार का तबादला बेगूसराय के बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस 8 में किया गया है. 2018 बैच के आईपीएस अधिकारी महेंद्र कुमार बसंत्री का तबादला गृह रक्षा वाहिनी पटना में किया गया है. 2018 बैच के ही संजय कुमार का तबादला पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सारण के पद पर किया गया है. 2021 बैच के मोहिबुल्लाह अंसारी का तबादला अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी -1 नगर पटना में किया गया है. 2022 बैच के आईपीएस अधिकारी अखिलेश झा का तबादला अनुमंडल पुलिस अधिकारी-1 डेहरी रोहतास में किया गया है. 2022 बैच के आईपीएस अधिकारी शिवम धाकड़ का तबादला अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-1 दानापुर पटना में किया गया है. 2022 बैच की दिव्यांजलि जायसवाल का तबादला सहायक पुलिस अधीक्षक अपराध अनुसंधान विभाग पटना में किया गया है.

अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ दलाई लामा के 90वें जन्मदिवस पर आयोजित करेगा एक दिवसीय सम्मेलन

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) 14वें दलाई लामा के 90वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन करने जा रहा है। अशोका होटल में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में बौद्ध विद्वान, शोधकर्ता, साधक और प्रतिष्ठित आध्यात्मिक नेता शामिल होंगे। इस अवसर पर वे गहन प्रश्नों पर विचार-विमर्श करेंगे। सम्मेलन में जिन विषयों पर चर्चा की जाएगी उनमें '21वीं सदी में बुद्ध धर्म की प्रासंगिकता' और 'तिब्बती बौद्ध धर्म का भविष्य एवं उसकी संस्कृति का संरक्षण शामिल है। साथ ही, 'बौद्ध ज्ञान, दर्शन और आधुनिक विज्ञान पर संवाद को आगे बढ़ाने के लिए 'क्वांटम फिजिक्स, न्यूरोसाइंस और बौद्ध धर्म' पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा, जिसमें पारंपरागत साधना और वैज्ञानिक प्रमाणों के मध्य संबंध को स्थापित करने का प्रयास होगा। इस मौके पर वक्ता अतिथि केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के पूर्व प्रधानमंत्री के मुख्य सलाहकार प्रो. समदोंग रिनपोछे, विशेष अतिथि के रूप में थाईलैंड की सुप्रीम संघ परिषद के वरिष्ठ सदस्य, फरात वजरसुत्तिवोंग धम्मलोगकोनविभुसित अरयावांग्सो, विशेष अतिथि के रूप में 43वें साक्य त्रिजिन ज्ञान वज्र रिनपोछे सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहेंगे।

आदिवासी छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए 'तलाश' पहल की शुरुआत

नई दिल्ली। जनजातीय कार्य मंत्रालय के अंतर्गत स्वायत्त संस्था 'राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति (एनईएसटीएस) ने यूनिसेफ इंडिया के सहयोग से 'तलाश' (ट्राइबल एटीट्यूड, लाइफ स्किल्स एंड सेल्फ एस्टीम हब) नामक एक राष्ट्रीय स्तर की पहल शुरू की है। इसका उद्देश्य एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) के छात्रों को शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास में सशक्त बनाना है। कार्यक्रम से देशभर के 28 राज्यों और 8 केंद्रशासित प्रदेशों में स्थित 1.38 लाख से अधिक छात्रों को लाभ पहुंचाएगा। जनजातीय मंत्रालय के अनुसार आदिवासी छात्रों के लिए बनाई गई यह देश की पहली ऐसी डिजिटल पहल है। 'तलाश' छात्रों में आत्मबोध बढ़ाने, जीवन कौशल विकसित करने और करियर मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एनसीईआरटी की 'तमन्ना' पहल से प्रेरित यह कार्यक्रम छात्रों की रुचियों और क्षमताओं के आधार पर उन्हें करियर कार्ड प्रदान करता है, जिससे वे अपने लिए उपयुक्त करियर विकल्प चुन सकें। इसमें शिक्षकों के लिए भी विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल शामिल है, ताकि वे छात्रों को प्रभावी ढंग से मार्गदर्शन दे सकें। अब तक 75 ईएमआरएस के 189 शिक्षक प्रशिक्षित हो चुके हैं और अपने-अपने विद्यालयों में कार्यक्रम का संचालन कर रहे हैं। एनईएसटीएस के आयुक्त अजीत कुमार श्रीवास्तव ने कहा, तलाश हमारे इस संकल्प का प्रमाण है कि हम आदिवासी छात्रों को उनकी पूर्ण क्षमता तक पहुँचने के अवसर देना चाहते हैं।

दिल्ली के आजाद मार्केट में तीन मंजिला इमारत ढही, 46 वर्षीय व्यक्ति की मौत

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली के आजाद मार्केट इलाके में शुक्रवार तड़के एक बड़ा हादसा हो गया। पुल मिठाई इलाके में एक तीन मंजिला बिल्डिंग रात करीब 2 बजे अचानक भरभराकर गिर गई, जिससे पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। इस घटना में 46 साल के एक व्यक्ति की मौत हुई है। जानकारी के मुताबिक, इस बिल्डिंग के नीचे तीन दुकानें स्थित थीं, जिनमें सूटकेस, बैग और तिरपाल का कारोबार होता था। पहली मंजिल पर गोदाम बनाए गए थे। हादसे के वक्त बिल्डिंग के नीचे खड़ा एक ट्रक भी मलबे की चपेट में आ गया और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पास में मेट्रो का निर्माण कार्य भी चल रहा था। दिल्ली पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा, रात करीब 1:55 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को पुल मिठाई के टोकरी वालान में बाड़ा हिंदू राव स्थित इमारत ढहने की सूचना मिली थी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह ने दी अश्विनी वैष्णव के पिता को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार में रेल, सूचना प्रसारण, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता दाऊलाल वैष्णव के निधन पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सह सरकार्यवाह अरुण कुमार, अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर तथा भारतीय जनता पार्टी के नेताओं, केन्द्रीय मंत्रियों, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों आदि ने आज भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। राजधानी के लोधी रोड स्थित चिन्मय मिशन में आज पूर्वाह्न आयोजित प्रार्थना सभा में सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सह सरकार्यवाह अरुण कुमार, अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर, अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेन्द्र ठाकुर ने स्वर्गीय दाऊलाल वैष्णव की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की सद्गति और परिवार जनों को संबल एवं धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की। श्रद्धांजलि देने वालों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा की उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे, भाजपा के महासचिव अरुण सिंह एवं तरुण चुघ, भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, पीयूष गोयल, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, मध्य प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मंत्री प्रवेश वर्मा, नई दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज, सांसद मनोज तिवारी, दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सांसद सुप्रिया सुले आदि शामिल थे।

आंध्र प्रदेश के सूखा ग्रस्त जिलों में विशेषज्ञों की टीम भेजेगी केंद्र सरकार : शिवराज

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दक्षिणी आंध्र प्रदेश के सूखा ग्रस्त जिलों को लेकर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस बैठक में प्राकृतिक खेती और पाम ऑयल मिशन को लेकर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि सूखा ग्रस्त जिलों की समस्याओं के समाधान के लिए कृषि मंत्रालय विशेषज्ञों की टीम भेजेगी।

उन्होंने कहा कि पुट्टपर्थी में हमने आंध्र प्रदेश के कृषि मंत्री के साथ सूखा ग्रस्त जिलों को लेकर अहम बैठक की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश सरकार ने ड्रिप इरिगेशन को बढ़ावा देने से लेकर, हॉर्टिकल्चर को बढ़ावा देने तक कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। शिवराज

सिंह ने कहा कि पुरानी सरकार ने केंद्र सरकार के पैसे को भी डायवर्ट करके यहां किसानों के साथ अन्याय किया, लेकिन वर्तमान सरकार काम कर रही है। विजनरी चीफ मिनिस्टर यहां पर हैं। शिवराज सिंह ने कहा कि ÷विभिन्न उपायों में सबसे पहले- हम कृषि विभाग, आईसीएआर व ग्रामीण विकास की केंद्र सरकार की एक टीम को यहां भेजा जाएगा ताकि कृषि विभाग, आईसीएआर के वैज्ञानिक, ग्रामीण विकास विभाग और भूमि संसाधन विभाग, जिसमें वॉटरशेड भी सम्मिलित है, मिलकर सूखे की परिस्थिति में भी फसल पैदा करने के लिए योजना बना सकें।

चौहान ने कहा कि ÷वर्षा जल संचयन, पौधरोपण का काम और जल शक्ति मंत्रालय के साथ मिलकर तुंगभद्रा और कृष्णा नदी से कैसे पानी आ सकता है, उस पर भी काम करेंगे। एकीकृत खेती जिसमें अलग-अलग : फल, फूल, सब्ज़ियां, कृषि वानिकी, मधुमक्खी पालन, पशुपालन शामिल हैं, उसके तहत भी कुछ योजनाएं बनाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। इसके साथ सूखा ग्रस्त क्षेत्रों में अच्छा उत्पादन देने वाले बीजों की किस्में भी विकसित करने के लिए काम किया जाएगा।

आधुनिक विज्ञान के साथ वैदिक ज्ञान का समावेश जरूरी: सर्बानंद सोनोवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में आयोजित तीन दिवसीय भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) शैक्षणिक सम्मेलन में शामिल हुए केंद्रीय बंदरगाह, शिपिंग और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने भारतीय ज्ञान प्रणालियों को वैश्विक मंच पर स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया, जो हजारों वर्षों की परंपरा और आधुनिक प्रौद्योगिकी के मेल को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि 10 से 12 जुलाई तक चलने वाला यह सम्मेलन भारतीय विरासत को नई दिशा देने का अवसर है। इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी शामिल हुए। सोनोवाल ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय ज्ञान प्रणालियां, जिसमें गणित, खगोल विज्ञान, आयुर्वेद और दर्शन जैसे क्षेत्र शामिल हैं, को आधुनिक शिक्षा और उद्योग में एकीकृत करने से वैश्विक चुनौतियों, जैसे जलवायु परिवर्तन और स्थिरता, का समाधान संभव है। उन्होंने यूरोपीय सांस्कृतिक मानदंडों के वर्चस्व को चुनौती देते हुए भारतीय दृष्टिकोण को वैज्ञानिक समुदाय में एक वैकल्पिक ढांचे के रूप में पेश करने की बात की। मंत्री ने हिमालयी देशों के साथ सहयोग को बढ़ावा देने की बात कही, जो इस

पहल को क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर मजबूत करेगा।उन्होंने जेएनयू को इस मंच को वैश्विक शैक्षणिक नेटवर्क में बदलने की दिशा में काम करने का आह्वान किया। सोनोवाल ने कहा कि प्राचीन ग्रंथों में निहित ज्ञान को डिजिटल युग में लाकर नई पीढ़ी तक पहुंचाना समय की मांग है।

उद्योग आर्थिक गतिविधियों का केंद्र के साथ भारत के भविष्य के सह निर्माताः उपराष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भारत मंडपम में आयोजित सीआईआई-आईटीसी सस्टेनेबिलिटी अवार्ड्स के 19वें संस्करण में उद्योग जगत से संवाद करते हुए कहा कि उद्योग केवल आर्थिक गतिविधियों का केंद्र नहीं, बल्कि भारत के भविष्य के सह-निर्माता हैं। उन्होंने उद्योगों से समावेशिता, सततता और नवाचार को अपनी कार्य संस्कृति का आधार बनाने का आग्रह किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि उद्योग जगत को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को समर्थन देकर और नेतृत्व में लैंगिक और जातिगत विविधता को बढ़ावा देकर समावेशन की एक शक्ति बनना चाहिए। उन्होंने सूक्ष्म लैंगिक भेदभाव पर चिंता जताई और कहा कि समानता के लिए हमें व्यवहारिक बदलाव लाने होंगे। भारत के सतत विकास की भूमिका पर उन्होंने कहा कि 2030 के वैश्विक सतत विकास एजेंडा की सफलता भारत की भागीदारी के बिना संभव नहीं है। भारत ने यह जिम्मेदारी स्पष्टता और प्रतिबद्धता के साथ परियोजनाओं और उपेक्षित क्षेत्रों में सीएसआर फंड के माध्यम से विश्वस्तरीय संस्थान स्थापित करने चाहिए। निजी क्षेत्र की भूमिका पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की भूमिका केवल एक सक्षमकर्ता की है।

निभाई है। उन्होंने उद्योगों से अपील की कि वे सततता को सिर्फ अनुपालन के रूप में नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के रूप में अपनाएं। धनखड़ ने 'ब्रांड इंडिया' के लिए चार स्तंभ सुझाए- गुणवत्ता, भरोसा, नवाचार और आधुनिक संदर्भ में पुनर्परिभाषित प्राचीन ज्ञान। उन्होंने कहा कि उद्योगों को ग्रीनफील्ड असली ज़िम्मेदारी कॉर्पोरेट क्षेत्र पर है। सरकार अकेले कोई मैच नहीं जीत सकती, उसे उद्योग का सहयोग चाहिए। उपराष्ट्रपति ने उद्योगों से अनुसंधान और कौशल विकास में अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि भारत की युवा जनसंख्या सबसे बड़ा पूंजी है, जिसे सही दिशा देना आवश्यक है।

नए युग में प्रवेश कर चुकी है भारत की विदेश नीतिः भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में आतंकवाद वाले विषय पर न सिर्फ सर्वसम्मति के साथ भारत के पक्ष का अनुमोदन हुआ बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट कहा कि आतंकवाद के पीड़ित और आतंकवाद के प्रायोजक को एक तराजू में नहीं रखा जा सकता है। आतंकवाद के मुद्दे पर वैश्विक स्वीकार्यता प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित हुई। भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में डॉ. सुधांशु ने कहा कि प्रधानमंत्री की हालिया विदेश यात्रा के दौरान 4 देशों ने अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया और इसी के साथ प्रधानमंत्री को अब तक 27 देशों का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्राप्त हो चुका है। वे 17 देशों की पार्लियामेंट को संबोधित कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि भारत विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था हो चुका है

और तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। हमारे आर्थिक और सामरिक हित बहुत से महत्वपूर्ण मैटेरियल पर निर्भर हैं, जिसमें डायमंड, यूरेनियम, लिथियम, गोल्ड जैसे क्रिटिकल मैटेरियल शामिल हैं।

घाना और नामीबिया जैसे देश, जो इस प्रकार के तत्वों का प्राकृतिक रूप से बड़ा संग्रह रखने वाले देश हैं, उनके साथ भारत का एग्रीमेंट होना, भारत को न सिर्फ आत्मनिर्भर बनाता है, बल्कि क्रिटिकल रियर अर्थ मैटेरियल के लिए किसी एक देश पर निर्भर होने से मुक्ति भी दिलाता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आने से पहले, भारत को ब्रिक्स में सबसे कमजोर देश माना जाता था। आज भारत ब्रिक्स में सबसे मजबूत देशों में से एक है। हम विश्व के एकमात्र देश हैं, जो ब्रिक्स के भी सदस्य हैं और क्वाड के भी सदस्य हैं। यह दिखाता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है। किसी जमाने में हम गुटनिरपेक्ष हुआ करते थे, आज हम समावेशिता की ओर बढ़ चुके हैं।

अगले 5 दिनों में देशभर में भारी बारिश की चेतावनी, कई राज्यों में चलेगी तेज हवा, बिजली गिरने की घटनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर में मानसून पूरी रफ्तार से बरस रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मध्य, पूर्वी, उत्तर-पश्चिम, पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत के कई राज्यों में भारी से अति भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। कुछ क्षेत्रों में 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं और बिजली गिरने की घटनाएं भी हो सकती हैं। मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और आवश्यक एहतियात बरतने की अपील की है।मध्य प्रदेश में 10 से 15 जुलाई तक विभिन्न स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना बनी हुई है। 10 से 11 जुलाई को विदर्भ, 10, 11, 14 और 15 जुलाई को छत्तीसगढ़, 13 जुलाई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल व सिक्किम, 14 जुलाई को पश्चिम बंगाल, तथा 13 से 15 जुलाई के बीच ओडिशा में भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 10 से 12 जुलाई तक मध्य प्रदेश में ÷बहुत भारी वर्षा÷ होने की चेतावनी दी गई है। 10 जुलाई को विदर्भ, छत्तीसगढ़ व झारखंड में भी कई जगह बारिश हो सकती है। इस क्षेत्र में अगले सप्ताह हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक व 30 से 40 किमी/घंटा तक तेज हवाओं की भी संभावना बनी हुई है। उत्तर-पश्चिम भारत में 10 से 15 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान व उत्तराखंड के कई हिस्सों में भारी बारिश संभव है। 10 और 13 से 15 जुलाई को हिमाचल प्रदेश, 10 से 13 जुलाई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश, 10 से 11 जुलाई को पूर्वी उत्तर प्रदेश, और 12 से 15 जुलाई को पश्चिमी राजस्थान में भी बारिश की संभावना जताई गई है। 10 जुलाई को उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब व हरियाणा में और 11 से 13 जुलाई को पूर्वी राजस्थान में 'बहुत भारी वर्षा' हो सकती है। पश्चिम भारत में कोंकण से गोवा व गुजरात में 10 से 15 जुलाई के दौरान विभिन्न स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। विशेष रूप से 10 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों, तथा 12 से 13 जुलाई को सौराष्ट्र और कच्छ में भी बारिश के हालात बन रहे हैं। दक्षिण भारत में 10 से 15 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक व केरल के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के साथ 40 से 50 किमी/घंटा की तेज सतही हवाएं चलने की चेतावनी जारी की गई है। यहां भी अगले 7 दिनों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना बनी हुई है। पूर्वोत्तर भारत में भी अगले हफ्ते ज्यादातर जगहों पर छिटपुट से मध्यम बारिश, गरज व बिजली गिरने की घटनाएं देखने को मिल सकती हैं। 10 से 15 जुलाई में असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम व त्रिपुरा समेत 11 से 15 जुलाई को अरुणाचल प्रदेश के भी कई हिस्सों में भारी बारिश होने का अनुमान है। विश्लेषण के मुताबिक, झारखंड, गंगा क्षेत्र व उससे सटे क्षेत्रों में विक्षोभ के कारण समुद्र तल से ऊपरी वायु के चक्रण उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहे हैं। यह प्रणाली महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, अंडमान क्षेत्र व पूर्वी भारत के मानसून गर्त से जुड़ी हुई है।

बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत अब तक 66.16 प्रतिशत फॉर्म जमा

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी और बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) की अथक मेहनत से व्यापक समर्थन मिल रहा है। 24 जून से शुरू हुए इस

अभियान में अब तक कुल 5.22 करोड़ (5,22,44,956) नामांकन फॉर्म एकत्र किए जा चुके हैं। यह राज्य के 7.90 करोड़ मतदाताओं का 66.16 प्रतिशत है। चुनाव आयोग के अनुसार 77,895 बीएलओ, 20,603 नव नियुक्त बीएलओ, 4 लाख स्वयंसेवक तथा सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 1.56 लाख बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) इस अभियान में जुटे हुए हैं। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों और कमजोर वर्गों तक पहुंच सुनिश्चित की है। अब भी मतदाताओं के पास फॉर्म जमा करने के लिए 15 दिन का समय शेष है। अब तक 7.90 करोड़ फॉर्म छापे जा चुके हैं, जिनमें से लगभग 98 प्रतिशत (7.71 करोड़) का वितरण भी हो चुका है। आयोग को उम्मीद है कि अगर यही गति बनी रही, तो यह कार्य 25 जुलाई की समय सीमा से पहले ही पूर्ण हो सकता है।

भारत स्वच्छ परिवहन की ओर तेजी से अग्रसर : हर्ष मल्होत्रा

जेंसी

नई दिल्ली। देश में तेजी से स्वच्छ और हरित परिवहन को मजबूत करने के लिए केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने दिल्ली के यशोभूमि में 'भारत ऊर्जा भंडारण सप्ताह 2025' का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने ई-मोबिलिटी को भविष्य की जरूरत बताते हुए कहा कि मोदी सरकार का लक्ष्य है- टिकाऊ, सुरक्षित और सुलभ परिवहन व्यवस्था तैयार करना।उन्होंने कहा कि भारत जैसे विकासशील और तेजी से बढ़ते देश के लिए इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर बदलाव केवल तकनीकी सुधार नहीं बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता बन चुकी है। यह न केवल जलवायु परिवर्तन से लड़ने का साधन है बल्कि ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक लचीलेपन के लिए भी आवश्यक है।मल्होत्रा ने कहा कि मोदी सरकार ने ई-वाहनों को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री ई-ड्राइव योजना और फेम-II जैसी नीतियां लागू की हैं। इसके अलावा ईवी रेट्रोफिटिंग नियम और टोल टैक्स छूट जैसे कदमों के ज़रिए स्वच्छ, सुलभ और टिकाऊ परिवहन की दिशा में ठोस प्रगति हो

रही है। उन्होंने बताया कि सड़क, रेल और भंडारण को एकीकृत करते हुए विकसित किए जा रहे मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क अब हरित ऊर्जा प्रावधानों और ईवी-अनुकूल सुविधाओं से लैस किए जा रहे हैं। इससे लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी और उत्सर्जन घटेगा, जिससे भारत एक आधुनिक और कनेक्टेड ट्रांसपोर्ट हब बन सकेगा। उन्होंने कहा कि देश की जलवायु और परिवहन आवश्यकताओं के अनुरूप बैटरी भंडारण प्रौद्योगिकियों का विकास बेहद जरूरी है। उन्होंने उद्योग जगत से अनुसंधान, स्थानीय निर्माण, बैटरी रीसाइक्लिंग और पुनः उपयोग जैसे सर्कुलर समाधान अपनाने की अपील की।

राष्ट्रपति से मिले देशभर के प्रमुख जनजातीय प्रतिनिधि, समावेशी विकास पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रमुख जनजातीय लोगों का एक प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से राष्ट्रपति भवन में मिला। इस अवसर पर आवास और शहरी कार्य एवं विद्युत मंत्री मनोहर लाल, जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम और जनजातीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री दुर्गादास उइके भी उपस्थित रहे। राष्ट्रपति मुर्मु ने जनजातीय समुदाय के अनुभव, ज्ञान और उनकी अनमोल सांस्कृतिक विरासत की सराहना करते हुए कहा कि यह हमारे राष्ट्र की बहुलता और विविधता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की सक्रिय भागीदारी से ही सच्चे अर्थों में समावेशी विकास संभव है। यह विशेष संवाद जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया, जो सरकार की सहभागी और विकेन्द्रीकृत शासन की दिशा में उठाया गया एक अहम कदम है। इस पहल का उद्देश्य जनजातीय समाज की आवाज़ को नीति-निर्माण में शामिल करना और उनकी ज़रूरतों को बेहतर ढंग से समझकर विकास की मुख्यधारा में लाना है।राष्ट्रपति मुर्मु ने विश्वास जताया कि जनजातीय समाज की भागीदारी से भारत सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से और अधिक सशक्त होगा।

देश के ज्वलंत मुद्दों पर ही बोलें शशि थरूर, सरकार की तारीफ में शहनाई न बजाएंः सुखदेव भगत

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने कांग्रेस नेता शशि थरूर और मोदी सरकार की विदेश नीति पर तीखे सवाल उठाए। उन्होंने समाचार एजेंसी से बातचीत में मणिपुर हिंसा और विदेश नीति की विफलता पर अपनी राय रखी। साथ ही, गुजरात में कांग्रेस के अल्पसंख्यक प्रतिनिधित्व के मुद्दे पर भी टिप्पणी की। सुखदेव भगत ने शशि थरूर को लेकर कहा कि उनके जैसे विद्वान नेता को देश के ज्वलंत मुद्दों पर बोलना चाहिए, न कि मोदी सरकार की तारीफ में शहनाई बजानी चाहिए। उन्होंने 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय कोई भी देश भारत के साथ नहीं खड़ा हुआ। कांग्रेस सांसद ने कहा कि जब 12 देशों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नागरिक सम्मान दिए और 17 देशों की संसद को उन्होंने संबोधित किया, तब भी कोई भारत के साथ क्यों नहीं खड़ा हुआ? भगत ने मोदी सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठाया। कहा, मणिपुर आज भी जल रहा है, लेकिन इस पर कोई चर्चा नहीं हो रही। यह दुखद है। शशि थरूर को बुद्धिजीवी नेता बताते हुए

कहा, उन्हें अवसरवादी राजनीति से बचना चाहिए। बाढ़ के समय सांप, मैना और बिच्छू एक ही डाल पर बैठ जाते हैं, लेकिन यह अवसरवादिता है, न कि विचारधारा। थरूर से अपेक्षा है कि वो देशहित में सकारात्मक और भविष्योन्मुखी चर्चा करें।

सुखदेव भगत ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि कोर्ट ने आधार को विभिन्न योजनाओं से जोड़ने की अनुमति दी है, जो सही है।

उन्होंने सवाल पूछा, जब बैंक खाते और अन्य सेवाएं आधार से जुड़ी हैं, तो चुनाव प्रक्रिया में आधार का उपयोग क्यों नहीं किया जा सकता? मुझे संदेह है कि चुनाव आयोग सत्ताधारी दल के दबाव में काम कर रहा है। फिर भी उम्मीद करता हूं कि आयोग निष्पक्ष रहेगा, किसी भी राजनीतिक दल का खिलौना नहीं बनेगा और प्रगतिशील सोच के साथ काम करेगा।

मनसुख मांडविया ने 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' अभियान को आगे बढ़ाने की अपील की

एजेंसी

नई दिल्ली, । केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने नागरिकों से 13 जुलाई को सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के साथ पूरे भारत में आयोजित होने वाले 31वें साइकिलिंग अभियान से पहले 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' अभियान की गति को ताकत के साथ जारी रखने का आग्रह किया है। पूरे भारत में 6,000 से ज्यादा जगहों पर आयोजित होने वाले इस 31 वें आयोजन में लगभग 50 हजार लोग हिस्सा लेंगे। इस सप्ताहांत के मुख्य आकर्षणों में से एक पूर्व वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट चैंपियन और भारत के एकमात्र हैवीवेट खिताब विजेता द ग्रेट खली की उपस्थिति होगी। सात फीट लंबे यह दिग्गज राष्ट्रीय राजधानी के मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में अन्य प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ इस साइकिलिंग रैली का नेतृत्व करेंगे। डॉ. मांडविया ने कहा, पिछले साल दिसंबर में एक छोटी सी शुरुआत से यह साइकिलिंग अभियान एक राष्ट्रव्यापी फिटनेस क्रांति बन गया है, जो 11 हजार से ज्यादा स्थानों पर आयोजित हो रहा है और लाखों नागरिकों को प्रेरित कर रहा है। हम साइकिल के हर पैडल से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मोटापा मुक्त भारत के विजन को आगे बढ़ा रहे हैं। आइए, साइकिल पर फिट इंडिया संडे एक नए भारत की भावना को प्रतिबिंबित करता रहे, और हम एक स्वस्थ, मजबूत और अधिक जीवंत विकसित भारत की ओर बढ़ते रहें। दिसंबर 2024 में डॉ. मनसुख मांडविया द्वारा शुरू किया गया 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' एक प्रमुख राष्ट्रीय अभियान के रूप में विकसित हुआ है, जो लाखों नागरिकों को साइकिलिंग को जीवनशैली के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, यह आयोजन पूरे भारत में 11 हजार से अधिक स्थानों तक फैल चुका है, जिसमें विभिन्न आयु वर्गों के चार लाख से अधिक नागरिक शामिल हो रहे हैं। इस साइकिलिंग अभियान के विशेष साझेदार सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) हैं और नई दिल्ली में खली उर्फ दलीप सिंह राणा के साथ 500 से ज्यादा साइकिल चालकों के शामिल होने की उम्मीद है। 52 वर्षीय दलीप 2006 में डब्ल्यूडब्ल्यूई द्वारा अनुबंधित होने वाले पहले भारतीय पेशेवर पहलवान बने थे। फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के पिछले संस्करणों में सशस्त्र बलों से लेकर डाकियों तक को श्रद्धांजलि देने के साथ-साथ सफाई कर्मचारियों और डॉक्टरों के साथ सहयोग जैसे विषय शामिल रहे हैं। इसका संदेश मोटापे के खिलाफ लड़ाई है।

संक्षिप्त समाचार

मांडर रेफरल अस्पताल में विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - मांडर रेफरल अस्पताल में शुक्रवार को विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसका उदघाटन प्रखंड चिकित्सा प्रभारी डॉ किशोर कुल्लू व डॉ ज्योत्सना ने किया. कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को प्रखंड चिकित्सा प्रभारी ने विश्व जनसंख्या दिवस व परिवार नियोजन के संबंध में बताया और परिवार नियोजन को लेकर रेफरल अस्पताल व अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध सरकारी सुविधा की जानकारी उपलब्ध कराई. इस दौरान दो महिलाओं का बंध्याकरण भी किया गया. मौके पर चंदन कुमार ठाकुर, सरस्वती देवी, अनिमा पुष्पा बाड़ा, उमा कुमारी, अनीता कुजूर,सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे!

होटल शांति निकेतन और इंडियन स्पाइस रेस्टोरेंट का उद्घाटन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

नेक्सोटेल ग्रुप ऑफ होटल्स तहत होटल शांति निकेतन का भव्य उद्घाटन हुआ। यह नेक्सोटेल का 58वां आउटलेट है। Nexotte' भारत की एक हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट कंपनी है, जो देशभर के होटल्स और रिसॉर्ट्स को संचालन, विपणन और ब्रांडिंग में विशेषज्ञ समाधान प्रदान करती है। वर्तमान में महाराष्ट्र, गुजरात, झारखंड, उत्तर प्रदेश और राजस्थान जैसे 5 राज्यों में नेक्सोटेल के होटल्स कार्यरत हैं। यहाँ पर स्थित इंडियन स्पाइस रेस्टोरेंट एक मल्टीकुजीन रेस्टोरेंट है, जहाँ भारतीय, चीनी, तंदूरी, फास्ट फूड सहित विभिन्न प्रकार के व्यंजन उपलब्ध हैं। इसके साथ ही, शुद्ध शाकाहारी और जैन भोजन की भी विशेष सुविधा प्रदान की गई है। होटल शांति निकेतन में कुल 48 कमरे हैं। यहाँ 3 बैंक्वेट हॉल और एक सुंदर लॉन की सुविधा भी उपलब्ध है, जो शादियों और विभिन्न पारिवारिक आयोजनों के लिए उपयुक्त हैं। बैंक्वेट हॉल की क्षमता क्रमशः 200, 180 और 100 लोगों की है। यहाँ शादी-विवाह एवं अन्य फंक्शन व्यवस्थित ढंग से आयोजित किए जा सकते हैं। आज प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. रंजीत कुमार, एजीएम तुंगनाथ तिवारी और कंपनी के संस्थापकगण शिवेंदु मिश्रा और सौरव मित्रा उपस्थित रहे। यह क्षेत्र का पहला शुद्ध शाकाहारी रेस्टोरेंट है, जहाँ जैन भोजन की भी उत्तम व्यवस्था है।

एसडीएम के आदेश को पूर्णतः पालन व मनरेगा से निर्मित सड़क होंगे अतिक्रमण मुक्त, होगी कानूनी कार्रवाई

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

एम्स अस्पताल बाहर मुख्य मार्ग के किनारे योगिया छौरांट मौजा में भूमाफिया द्वारा मनरेगा मिट्टी मोरम पथ अतिक्रमण किये जाने के मामले अंचलधिकारी खोपलाल राम ने कहा है कि देवघर एसडीएम के आदेश को पूर्णतः पालन कराया जायेगा और मनरेगा से निर्मित सड़क अतिक्रमण मुक्त होंगे। इसके लिए दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जायेगी। भूमाफिया द्वारा सड़क अतिक्रमण कर निर्माण कार्य पर पूर्ण रूप से रोक लगा दिया गया है। बताया कि उक्त गांव के ग्रामीणों के लिए यह एक मात्र सड़क है जो गांव से मुख्य मार्ग को जोड़ता है और कोई दूसरा विकल्प भी नहीं है। उसे किसी के द्वारा किसी भी हाल में अतिक्रमण नहीं करने दिया जायेगा और ऐसा किये जाने पर चिन्हित कर दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जायेगी। आवेदन में योगिया छौरांट निवासी डीगो राणा, सिकन राणा, मुकन्दर राणा आदि आरोपी बनाया गया है।

0-5 वर्ष के बच्चों का आधार बनाने को लेकर लगाया जा रहा है कैम्प

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर उपायुक्त से प्राप्त निदेश पर में 0-5 वर्ष के बच्चों का शत प्रतिशत आधार बनाने हेतु आधार कैंप का लगाने का निर्देश दिया है। जिसके तहत देवीपुर बाल विकास परियोजना कार्यालय के स्तर से चिन्हित देवीपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न जगहों पर शुक्रवार से कैम्प आयोजित किया जा रहा है। जहाँ पर 0-5 वर्ष के बच्चों के आधार पंजीकरण के लिए बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र एव माता या पिता में से किसी एक के साथ बच्चों को उपस्थित होने कहा गया है।

दिल्ली पैरालंपिक समिति की अध्यक्ष पारुल सिंह ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से की मुलाकात

नई दिल्ली, ।

दिल्ली राज्य पैरा ओलंपिक समिति की अध्यक्ष पारूल सिंह आज रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके नई दिल्ली स्थित आवास पर मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने रक्षा मंत्री को उनके 74वें जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और आगामी वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 को लेकर विस्तार से चर्चा की। गौरतलब है कि लखनऊ में जन्मीं पारूल सिंह दिल्ली पैरालंपिक समिति की अध्यक्ष भी हैं ।पारुल सिंह ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी को 27 सितंबर से 5 अक्टूबर 2025 के बीच जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित होने जा रही चैंपियनशिप में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आमंत्रण भी दिया। यह आयोजन भारत में अब तक का सबसे बड़ा पैरा-स्पोर्ट्स टूनार्मेंट होगा, जिसमें 100 से अधिक देशों से 1,000 से अधिक खिलाड़ी 186 पदक स्पधाओं में हिस्सा लेंगे।राजनाथ सिंह ने इस आयोजन में अपनी उपस्थिति की पुष्टि करते हुए यह भी आश्वासन दिया कि रक्षा मंत्रालय और उसके स्वास्थ्य कार्यक्रम चैंपियनशिप को सफल बनाने में आवश्यक संसाधन और सहयोग प्रदान करेंगे।रक्षा मंत्री ने पारुल सिंह के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने दिल्ली पैरा ओलंपिक समिति के

जरिए इस वैश्विक आयोजन को एक ऐतिहासिक अवसर में बदलने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्रालय आयोजन की जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत सरकार के साथ पूरी तरह से सहयोग करेगा।₹रक्षा मंत्री से मिला यह समर्थन हमारे लिए एक बहुत बड़ा विश्वास है,₹ पारुल सिंह ने कहा। ₹यह न केवल पैरा खिलाड़ियों को सशक्त बनाने का अवसर है, बल्कि भारत की खेल संस्कृति में एक समावेशी बदलाव लाने का भी माध्यम बनेगा।₹इससे पहले, पारुल सिंह ने 7 जुलाई को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी मुलाकात की थी और अंतरराज्यीय सहयोग को लेकर चर्चा की थी। उन्होंने मुख्यमंत्री को भगवान राम और माता सीता की पारंपरिक चित्रकला भेंट की थी, जो सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। रक्षा मंत्री का समर्थन इस राष्ट्रीय आयोजन को नई दिशा और ऊर्जा देता है। पारुल सिंह के नेतृत्व और मंत्रालय के सहयोग से यह चैंपियनशिप न केवल खेल कौशल का प्रदर्शन करेगी, बल्कि समावेशिता और राष्ट्रीय गर्व की भावना को भी सुदृढ़ करेगी। अब जबकि आयोजन में तीन महीने से भी कम समय बचा है, यह चैंपियनशिप भारत के पैरा-स्पोर्ट्स इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बनने जा रही है।

ग्यारह सफल विद्यार्थियों को 'प्रो. एम. एस. स्वामीनाथन इंस्पिरेशन अवार्ड' की मानद उपाधि

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर। स्थानीय साइंस एंड मैथमेटिक्स डेवलपमेंट आगेर्नाइजेशन के बैनर तले माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक परीक्षा 2025 के ग्यारह सफल विद्यार्थियों को दीनबंधु उच्च विद्यालय स्थित रवीन्द्र सभागार में साइंस आगेर्नाइजेशन के राष्ट्रीय सचिव डॉ. प्रदीप कुमार सिंह देव, मुख्य अतिथि रेड क्रॉस सोसाइटी, देवघर की महिला प्रतिनिधि ममता किरण, विशिष्ट अतिथि प्रगतिशील लेखक संघ, देवघर के अध्यक्ष प्रो. रामनंदन सिंह, दीनबंधु स्कूल के प्रधानाध्यापक काजल कांति सिकदार, समाजसेवी सुमन सौरभ, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की छात्रा आयुषी अन्या, आशुतोष बालिका उच्च विद्यालय, रोहिणी के प्रधानाध्यापक अमित कुमार दुबे एवं राजस्थान निवासी ई. पूनम तिवारी के करकमलों से प्रो. एम. एस. स्वामीनाथन इंस्पिरेशन अवार्ड₹ की मानद उपाधि से अलंकृत एवं विभूषित किया गया। ज्ञात हो 80 से 89.99 प्रतिशत प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को यह पुरस्कार दिया गया। इस वर्ष स्वामीनाथन जी की

शतवार्षिकी मनाई जा रही है। वे भारत के आनुवंशिक वैज्ञानिक थे जिन्हें भारत की हरित क्रांति का जनक माना जाता है। प्राप्त सूची के मुताबिक आशुतोष विद्यालय की स्वीटी कुमारी को. प्रतिशत, ब्लू बेल्स स्कूल की संचिता मणि एवं प्रेरणा कुमारी को क्रमशः 84.2 एवं 88 प्रतिशत, देव वैली हाई स्कूल की सुहानी कुमारी को 82.4 प्रतिशत, उत्क्रमित उच्च विद्यालय, कोठिया की अंजलि सिन्हा को 81.4 प्रतिशत, देवघर संत फ्रांसिस स्कूल की चाहत पिया को 88.4 प्रतिशत, आशुतोष बालिका उच्च विद्यालय की परी कुमारी झा को 80 प्रतिशत, एस. एस. बी. एस. एम. जी. हाई स्कूल, सुईयाघूठी, बांका, बिहार के ऋतु राज को 89.8 प्रतिशत, बारहवीं में रमा देवी बाजला महिला महाविद्यालय की निशा कुमारी को 81.4 प्रतिशत, मातृ मंदिर गर्ल्स प्लस टू हाई स्कूल की सरस्वती कुमारी एवं यशोदा कुमारी को क्रमशः 81.4% एवं 82.8% प्रतिशत अंक प्राप्त हेतु यह सम्मान प्रदान किया गया।

भारत विकास परिषद, देवघर शाखा ने निःशुल्क कांवरिया सेवा शिविर का किया शुभारम्भ

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

भारत विकास परिषद देवघर शाखा ने आज 11 जुलाई को संध्या 6.30 बजे श्रावण मास के प्रथम दिन कांवरिया शिवभक्तों की सेवा के लिए श्रावणी मेला निःशुल्क प्राथमिक सेवा शिविर का शुभारंभ किया। परिषद के संरक्षक डॉ. अरुण गुटगुटिया, आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षक निशांत जी, अध्यक्ष आलोक मल्लिक, सचिव कंचन शेखर सिंह की उपस्थिति में कांवरिया बहनों ने शिविर का उद्घाटन फीता काटकर तथा नारियल फोड़ कर किया। इसके साथ ही सबलोगों ने भारत माता तथा परिषद के ध्येय पुरुष स्वामी विवेकानंद की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित किया। शिविर का उद्घाटन 10 जुलाई को परिषद के स्थापना दिवस के सुअवसर पर आज किया गया। इस अवसर पर परिषद के संस्थापक राष्ट्र समर्पित डॉ. सूरज प्रकाश को याद किया गया तथा उनकी तस्वीर पर भी सबने पुष्पांजलि अर्पित किया। सेवा शिविर शिवगंगा तट, नेहरू पार्क के गेट के बगल में लगाया गया है। इस शिविर में शिवभक्तों की सेवा के लिए प्राथमिक उपचार, दवा

वितरण, शुद्ध पेयजल, नींबू पानी तथा रविवार एवं सोमवार को फलाहार की व्यवस्था की गई है। शिविर अनुराग गुटगुटिया वेलफेयर ट्रस्ट, मधुपुर के सौजन्य से संचालित किए जा रहे हैं। ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी ने कहा कि भारत विकास परिषद, देवघर के शिविर के माध्यम से शिवभक्तों की सेवा मेरे लिए परम सौभाग्य की बात है। विदित हो कि डॉ. अरुण गुटगुटिया जी ने अपने सुपुत्र की स्मृति में ट्रस्ट की स्थापना की है जो जनसेवा के कार्यों में योगदान किया करती है। परिषद के शाखा अध्यक्ष आलोक मल्लिक ने बताया कि परिषद पिछले दस वर्षों से कांवरिया भक्तों की सेवा श्रावणी मेला में पूरे माह करती है। ट्रस्ट के सहयोग तथा परिषद के सभी सदस्यों के तन मन धन सेवा से यह शिविर मास पर्यन्त चलेगी। आज शिविर के शुभारंभ अवसर पर उपरोक्त के अलावे सदस्य संजय बंका, बिपिन मिश्र, देवा संयोजक रंजीत बरनवाल, प्रो. परिमल सिंह, प्रशांत कुमार सिन्हा, राम किशोर सिंह, अजय सिंह, रणधीर कुमार, आशा कुमारी प्रसाद, प्रीति कुमारी, रेखा सिंह, रीना कुमारी, अशोक प्रसाद, हर्षवर्धन सहित कई लोग मौजूद थे। शिविर संचालन में गौतम कुमार, दिवाकर चौधरी, रूपेश कामती तथा आकाश कुमार नियमित सेवा दे रहे हैं।

विश्व दायित्ववान नागरिक संगठन WORC ने निभाया अपना दायित्व, जागरूकता हेतु बनाया मानव श्रृंखला

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज दिनांक 11.07.25 को अनियंत्रित गैरअनुपातिक जनसंख्या पर नियंत्रण के लिए जागरूकता हेतु विश्व दायित्ववान नागरिक संगठन (WORC) के बैनर तले मानव श्रृंखला बनाई गई। इस श्रृंखला में देवघर के लगभग 1000 जागरूक लोगों ने अपनी सहभागिता निभाई। मौके पर WORC के संस्थापक डॉ एन डी मिश्रा ने कहा कि देश में अनियंत्रित गैर अनुपातिक जनसंख्या एक भयावह रूप में सामने है, इसके निदान और प्रभावशाली कानून बनाने के लिए साकार का ध्यान आकृष्ट करने हेतु आज शहर के मध्य टावर चौक पर विशाल मानव श्रृंखला बनाकर जनसंख्या नियंत्रण का सन्देश और इसके निदान हेतु प्रभावशाली कानून बनाने के लिए साकार का ध्यान आकृष्ट किया गया।

जनसंख्या वृद्धि से सामाजिक सदभाव का खतरा : डॉ. एनडी मिश्रा

मौके पर वर्ल्ड रिस्पांसिबल सिटिजंस ऑर्गेनाईजेशंस के संस्थापक और शहर के जाने-माने नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. एनडी मिश्रा ने कहा कि मानव श्रृंखला के जरिए देवघर के

प्रबुद्ध लोगों ने संस्था के बैनर तले आकर यह प्रमाणित किया कि देवघर के लोग राष्ट्रीय समस्या जनसंख्या वृद्धि को लेकर कितने जागरूक हैं। विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर शहर की हृदयस्थली टावर चौक पर सड़क के दोनों ओर करीब 2 किलोमीटर लंबी मानव श्रृंखला बनाई गई है और सभी लोगों की एक ही मांग है कि देश में जनसंख्या नियंत्रण के लिए प्रभावशाली नीति बने। डॉ. मिश्रा ने कहा कि हमारा राष्ट्र तभी सुरक्षित होगा, जब जनसंख्या नियंत्रित होगी। जनसंख्या नियंत्रण देश के विकास में भी सहायक होगा। उन्होंने कहा की जनसंख्या में गुणात्मक वृद्धि नहीं हो रही है, बल्कि संख्यात्मक वृद्धि हो रही है, जिसके कारण सामाजिक सद्भाव का खतरा हमेशा बना रहता है। उन्होंने कहा कि जो समाज के शिक्षि, समृद्ध और जागरूक लोग हैं वो तो जनसंख्या नियंत्रित कर रहे हैं वहीं दुसरी ओर अशिक्षित, गरीब और बेरोजगार लोगों की जनसंख्या बढ़ रही है जिससे भविष्य में सामाजिक सद्भाव के बिगड़ने का भी खतरा है। इसके पूर्व आज हडफ्ठ के बैनर तले देवघर के विभिन्न लगभग 30 विद्यालयों के बच्चों ने रैली निकालकर आमजनों को जागरूक किया। इस दौरान संकल्प एजुकेशन, इनरव्हील क्लब ऑफ देवघर, भाजपा भारतीय महिला मोर्चा, बरनवाल समिति, मिथिला महिला मंच, अग्रहरी समाज, बाजला महिला विद्यालय, सुप्रभा शिक्षा स्थली, मैत्रेया स्कूल, एस के पी विद्या विहार, सहदेवा अकादमी, जसीडीह पब्लिक स्कूल, नंदन कानन, आशा इंटरनेशनल स्कूल, डिवाइन पब्लिक स्कूल, अम्बेडकर लाइब्रेरी, सांदीपनी पब्लिक स्कूल, दीनबंधु उच्च विद्यालय, न्यू विजन स्कूल, संत जोलो स्कूल, दून पब्लिक स्कूल, ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, बाल भारती, भारती विद्यापीठ, किड्स केयर, आंचल स्कूल, देवघर पब्लिक स्कूल, पंडित आमदानंद अकादमी, एकलव्य पब्लिक स्कूल, एम एन अकादमी, वर्ड इंटरनेशनल स्कूल इत्यादि सहित कई शैक्षणिक संस्थानों में रैली निकालकर अनियंत्रित गैर अनुपातिक जनसंख्या के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। मौके पर स्वास्थ्य विभाग के पूर्व निदेशक प्रमुख डॉ वीरेंद्र कुमार सिंह, संकल्प एजुकेशन के निदेशक तरुण ठाकुर, अंबडेकर पुस्तकालय के अध्यक्ष डी राम, सचिव महेश कुमार लंकेश, विशाखा सिंह, मंजू बरनवाल, उदय शंकर झा रजनीकांत रंजन जी धर्मेंद्र कुमार, नीलांबर कुमार, प्रोफेसर राजीव रंजन, रूपा केसरी, ममता किरण सारिका साह, भाजपा महिला मोर्चा के अध्यक्ष रूपा केसरी आदि मौजूद थे।

एम्स अस्पताल के आईसीयू वार्ड में इलाजरत छात्र की स्थिति नाजुक, कई चिकित्स्क कर रहे हैं इलाज

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

एम्स अस्पताल देवघर में एमबीबीएस 2022 बैच का अध्ययनरत छात्र ध्रुव कुमार बहुमंजिला आवासीय भवन के 5वीं तल्ला से छलांग लगा लेने से स्थिति गंभीर बनी हुई है। एम्स अस्पताल के आईसीयू वार्ड में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। छात्र ध्रुव कुमार अशोकनगर मध्यप्रदेश निवासी है। एम्स के संबंधित चिकित्सक के द्वारा इलाज किया जा रहा है। एम्स अस्पताल के निदेशक डॉ सौरभ वार्ष्णेय ने बताया है कि घायल छात्र ध्रुव कुमार को आईसीयू में भर्ती कर गहन इलाज किया जा रहा है। उसके

माता-पिता को भी बुला लिया गया है। गंभीर रूप से घायल छात्र की स्थिति नाजुक बनी हुई है। फिलहाल संबंधित चिकित्सकों समुचित इलाज किया जा रहा है। मामले में देवीपुर थाना पुलिस छानबीन कर कर रही है।

साहिबगंज में नवनिर्मित पुलिस अधीक्षक कार्यालय का हुआ भव्य उद्घाटन

साहिबगंज

: साहेबगंज जिला अंतर्गत पुलिस लाईन परिसर में नवनिर्मित पुलिस अधीक्षक कार्यालय भवन का भव्य उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य रूप से जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह एवं केंद्रीय सचिव -सह-प्रवक्ता,झामुमो पंकज मिश्रा ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़कर भवन का उद्घाटन किया।इस अवसर पर उपायुक्त हेमंत सती ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह कार्यालय पुलिस प्रशासन के कामकाज को और अधिक सुगम, पारदर्शी और प्रभावशाली बनाएगा। उन्होंने कहा कि जनता की सुरक्षा और सेवा में यह नया भवन मील का पत्थर साबित होगा।पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने कहा कि नए कार्यालय भवन से पुलिस कर्मियों को बेहतर कार्य करने का वातावरण मिलेगा, जिससे कानून-व्यवस्था को बनाए रखने में अधिक कुशलता आएगी। उन्होंने भवन निर्माण कार्य की गुणवत्ता की सराहना की और इसके सफल निर्माण के लिए सभी संबंधित विभागों को धन्यवाद दिया।केंद्रीय झामुमो सचिव-सह-प्रवक्ता पंकज मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकार जनता की सुरक्षा और प्रशासनिक मजबूती को लेकर निरंतर प्रयासरत है। यह भवन उसी का एक उदाहरण है।

पीड़ित महिला अपनी फरियाद लेकर बहुचर्चित समाजसेवी अजहर इस्लाम के पास पहुंची

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ सदर प्रखंड अंतर्गत रहसपुर पंचायत की एक पीड़ित महिला युवा बहुचर्चित समाजसेवी अजहर इस्लाम के आवासीय कार्यालय में मदद की गुहार लगाने पहुंची. आखरी उम्मीद के साथ अपनी पीड़ा और समस्या अजहर इस्लाम के समक्ष रखी. प्राप्त जानकारी के अनुसार लगभग दो वर्ष पूर्व महिला का विवाह आलमगीर आलम नामक व्यक्ति से हुआ था। विवाह के कुछ समय बाद जब वह गर्भवती हुई, तभी से उस पर दहेज के लिए मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न शुरू किया. पीड़ित महिला के ससुराल वालों ने उसके साथ बेरहमी से मारपीट कर अंततः महिला को ससुराल वालों ने घर से निकाल दिया। इन दो वर्षों में न तो पीड़ित महिला के पति ने कोई सुध ली, न एक रुपए की आर्थिक सहयोग की, इस बाबत समाजसेवी अजहर इस्लाम ने कहा क्या यही हमारा समाज है, जहां एक बेटी को इतना दर्द सहना पड़े. क्या हमारी बहन-बेटियों की इज्जत और अधिकार इतने सस्ते हो गए हैं. आगे उन्होंने कहा. मैंने बहन को न्याय दिलाने का पूरा भरोसा दिलाया है। हम इस अन्याय के खिलाफ प्रशासनिक और कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। जो भी दोषी है, उसे सजा दिलाकर रहेंगे। हमारी लड़ाई हर उस बहन के सम्मान के लिए है, जिसे समाज ने अकेला छोड़ दिया है।

संक्षिप्त समाचार

श्रावणी स्पेशल ट्रेन चलाने की भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता के मांग को मिली मंजूरी, सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

शेफाली गुप्ता की पहल से श्रावणी स्पेशल ट्रेन शुरू हजारीबाग से देवघर तक सीधा रेल संपर्क बहाल

दिव्य दिनकर : हजारीबाग

जब एक महिला कदम बढ़ाती है, तो केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक पूरा समाज आगे बढ़ता है। हजारीबाग से देवघर के बीच नई ट्रेन सेवा की शुरूआत, केवल एक रेल का शुभारंभ नहीं है यह उस सोच की शुरूआत है जिसमें हजारीबाग के हर नागरिक के सपनों को पंख मिलेंगे। श्रावणी स्पेशल ट्रेन चलाने की भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता के मांग को मंजूरी मिली। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद एवं ओम आरोहणम संस्था की संस्थापिका सह भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शेफाली गुप्ता की पहल से श्रावणी स्पेशल ट्रेन की शुरूआत हुआ है। हजारीबाग से देवघर तक सीधा रेल संपर्क बहाल किया गया है। जिस धरती ने संघर्ष और साधना से नेतृत्व को जन्म दिया, वहीं से अब एक नया युग आरंभ हो रहा है – एक ऐसा युग जहाँ हर गांव, हर युवा और हर महिला को अवसर मिलेगा आगे बढ़ने का। उनका यह कदम साबित करता है ,की केवल वो समाजसेविका नहीं है बल्कि एक जननायिका के रूप में उभर रही हैं – जो समझती हैं जमीन की आवाज, और जानती हैं कि बदलाव की असली गूंज पटरियों पर नहीं, लोगों के दिलों में होनी चाहिए। इस उद्घाटन में हजारीबाग के विधायक प्रदीप प्रसाद की उपस्थिति यह सिद्ध करती है कि जब संकल्प और सहयोग साथ चलते हैं, तब विकास की गति दोगुनी हो जाती है। शेफाली का यह कदम केवल यात्रा की शुरूआत नहीं, बल्कि राजनीति में एक नयी सोच की दस्तक है – एक ऐसी सोच जो वादों से नहीं, कार्यों से नेतृत्व करती है। हजारीबाग आज गर्व महसूस करता है और आने वाला कल गवाही देगा कि इस हरि झंडी के साथ एक सुनहरे भविष्य की शुरूआत हो चुकी है।

बस ओनर एसोसिएशन ने विभिन्न प्रतिष्ठानों के साथ की बैठक

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा के निदेर्शानुसार आज दिनांक- 11.07.2025 को श्रम अधीक्षक, देवघर शैलेन्द्र कुमार साह के अध्यक्षता में अध्यक्ष बस ऑनर एशोसियेसन, देवघर दिनेशान्द झा एवं आर्शिवाद बस के नियोजक आनंद प्रकाश तथा देवघर जिला के विभिन्न विद्यालयों के प्रतिनिधियों कार्यालय कक्ष में बैठक की किया गया। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये गये निदेश के आलोक में देवघर जिला अंतर्गत अध्यक्ष, बस ऑनर एशोसियेसन, देवघर एवं अन्य सदस्य, देवघर जिला के विभिन्न प्राईवेट स्कुलों के प्रतिनिधि तथा ट्रांसपोर्ट व्यवसायियो के साथ मोटर परिवहन कर्मकार अधिनियम, 1961 के अंतर्गत परिवहन उपक्रमों में कार्यरत चालकों, खलासी एवं अन्य कामगारों से प्रतिदिन 08 घण्टे कार्य कराने संबंधित निदेश दिया गया इस के अतिरिक्त सभी बस मालिकों एवं ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों से आठ घण्टे से ज्यादा कार्य नहीं कराने संबंधित वल्लीी१ॅ३ॅल्लॅ पर हस्ताक्षर लिया गया। सभी बस मालिकों, उपस्थित स्कूल के प्रतिनिधियों एवं ट्रांसपोर्ट व्यवसायियो से न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 के अंतर्गत सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी का भुगतान करने तथा उनके यहाँ कार्यरत सभी कर्मियों को हर माह के सात तारीख तक मजदूरी भुगतान अनिवार्य रूप से करने का निदेश दिया गया। परिवहन उपक्रमों में कार्यरत सभी कर्मियों को मजदूरी का भुगतान सिर्फ चेक अथवा बैंक खाता के माध्यम से ही भुगतान करने का निदेश दिया गया। सभी बस मालिकों, उपस्थित स्कूल के प्रतिनिधियों एवं ट्रांसपोर्ट व्यवसायियो को मोटर परिवहन कर्मकार अधिनियम, 1961 के तहत निबंधन कराने का भी निदेश दिया गया। सभी बस मालिकों, उपस्थित स्कूल के प्रतिनिधियों एवं ट्रांसपोर्ट व्यवसायियो को अपने यहाँ किसी भी बाल श्रमिक अथवा अल्प व्यस्क को कार्य पर नहीं रखने का निदेश दिया गया।

डॉ. रामदेव पासवान ने 42वें सिविल सर्जन साहिबगंज के रूप में पदभार ग्रहण किया

साहिबगंजः

साहिबगंज जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन एवं पर्यवेक्षण की अहम जिम्मेदारी संभालते हुए डॉ. रामदेव पासवान ने आज जिले के 42वें सिविल सर्जन के रूप में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने पूर्व सिविल सर्जन डॉ. प्रवीण कुमार संथालिया से विधिवत रूप से कार्यभार प्राप्त किया।पदभार ग्रहण के पश्चात डॉ. पासवान ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य जिले में प्राथमिक से लेकर उच्च स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन तक सुगमता से पहुँचाना एवं जन जागरूकता एवं जन भागीदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता में सुधार, चिकित्सकीय सेवाओं की समयबद्ध उपलब्धता एवं केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को वे सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे।इस अवसर पर जिला स्वास्थ्य विभाग के वरीय पदाधिकारी, चिकित्सकगण, स्वास्थ्यकर्मी एवं अन्य कर्मियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और नई जिम्मेदारी के लिए उन्हें शुभकामनाएँ दीं। सभी ने विश्वास जताया कि डॉ. पासवान के नेतृत्व में जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को एक नई दिशा और गति प्राप्त होगी।

स्थानांतरित सीएस को दी गई भावभीनी विदाई, नये का स्वागत

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ निवर्तमान सिविल सर्जन पाकुड़ मंटू कुमार टेकरीवाल के स्थानांतरण होने पर उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में विदाई सह स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर उपायुक्त मनीष कुमार, उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, वर्तमान सिविल सर्जन डॉ सुरेन्द्र कुमार मिश्रा, परियोजना निदेशक, आईटीडीए अरूण कुमार एक्का, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, उप निर्वाचन पदाधिकारी मोहनलाल मरांडी, भूमि सुधार उप समाहर्ता मनीष कुमार, जिला योजना पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, जिला शिक्षा अधीक्षक नयन कुमार, प्रशासक, जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार अन्य पदाधिकारी, उपाधीक्षक सदर अस्पताल डॉ मनीष कुमार, जिला भीवीडी पदाधिकारी डॉ अमित कुमार, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ के.के सिंह, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी पाकुड़ एवं कर्मचारीगण ने निवर्तमान सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल को अंग वस्त्र, मोमेंट, बुके समेत अन्य उपहार देकर सम्मानित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। साथ ही जिले में पदस्थापित हुए नए सिविल

सर्जन डॉ सुरेन्द्र कुमार मिश्रा को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि सिविल सर्जन के कार्यकाल के दौरान कई चैलेंज आये लेकिन वे कभी विचलित नहीं हुए। जब-जब समस्या आयी सिविल सर्जन ने बड़े धैर्य के साथ कड़ा मुकाबला किया। उनका यह कर्तव्य सदा याद किया जायेगा। उन्होंने कहा कि उनके कठिन परिश्रम से जिला पाकुड़ स्वास्थ्य विभाग राज्य में नम्बर 01 पर रहा। उपायुक्त ने कहा कि सरकारी सेवा में यह एक सतत प्रक्रिया है जो सबके साथ आता है। उपायुक्त ने उनके स्वास्थ्य एवं सुखमय जीवन की मंगल कामना किया। अपने विदाई संबोधन में सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल ने सभी अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और आमजनों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पाकुड़ में बिताया गया समय मेरे लिए अत्यंत प्रेरणादायक रहा। यहां की टीम, जनता और जनप्रतिनिधियों से जो सहयोग मिला, वह हमेशा स्मरणीय रहेगा। कहा कि बदलते हुए पाकुड़ में उपायुक्त पाकुड़ का विशेष योगदान रहा है। उनके मार्गदर्शन में कार्य करने के दौरान सीखने के कई अवसर भी मिले हैं। उनकी सहजता से कोई भी कार्य मुश्किल नहीं था बल्कि कार्य सुगमता से होते रहे। अंत में सिविल सर्जन ने सभी को शुभकामनाएं दी और कहा कि आनेवाले दिनों में पाकुड़ काफी प्रगति करेगा।

हिंदी विभाग में आयोजित हुआ भारतीय ज्ञान परंपरा पर संगोष्ठी

गुरु-शिष्य जैसी महान परंपरा भारत ने विश्व को दिया: डॉ संजय पासवान

दिव्य दिनकर – हजारीबाग

विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के हिंदी विभाग के तत्वाधान में भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरु की महत्ता विषयक संगोष्ठी का आयोजन शुक्रवार को रवींद्रनाथ टैगोर कला भवन के तुलसीदास सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्ण कुमार गुप्ता ने किया। कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा ने कहा कि पढ़ाई को कौशल से जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने पारंपरिक एवं आधुनिक शिक्षा के बीच सामंजस्य स्थापित करने की वकालत की। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं अपने गुरु को खोजने की बात कही। मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ संजय पासवान ने भारतीय परंपरा पर जोर देते हुए कहा कि यह देश खोजी का है रोजी का नहीं। हमें अपने जड़ों से जुड़े रहने की आवश्यकता है। अपने मूल से ही तूल मिलता है। हमने गुरु-शिष्य जैसी महान परंपरा विश्व को दिखाया है। अध्यक्षीय संभाषण में डॉ के.के. गुप्ता ने चाणक्य-चंद्रगुप्त, रामकृष्ण परमहंस- स्वामी विवेकानंद व अन्य गुरु शिष्य जोड़ियां का उदाहरण देते हुए गुरु परंपरा के महत्व को रेखांकित किया। पटना विश्वविद्यालय की डॉ. परमांशी जयदेव ने विभाग में छात्र के अनुपात में छात्राओं की उपस्थिति पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अपने परिवार के साथ-साथ समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में महिलाएं अहम भूमिका निभा रही हैं। विशिष्ट वक्ता तथा राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ.

के.पी. शर्मा ने कहा कि भारतीय शिक्षण का अभिप्राय वैज्ञानिक नहीं बल्कि मानव का निर्माण है। विषय प्रवेश करते हुए डॉ. केदार सिंह ने कहा कि राज परंपरा, शिष्य परंपरा, गुरु परंपरा इन तीनों का परस्पर सामंजस्य ही हमें और हमारे राष्ट्र को विश्व का पद प्रदर्शन बना सकता है। डॉ. सुबोध कुमार सिंह 'शिवगीत' ने अतिथियों का स्वागत किया। विभागीय प्राध्यापक डॉ. राजू राम ने धन्यवाद ज्ञापन तथा डॉ. सुनील कुमार दुबे के द्वारा मंच संचालन किया गया। मौके पर संध्या एवं प्रिया ने स्वागत गीत तथा प्रिया ने कविता पाठ प्रस्तुत किया । इस अवसर पर भिन्न विभाग के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी अच्छी संख्या में उपस्थित हुए। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

तुरसाडीह गांव में तालाब किनारे संदिग्ध स्थिति में मिला युवक का शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

दिव्य दिनकर पाकुड़ प्रतिनिधि ` सोनू कुमार ठाकुर

हिरणपुर प्रखंड के तुरसाडीह गांव में शुक्रवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब गांव के मुख्य सड़क के पास स्थित तालाब किनारे एक युवक का शव संदिग्ध अवस्था में पड़ा मिला। मृतक की पहचान गांव के ही अर्जुन यादव के 18 वर्षीय पुत्र रूपेश यादव के रूप में की गई। घटना की सूचना मिलते ही हिरणपुर थाना से एएसआई साधन कर्मकार, हरेकृष्ण यादव सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सोनाजोरी भेज दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब 6 बजे गांव की कुछ महिलाएं खेतों में धान की रोपाई के लिए जा रही थीं, तभी उन्होंने तालाब किनारे युवक का शव देखा। तत्काल इसकी सूचना परिजनों और पुलिस को दी गई। मृतक के गले में गमछा बंधा हुआ था, जिससे परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। बताया

गया कि रूपेश हाल ही में घर आया था और वह हाइवा वाहन में उपचालक (खलासी) के रूप में कार्यरत था। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर बारीकी से जांच की और ग्रामीणों व परिजनों से पूछताछ की। समाचार लिखे जाने तक मृतक के स्वजनों ने थाने में कोई लिखित आवेदन नहीं दिया था। थाना प्रभारी रंजन कुमार सिंह ने बताया कि, हत्तु-रसाडीह गांव के नहर के पास स्थित तालाब के किनारे युवक का शव बरामद हुआ है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। परिजनों द्वारा हत्या की आशंका जताई गई है, मामले की गहन जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। घटना से गांव में शोक और भय का माहौल है। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

लायंस क्लब का प्रयास : मधुमेह की रोकथाम को लेकर कल जागरूकता शिविर

मधुपुर, देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता उमेश चन्द्र मिश्रा

लायंस क्लब ऑफ मधुपुर द्वारा 'वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी' कार्यक्रम के अंतर्गत मधुमेह जाँच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। बताया गया कि यह स्वास्थ्य शिविर 13 जुलाई 2025, रविवार को शेखपुरा दुर्गा मंदिर मैदान में सुबह 6:00 बजे से 7:00 बजे तक आयोजित होगा। बताया गया कि शिविर का आयोजन शहर के एक निजी डायग्नोस्टिक के सौजन्य से किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य आमजन में

मधुमेह के प्रति जागरूकता बढ़ाना और प्रारंभिक स्तर पर जाँच के माध्यम से संभावित रोगियों की पहचान करना है। इस अवसर पर लायन प्रेम पाठक (अध्यक्ष), लायन विजय आनंद लछीरामका (सचिव), लायन रामानुज मिश्रा (कोषाध्यक्ष), लायन महेश बथवाल (सेवा चेयरपर्सन) और लायन शंभु मंडल (स्वास्थ्य परियोजना चेयरपर्सन) अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। लायंस क्लब ऑफ मधुपुर के अध्यक्ष ने नगर-वासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का लाभ उठाएँ।

सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ‘ अभियान के तहत स्कूली बच्चों के बीच साफ सफाई के महत्व के बारे में दी गई जानकारी.

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ शुक्रवार को प्रखंड स्थित धनुषपूजा स्कूल में ‘सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान के तहत बच्चों को साफ-सफाई, घरों के कचरों का निष्पादन, घर के शौचालय की साफ-सफाई के तहत विशेष रूप से हाथ धोने की पूरी प्रक्रिया और उसके महत्व के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें यह भी बताया गया कि अपने साथ किताबों के अतिरिक्त एक छोटा सा हैंड वॉश के रूप में पेपर शॉप या छोटा हैंड वॉश का ट्यूब अपने बैग में जरूर रखें। विद्यालय में खाने से पहले, शौचालय के इस्तेमाल के बाद अपने हाथों की पूरी तरह से सफाई करें। हाथों की संपूर्ण सफाई से किस तरीके से कीटाणु हमारे शरीर के अंदर जाने से बचाव किया जा सकता है के बारे में भी उन्हें जानकारी दी गई। साथ ही हाथ साफ नहीं रहने से अन्य तरह के इंफेक्शन से भी हम प्रभावित होते हैं के बारे में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्रिंसिपल, शिक्षकगण और नगर परिषद से नगर प्रबंधक मृत्युंजय पांडे, अभियंता शाहिद, संजीत,सफाई सुपरवाइजर संजय योगेंद्र और अन्य कर्मिगण मौजूद रहे।

डीसी ने 250 केजी आम्रपाली आम से भरी वाहन को हरी झंडी दिखाकर सऊदी अरब के लिए किया रवाना

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तत्वावधान में बिरसा हरित ग्राम योजना अंतर्गत 250 केजी आम्रपाली आम को शुक्रवार को समाहरणालय स्थित परिसर से 250 केजी आम्रपाली आम का निर्यात पाकुड़ जिला के पाकुड़ एवं हिरणपुर प्रखंड से सऊदी अरब के लिए उपायुक्त मनीष कुमार के द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उपायुक्त मनीष कुमार के द्वारा इस तरह के एक्सपोर्ट निरन्तर जारी रखने हेतु कृषि उत्पादब बाजार समिति के अधिकारी एवं एक्सपोर्टरों को निर्देशित किए ताकि पाकुड़ जिलें के किसानो को अंतरराष्ट्रीय बाजार मिल सके और उनके उपजों का बेहतर मूल्य प्राप्त हो सके.

सासाराम डीआरडीए सभागार में सामाजिक सुरक्षा के 3,34,883 पेंशनधारियों को जुन 2025 की पेंशन राशि अंतरित किया गया

रिपोर्ट – विश्वास चौरसिया

सासाराम (रोहतास) शुक्रवार को जयंत राज, माननीय मंत्री भवन कार्य विभाग बिहार सरकार-सह-प्रभारी मंत्री रोहतास की अध्यक्षता में समाहरणालय के डीआरडीए सभागार में सामाजिक सुरक्षा के 3,34,883 पेंशनधारियों को डीबीटी के माध्यम से माह जुन- 2025 की पेंशन राशि अंतरित किया गया। इस वृहद कार्यक्रम को वर्चुअल मोड में माननीय मुख्यमंत्री बिहार के द्वारा सम्बोधित किया गया। जिसको टीवी, लैपटॉप, टैबलेट, अथवा अन्य स्क्रीन के माध्यम से इस जिला के शत-प्रतिशत लाभुकों को ने सुना व देखा। इस अवसर पर रोहतास जिले के सभी 3818 स्थलों पर प्रतिनियुक्त नोडल पदाधिकारी व कर्मी शत-प्रतिशत उपस्थित होकर कार्यक्रम के सभी बिन्दुओं पर को सम्पन्न करवाया। रोहतास की आम जन में पेंशन की राशि 1100/-4 रुपए बढ़ने पर काफी हर्षित हुए। पेंशनधारियों की चेहरे खुशी से चहक उठे। डीआरडीए सभागार में आयोजित जिलास्तरीय समारोह में माननीय मंत्री ने कहा कि हम जब भी क्षेत्र या कहीं भी कार्यक्रम में जाते थे, तो वृद्धजनों का मांग रहता था कि वृद्धपेंशन को बढ़ाई जाए। माननीय मुख्यमंत्री ने निर्णय लिया और इसकी राशि को लगभग तीन गुणा करने का काम किया गया। वृद्धजनों, दिव्यांगजनों और अन्य पेंशनधारियों में खुशी है। बिहार एक ऐसा राज्य है, जिस राज्य में BPL के साथ APL के लोगों को भी राज्य योजना से वृद्धपेंशन का लाभ मिलता है।र जिला पदाधिका-

री, रोहतास ने कहा कि बिहार सरकार की नीति 'न्याय के साथ विकास' पर आधारित है, जिसका उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग को न्यायसंगत और समान अवसर प्रदान करना है। सरकार की प्रतिबद्वता है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। जिसका उद्देश्य राज्य सरकार द्वारा विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं का क्रियान्वयन करना है, जिनका लक्ष्य समाज के कमजोर वर्गों को सहायता और संबल देना है ताकि उनके आत्मसम्मान में वृद्धि हो एवं उन्हें गरिमापूर्ण जीवन जीने का अवसर मिले। राज्य सरकार आपके सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है। सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर प्रदान करना केवल सरकार की ही जिम्मेदारी नहीं बल्कि हम सबका नैतिक कर्तव्य भी है। इसी क्रम में सरकार ने वृद्ध, विधवा एवं दिव्यांगजनों को दी जा रही पेंशन की राशि को माह जून, 2025 से 400 रुपए प्रतिमाह से बढ़ाकर 1100 रुपए प्रतिमाह करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है और आज राज्य के सभी पेंशनधारियों को बढ़ी हुई राशि का हस्तांतरण सीधे उनके बैंक खाते में किया जा रहा है। इसका लाभ जिले के 3 लाख 34 हजार 843 पेंशनधारियों को होगा। जिला पदाधिकारी महोदया द्वारा इस अवसर पर सभी पेंशनधारियों को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कही कि उम्मीद है कि इससे आप सभी के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आयेगा। उल्लेखनीय है कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत रोहतास जिला में कुल 3 लाख 34 हजार 843 लाभार्थियों को कुल 36 करोड़ 83 लाख 71 हजार 300 रुपये भुगतान किया गया। जिसमें मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना के अंतर्गत 159802 लाभार्थियों को कुल 175782200 रुपये, बिहार निशक्तता पेंशन योजना के तहत 30356 लाभार्थियों को 33391600 रुपये, लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत 37901 लाभार्थियों को 41691100 रुपये, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्तता पेंशन के तहत 2858 लाभार्थियों को 3143800 रुपये, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के तहत 12692 लाभार्थियों को 13961200 रुपये, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत 91274 लाभार्थियों को 100401400 रुपये डीबीटी के माध्यम से भुगतान किया गया।

संक्षिप्त समाचार

मेरा तो कुछ भी नहीं,गीत पर धूम मचा रहे है पाकुड़ के रंजीत राणा

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ः पाकुड़ जैसे छोटे जगह में मेरा तो कुछ भी नहीं गीत पर शहर के अन्नपूर्णा कॉलनी निवासी सत्य सनातन संस्था के अध्यक्ष रंजीत चौबे उर्फ रंजीत राणा सोशल मीडिया में खूब धूम मचा रहे है। सावन के पावन अवसर पर उनके इस गीत को शिव भक्त काफी पंसद कर रहे है। इस गीत को सोशल मीडिया में काफी प्यार मिल रहा है। पाकुड़ नहीं बल्कि संथाल के अन्य जिलों में भी शिव भक्त गाने को खूब पंसद कर रहे है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म में रील बनाने के लिए लोग भी इस गाने को पंसद कर रहे है। सिंगर रंजीत राणा ने कहा की मेरा शुरू से संगीत के प्रति प्रेम रहा है। पाकुड़ रेलवे स्टेशन के हनुमान मंदिर व अन्नपूर्णा कॉलनी स्थित काली मंदिर में आयोजित भजन की प्रस्तुति करते थे। रंजीत राणा शिव भगवान सहित अन्य देवी-देवताओं के संगीत पर भक्तों को झूमने को मजबूर कर देते है। उन्होंने कहा कि मुझे बड़ा सिंगर बनने का कोई शोक नहीं है। मेरा एक मात्र मकसद है सनातनी भाई-बहन के बीच अपने संस्कृति व भक्ति को बचाये रखना है। इस उद्देश्य के साथ भगवान भोलेनाथ की असीम कृपा से भक्ति जागरण का गाना तैयार कर सनातनी के बीच रखने का प्रयास करते है। अभी तक यह मेरा जीवन का यह पांचवां संगीत है। पूर्व के संगीत में भी लोगों का भरपूर सहयोग और प्यार मिला था। आप सभी से अनुरोध है कि अगर कुछ सावन के पावन माह में हमारे गाए हुए भजन को सुनना चाहे तो हमारा यूट्यूब चैनल एस आर एंटरटेनमेंट। में जाकर गाने को सर्च करके उसे देख सकते हैं।

कस्तूरबा विद्यालय में नामांकन प्रक्रिया को पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न कराएंः डीसी

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ डीसी मनीष कुमार की अध्यक्षता में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में नामांकन हेतु जिलास्तरीय नामांकन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान संबंधित अधिकारियों को उपायुक्त के द्वारा निर्देश दिए गए कि कक्षा-6 सत्र 2025- 2026 में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में नामांकन प्रक्रिया को पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न कराए जाएं। नामांकन प्रक्रिया में अनाथ एकल अभिभावक, नक्सल प्रभावित क्षेत्र, आदिम जनजाति, दिव्यांग और अनामांकित बालिकाएं को नामांकन हेतु विशेष जरूरतमंद बालिकाओं को प्राथमिकता दिए जाएं। साथ ही नामांकन हेतु प्राप्त सूची का एक बार पुनः समीक्षा करते हुए आपत्ति प्राप्त के अंतिम सूची दिनांक 17 जुलाई 2025 तक जिला कार्यालय को उपलब्ध करायें ताकि 20 जुलाई 2025 को अंतिम रूप से अनुमोदन दिया जा सके। मौके पर उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, विधायक प्रतिनिधि, जिला शिक्षा अधीक्षक नयन कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी अनीता पुरती, एडीपीओ पीयूष कुमार, एपीओ रघुवर तिवारी सहित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की वार्डन सहित शिक्षा विभाग के कर्मीगण मौजूद थे।

लोजपा सांसद अरूण भारती कार्यकताओं को देंगे टास्क

मुंगेर।

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए गठबंधन के प्रमुख घटक दल लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास की ओर से मुंगेर जिला अंतर्गत तीनों विधानसभा सीट पर चुनाव प्रचार अभियान जारी कर दिया गया है। एनडीए के संभावित प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लोग जनशक्ति पार्टी रामविलास के नेताओं के द्वारा कार्यकताओं को लामबंद करने और उनमें उत्साह जगाने के लिए शनिवार को मुंगेर जिला मुख्यालय में जमुई लोकसभा सीट से सांसद अरुण भारती के नेतृत्व में कार्यकताओं की विशेष बैठक बुलाई गई है। सांसद अरुण भारती आगामी 19 जुलाई को मुंगेर के पोलो फील्ड में कार्यकताओं को संबोधित करने पहुंच रहे लोजपा सुप्रीमो चिराग पासवान के कार्यक्रम की तैयारी का भी जायजा लेंगे। जानकारी देते हुए लोजपा रामविलास के मुंगेर जिला अध्यक्ष प्रमोद पासवान ने कहा कि सांसद अरुण भारती कार्यकर्ता बैठक से पहले आगामी कार्यक्रम की तैयारी तथा विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास की रणनीतियों पर अपनी पार्टी का पक्ष रखने के लिए शनिवार को एक प्रेस वार्ता करेंगे। जमालपुर विधानसभा सीट से लोजपा के पूर्व प्रत्याशी दुर्गेश सिंह ने बताया कि बिहार में लोजपा सुप्रीमो चिराग पासवान बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट का मॉडल लागू करना चाहते हैं। आगामी विधानसभा चुनाव में लोक जनशक्ति पार्टी बिहार में बने वाली एनडीए की अगली सरकार में अपनी मजबूत पकड़ के साथ सरकार में शामिल रहेगी और बिहार से पलायन को रोकने की दिशा में कार्य किया जाएगा। शनिवार को लोजपा कार्यकताओं के साथ बैठक कर जमुई सांसद अरुण भारती कार्यकताओं को आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर टास्क जारी करेंगे।

RA A का इंटरनेशनल हेल्थ एंड वेलनेस एक्सपो 2025 में सादगी और स्वाद से जीता दिल

नई दिल्ली, ।

भारत मंडपम, प्रगति मैदान में आज से शुरू हुए 8वें इंटरनेशनल हेल्थ एंड वेलनेस एक्सपो में आयुष, योग, और ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स की चहल-पहल के बीच RAYA का स्टॉल अपनी सादगी से सबका ध्यान खींच रहा है। गहरे रंग की पैकेजिंग, तांबे जैसे रंग की लिखाई, और छूने में अलग लगने वाली टेक्सचर के साथ फ्थ अ का स्टॉल ऐसा है, जो बिना शोर किए लोगों को रोक लेता है। 13 जुलाई तक चलने वाला यह एक्सपो हेल्थ और वेलनेस से जुड़े ब्रांड्स का मेला है। फ्थ अ के स्टॉल पर पहले दिन से ही लोग रुक रहे हैं, जहां वे भारतीय अनाज, कोल्ड-प्रेस्ड तेल, और खांड से बने छोटे-छोटे बैच के प्रोडक्ट्स का स्वाद ले रहे हैं। RAYA की शुरूआत करने वाली माधवी गुप्ता कहती हैं, हम उस खाने की तरफ लौटना चाहते थे, जो बचपन में घरों में बनता था झ धीरे-धीरे, सावधानी से। यह कोई नई बात नहीं है, बस हम इसे अपने तरीके से कर रहे हैं। उनके स्नैक्स और मिक्सेस पुराने जमाने की रसोई की याद दिलाते हैं, पर आज के खान-पान को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं।लोगों को सिर्फ स्वाद ही नहीं, प्रस्तुति और संवाद का तरीका भी अलग लगा और RAYA का यह नया दृष्टिकोण कई विज़िटर्स, संपादकों और रिटेल बायर्स को भी खूब पसंद आया। एक्सपो में आए फूड एडिटर अनीकेत सरधाना ने कहा की सबसे खास बात मुझे ये लगी कि यहाँ किसी ने जबरदस्ती कुछ बेचने की कोशिश नहीं की। टीम बस बताती है कि चीजें कैसे बनती हैं – और जब कोई प्रक्रिया इतनी ईमानदारी से अपनाई जाती है, तो वह प्रोडक्टस में साफ झलकती है। RAYA अगस्त 2025 में नई पैकेजिंग और वेबसाइट

(https://rayal-abouroflove.com//) के साथ रीब्रांड करने की तैयारी में है। मुंबई से आए रिटेल बायर निखिल सिन्हा ने कहा, इनकी पैकेजिंग वैसे ही प्रीमियम स्टोर्स में जगह बना सकती है, लेकिन असली बात है उनकी सोच – जो ग्राहकों को दोबारा आने पर मजबूर करती है।एक्सपो में कई विज़िटर्स टीम से संवाद करते और यह समझने की कोशिश करते दिखे कि उनके उत्पाद कैसे बनाए जाते हैं। दिल्ली से विज़िटर सुदिति ने कहा, इनके प्रोडक्ट्स में वही सामग्री है जो हमें भारतीय घरों में देखने को मिलती है। लेकिन जिस तरह से उन्हें तैयार किया गया है, उसमें स्पष्ट रूप से बहुत ध्यान और मेहनत झलकती है। RAYA का मकसद बड़ा ब्रांड बनना नहीं, बल्कि खाना बनाने का वह तरीका लौटाना है, जहां सामग्री और प्रक्रिया दोनों को बराबर अहमियत दी जाए। एक्सपो में उनका स्टॉल फूड एंड वेलनेस सेक्शन में है, जहां वे 13 जुलाई तक लोगों से मिल रहे हैं, स्वाद चखा रहे हैं, और अपने विचार बांट रहे हैं। अगस्त के रीब्रांड के साथ फ्थ अ और लोगों तक अपनी सादगी और स्वाद पहुंचाने को तैयार है।

12538/37 प्रयागराज-मुजफ्फरपुर-प्रयागराज एक्सप्रेस में 3अ का 01 एवं 3ए का 02 अतिक्ति कोच का संयोजन तथा 01 सितम्बर, 2025 से चलेगी नए नंबर से

हाजीपुरः

यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर मुजफ्फरपुर एवं प्रयागराज के मध्य परिचालित की जा रही गाड़ी संख्या 12538/12537 प्रयागराज-मुजफ्फरपुर- प्रयागराज एक्सप्रेस में दिनांक 14.07.2025 से स्थायी तौर पर तृतीय वातानुकूलित श्रेणी का 01 कोच तथा तृतीय वातानुकूलित इकॉनोमी श्रेणी का 02 अतिरिक्त कोच लगाया जाएगा । इन तीन कोचों के संयोजन के पष्चात इस ट्रेन में कोचों की कुल संख्या 18 से बढ़कर 21 हो जाएगी । दिनांक 01.09.2025 से गाड़ी संख्या 12538/12537 प्रयागराज-मुजफ्फरपुर -प्रयागराज एक्सप्रेस का परिचालन परिवर्तित नंबर 14112/14111 से किया जाएगा ।

भारत की अगली पीढ़ी के फिल्म निमार्ताओं को सशक्त बनाने के लिए स्क्रीन अकादमी की शुरूआत

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। इंडियन एक्सप्रेस समूह ने स्क्रीन अकादमी की शुरूआत की है, जो एक गैर-लाभकारी पहल है। जिसका उद्देश्य भारत में सिनेमाई प्रतिभाओं की अगली पीढ़ी की खोज और पोषण करना है। लोढ़ा फाउंडेशन द्वारा समर्थित, यह अकादमी शीर्ष फिल्म संस्थानों के उन होनहार छात्रों को प्रतिवर्ष स्नातकोत्तर फेलोशिप प्रदान करेगी जिनके पास वित्तीय संसाधन नहीं है। इस पहल को ऑस्कर विजेता गुनीत मोंगा और रेसुल पूकुट्टी, कान्स ग्रां प्री विजेता पायल कपाड़िया और पटकथा लेखिका अंजुम राजाबली जैसी जानी-मानी हस्तियों का समर्थन प्राप्त है। फेलो को उद्योग जगत के दिग्गजों से मार्गदर्शन, इंटर्नशिप और पेशेवर विकास के अवसर प्राप्त होंगे।एफटीआईआई, एसआरएफटीआई और व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल जैसे संस्थानों ने इस पहल का स्वागत किया है और विविध क्षेत्रों के महत्वाकांक्षी कहानीकारों के लिए शैक्षिक अंतराल को पाटने में इसकी भूमिका का हवाला दिया है। द इंडियन एक्सप्रेस समूह के कार्यकारी निदेशक अनंत गोयनका ने इसे उत्कृष्टता को संस्थागत रूप देने की दिशा में एक साहसिक कदम बताया। अभिषेक लोढ़ा

ने कहा कि अकादमी 2047 तक भारत की रचनात्मक महाशक्ति बनने की महत्वाकांक्षा के अनुरूप है। अकादमी प्रतिष्ठित स्क्रीन अवार्ड्स का भी आयोजन करेगी, जो सिनेमाई उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका को और पुख्ता करेगा।

गोह में प्रशांत किशोर की बिहार बदलाव सभा का हुआ आयोजन

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह। गोह प्रखंड मुख्यालय के हमीदनगर मोड़ के समीप जनसुराज पार्टी का बिहार बदलाव सभा का आयोजन किया गया। सभा को पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर पहुंचे। उन्हे पार्टी कार्यकताओं ने भव्य तरीके से स्वागत किया। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए। लालू नीतीश इस मोदी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि इन नेताओं ने बिहार को बर्बाद कर दिया है। राज्य की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है। युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। जिसके कारण लाखो की संख्या में युवा बिहार से रोजगार के लिए पलायन कर रहे हैं। देश एवं राज्य की स्थिति काफी बदतर हो गई है। बच्चो के चेहरे पर मुस्कान एवं शिक्षा व रोजगार के लिए जनसूराज पार्टी को अपना समर्थन दें। जेडीयू छोड़कर सीताराम दुखारी ने जनसुराज का दामन थामा। इस मौके पर रामबली सिंह, डॉ. आरयू कुमार, मुकेश पाण्डेय, शाहेबदयाल यादव, नरेश सिंह शर्मिला यादव संजय कुशवाहा, मनोज शर्मा, अवधेशनंदन दिवेदी सहित कई पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्रावणी कावंरियों के लिए ब्रह्मर्षि सेवा अभियान द्वारा निःशुल्क सेवा शिविर का शुभारंभ

गया से अमरेंद्र कुमार दिव्य दिनकर के लिए।

ब्रह्मर्षि सेवा अभियान के कोषाध्यक्ष संजय शर्मा ने बताया कि बड़े हर्ष के साथ सूचित करना है कि पावन श्रावणी मेले का आज से शुभारम्भ है,ऐसे पावन अवसर पर संगठन एवं प्रसुराम सेवा समिति की ओर से झारखण्ड के प्रवेश स्थल दुम्मा बॉर्डर पर बहुत हीं विस्तृत रूप से अनेक सुबिधाओं के युक्त शिव भक्तों/कावंरियों के लिए निःशुल्क सेवा शिविर का उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया हैं। यह सेवा शिविर में श्रावणी मेला में भाग लेने वाले सभी कावरियों के लिए एक उतम ठहराव की व्यवस्था किया गया है। जिसमें रहने खाने आराम करने से लेकर सभी सुविधाओं की व्यवस्था है,इस शिविर में आप सभी कावरिया सादर आमंत्रित हैं। इस अवसर पर

सेवा अभियान से जुड़े युवा अध्यक्ष दीपू सिंह ने कावरियों से अनुरोध किया है कि नर सेवा नारायण सेवा हेतु अपना बहुमूल्य समय देकर सेवा अभियान के इस प्रकल्प को अनुगृहित करें। ब्रह्मर्षि सेवा अभियान के मीडिया प्रभारी नन्द जी ने सेवा अभियान के प्रयासों में समाज के लोगों से आर्थिक,बैचारिक मदद भी करने की अपील किया है,उनका कहना था कि पानी की एक बूंद को देखें तो उसमें कुछ भी ताकत नजर नहीं आती है,लेकिन यदि उसे किसी चट्टान की दरार में जमकर बरफ बनने का अवसर मिल जाए,तो वह चट्टान को टुकड़े-टुकड़े कर सकती है,ठीक यही बात समाज पर लागू होती है,समाज को भी पानी की बूंद की तरह संगठित होने की जरूरत है,तभी राजनीतिक,सामाजिक रूप से समाज मजबूत होगा शक्तिशाली होगा।और आगे भी इस तरह की आयोजन करने की बल एवं हौसला मिलेगा। सेवा अभियान के राष्ट्रीय सचिव महेश शर्मा ने सभी कावरियों से इस शिविर में एक बार अवश्य पधारने की आग्रह किया है और बताया कि यहां सभी कावरियों को बिना जाती,पद,ओहदा,आर्थिकी देखे बिना सभी का यथोचित सम्मान किया जाएगा।

गुरु पूर्णिमा पर संकट मोचन धाम में हुआ दिव्य आयोजन, उमड़े श्रद्धालु

पथरोल, करों, देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता उमेश चन्द्र मिश्रा की रिपोर्ट

सिद्ध पीठ पथरोल के कालीधाम स्थित संकट मोचन धाम में आषाढ़ पूर्णिमा सह गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गुरुवार देर शाम भव्य भजन-कीर्तन, हनुमान जी की महाआरती एवं खिचड़ी प्रसाद वितरण का आयोजन श्रद्धालुओं के सहयोग से सम्पन्न हुआ। बताते चलें कि वर्ष 2002 से ही संकट मोचन धाम में प्रत्येक पूर्णिमा पर हनुमान भक्ति से ओतप्रोत भजन संध्या, महाआरती और खिचड़ी प्रसाद वितरण का आयोजन भक्तों के सहयोग से नियमित रूप से किया जाता रहा है। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस बार भी भक्ति की रसधार बही। कार्यक्रम की शुरूआत मंदिर के पुजारी पंडित गौतम पाठक ने हनुमान चालीसा के पाठ से की। भजन गायक लालटू पाल, उपेंद्र रवानी और कुमार जितेंद्र ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत कर उपस्थित श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। संगत पर नाल में सुरेन दास और बैंजो पर दिनेश दास ने बेहतरीन सहयोग दिया। मंदिर प्रबंधक दिलीप पाठक ने जानकारी दी कि प्रत्येक पूर्णिमा को भक्तों के स्वैच्छिक सहयोग से इस तरह का आयोजन

होता है, जो न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत करता है, बल्कि सामाजिक समरसता का भी परिचायक है। कार्यक्रम की सफलता में मंदिर कमेटी के माधो मंडल, सरेंद्र दास, उपेंद्र रवानी, पंचू शर्मा, अजय रवानी, अभय बच्चु मिश्रा, कारू रवानी, राजकिशोर, गुणधार मंडल, सरवन यादव, महेंद्र विश्वकर्मा, कामदेव रवानी, जग्गू रवानी, जटाशंकर राउत, सुशील सिंह, कामदेव महतो, गुड़ा पंडित, वरुण बावरी, बलदेव रवानी, रवि रवानी, राजेश रवानी, मनोज यादव, हीरो यादव सहित समस्त ग्रामवासियों ने तन-मन-धन से योगदान दिया।

चरित्र वह दीपक है जो आंधियों में भी टिमटिमाता हैः लक्ष्मी सिन्हा

दिव्य दिनकर बिहार डिगनेशन विशेष प्रभारी प्रभात कुमार मिश्रा

बिहार पटनाः जीवन की गाड़ी सदैव एक समतल-सुगम पथ पर ही आगे नहीं बढ़ती। जीवन यात्रा पथ कभी पुष्पों से सजा होता है, जो कभी कांटों की शैय्या बन जाता है। सफलता, ऐश्वर्य और आनंद के क्षणों में व्यक्ति का वास्तविक चरित्र छिपा रह सकता है, लेकिन जब विपत्तियां दस्तक देती है, तभी व्यक्ति के भीतर के मूलभूत गुणों, नैतिक बल के साथ ही उसका वास्तविक चरित्र उजागर होता है। यह बातें एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी श्रीमती लक्ष्मी सिन्हा ने कहा आगे उन्होंने कहा कि कठिन समय ही वह कसौटी है, जो निर्धारित करती है कि कोई व्यक्ति केवल नाम का 'श्रेष्ठ' है या वास्तव में अपने विचारों और मूल्यों की प्रति भी दृढ़ है। चरित्र दीपक है जो आंधियों में भी टिमटिमाता हैं। जब चारों ओर अनिश्चितता हो, तभी जो व्यक्ति सच्चाई, सहनशीलता और नैतिकता से विचलित न हो, वही वास्तव में चरित्रवान कहा जा सकता है। इतिहास इसका साक्षी है कि तमाम महापुरुषों की महानता का उद्भव उनके संघर्षों और कठिनाइयों से जूझते समय ही हुआ। जब सब कुछ त्यागने का विकल्प खुला था, तब भी उन्होंने सत्य, धैर्य एवं करुणा का मार्ग नहीं

छोड़ा और इतिहास रचा। श्री सिन्हा ने आगे कहा कि कठिन समय में मनुष्य के समक्ष दुविधा होती है की परिस्थिति से पलायन करें या साहसपूर्वक उसे स्थिति का सामना करते हुए अंतरिक शक्ति पर विश्वास बनाए रखें। यह चुनाव उसके चरित्र की गहराई को परिभाषित करता है। सामान्य स्थिति में तो छल, कपट और लोभ जैसे दुर्गुण भी तत्कालीन रूप से सफलता दिला सकते हैं, किंतु जब हालात विपरीत हो, तभी पता चलता है कि कौन सत्य का साधन है और कौन अपने मूल्यों के लिए कष्ट झेल सकता है। जो अपने सिद्धांतों की रक्षा करते हुए संघर्ष करता है, उसका चरित्र कालजयी बनता है। कठिनाइयां न केवल व्यक्ति की सहनशीलता की परीक्षा लेती है, बल्कि भीतर छिपे आत्मबल को भी उजागर करती है, जो सामान्यतः दृष्टिगोचर नहीं होता। साहित्य की परीक्षा ही व्यक्ति को निखारती है।

अकलियत का झुकाव अब जनसुराज की ओर होने लगा

दिव्य दिनकर

भागलपुर प्रशांत किशोर की मेहनत रंग लाता दिख रहा है । जनसुराज को जमीन मिलना शुरूहो गया है । अब तो अल्पसंख्यक भी जनसुराज की ओर रूख करना शुरू कर दिए । आज बड़ी मस्जिद चौक, चम्पानगर भागलपुर विधानसभा संभावित प्रत्याशी प्रोफेसर देबज्योति मुखर्जी द्वारा नुक्कड सभा का आयोजन किया गया था । सभा मे लोग उमड पडे। सभी के एक ही कहना : हमे चाहिए बदलाव। प्रोफेसर देबज्योति ने उपस्थित लोगों को बताया की किस तरह जनसुराज बिहार के राजनीति को जनहित मुद्दो पर लाकर खड़ा किया । उन्होने जनसुराज के अब तक के कोशिश को विस्तार से लोगों के सामने रक्खा । मंजर आलम जनसुराज जनता का सुंदर राज कैसे लाएगा इस पर बात की । स्थानीय मो दिलशाद ने साफ शब्दों मे कहा : बहुत हुआ, सभी को देख लिए, इसबार हमलोग जनसुराज को मौका देंगे ।

गायत्री शक्तिपीठ जमालपुर में त्रिदिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव सम्पन्न दीप यज्ञ तथा पौधारोपण कार्यक्रम के माध्यम से परिवार समाज और राष्ट्र के कल्याण का लिया संकल्प

जमालपुर।

गायत्री शक्तिपीठ जमालपुर में त्रिदिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव का समापन हो गया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर इस सदी के युग ऋषि के सूक्ष्म संरक्षण और गायत्री शक्तिपीठ जमालपुर के दिव्य प्रांगण में गायत्री महामंत्र के बारह घंटे का सघन साधनात्मक जप किया गया। कार्यक्रम के द्वितीय दिवस पर सम्मान समारोह में युग ऋषि के विचारों को जन जन तक पहुंचाने वाले कर्मवीर प्रज्ञा पुत्रों, बहनों व भाईयों को गायत्री मंत्र के दुपट्टे से अच्छादित कर सम्मानित किया गया। इसके साथ गायत्री परिवार के नौनिहाल बेटे बेटियों द्वारा भाव नृत्य, गीत-संगीत, भजन, युग गायन एवं दीप यज्ञ का भाव विभोर कर देने वाले कार्यक्रम हुए। कार्यक्रम के तृतीय दिवस पर भक्ति में कार्यक्रम के उपरांत गायत्री परिवार के सदस्यों के द्वारा पौधारोपण किया गया। इस दौरान दो हजार से अधिक, गायत्री परिवार के कर्मवीर प्रज्ञापुत्रों एवं बहनों के द्वारा यज्ञाहुति दी गई। त्रिदिवसीय गुरु पूर्णिमा समारोह के समापन सत्र में विभिन्न संस्कार, गुरु दीक्षा के साथ-साथ एक सौ से अधिक भाई बहनों द्वारा स्वयं को ऊजार्वान बनाने के साथ परिवार, समाज और राष्ट्र कल्याण हेतु पवित्र श्रावण माह के तीस दिनों तक प्रतिदिन ग्यारह माला गायत्री मंत्र के जप का संकल्प लेते लिया। युग्म ऋषि के कमल चरणों में पुष्पांजलि एवं शक्तिपीठ के अलौकिक परिसर में कल्पवृक्ष की छाया में विराजमान कल्पेश्वर महादेव के रुद्राभिषेक, नमन, वंदन, श्रद्धा सुमन समर्पण के साथ गुरु पूर्णिमा महोत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। शांतिकुंज हरिद्वार से पधारे श्रद्धेय सच्चिदानंद तिवारी के साथ समारोह को सफल बनाने में गायत्री शक्तिपीठ जमालपुर से जुड़े पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

दलाई लामा के मुद्दे पर फिर छिड़ सकता है भारत-चीन युद्ध!

दलाई लामा की उत्तराधिकारी योजना और चीन के विरोध के चलते भारत-चीन के बीच फिर से तनाव गहराने की आशंका है। जानिए इस संवेदनशील मुद्दे पर कूटनीतिक हलचल और संभावित टकराव की वजहें।

पंकज श्रीवास्तव

दलाई लामा एक बार फिर भारत और चीन के बीच तनाव का कारण बन रहे हैं। 1959 में उन्होंने भारत में शरण ली थी जिससे हिंदी-चीनी भाई-भाई का नारा बेमानी बन गया था और तीन साल बाद भारत और चीन के बीच युद्ध हो गया था। नब्बे वर्ष के हो चुके दलाई लामा चाहते हैं कि अगला दलाई लामा तिब्बती आध्यात्मिक परंपरा के तहत ही हो जबकि चीन इसे मानने को तैयार नहीं है। वह दलाई लामा संस्था को नियंत्रण में लेकर तिब्बत के विलय को पूर्ण कर लेना चाहता है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इस मुद्दे पर दलाई की इच्छा को सर्वोच्च बताया था जिस पर चीन ने कड़ी प्रतिक्रिया जताई है। कुछ रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि अगर भारत और चीन के बीच फिर से युद्ध हुआ तो वजह दलाई लामा होंगे।

उत्तराधिकार का तनाव: 6 जुलाई 2025 को 14वें दलाई लामा टेंजिन ग्यात्सो ने अपने 90वें जन्मदिन पर एक वीडियो संदेश में कहा कि उनका उत्तराधिकारी गादेन फोडरंग ट्रस्ट द्वारा चुना जाएगा। उधर, चीन का दावा है कि दलाई लामा का उत्तराधिकार उसकी जिम्मेदारी है और इसे चीनी कानूनों और ÷गोल्डन अर्न÷ प्रक्रिया के तहत होना चाहिए। इस प्रक्रिया में संभावित उम्मीदवारों के नाम एक सोने की कलश में डाले जाते हैं, और लॉटरी के माध्यम से चयन होता है।

इस मुद्दे पर भारत के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने 3 जुलाई 2025 को कहा, दलाई लामा के उत्तराधिकारी का चयन उनकी इच्छा के अनुसार होगा। यह तिब्बतियों और उनके वैश्विक अनुयायियों के लिए महत्वपूर्ण है। चीन ने इस बयान पर कड़ी आपत्ति जताई और चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने 4 जुलाई 2025 को भारत को तिब्बत से जुड़े मामलों में हस्तक्षेप न करने की चेतावनी दी। इसके जवाब में भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 4 जुलाई को साफ़ किया, ÷भारत सरकार आस्था और धर्म से जुड़े मामलों में कोई रुख नहीं अपनाती और न ही टिप्पणी करती है।÷ यह दोहरा रुख भारत की कूटनीतिक जटिलता को दर्शाता है, जहां एक ओर तिब्बती समुदाय का समर्थन है, तो दूसरी ओर चीन के साथ संबंधों को संतुलित करने की कोशिश है।

दलाई लामा की परंपरा: दलाई लामा का जन्म 6 जुलाई 1935 को तिब्बत के अमदो प्रांत के ताक्त्सेर गांव में हुआ था। उनका नाम रखा गया था ल्हामो थोंडुप। दो साल की उम्र में उन्हें 13वें दलाई लामा का पुनर्जन्म घोषित किया गया और टेंजिन ग्यात्सो नाम दिया गया, जिसका अर्थ है ÷धर्म का रक्षक सागर।÷ दलाई लामा का अर्थ है ÷ज्ञान का महासागर।÷ वे तिब्बती बौद्ध धर्म की गेलुग परंपरा के हैं, जिसे पीली टोपी संप्रदाय भी कहा जाता है।

भाजपा का आईटी सेल सक्रिय: कूटनीतिक असफलताओं के बाद मोदी की दोबारा ब्रांडिंग: गेलुग परंपरा 14वीं शताब्दी में जे त्सोंगखापा द्वारा स्थापित हुई थी और तिब्बती बौद्ध धर्म की चार मुख्य परंपराओं (न्यिंगमा, काग्यू, साक्या, और गेलुग) में सबसे प्रभावशाली रही है। 17वीं शताब्दी में, 5वें दलाई लामा, नगावांग लोबसांग ग्यत्सो, ने मंगोलों की सहायता से तिब्बत को एकीकृत किया और दलाई लामा को धार्मिक और राजनीतिक नेता के रूप में स्थापित किया।

दलाई लामा की परंपरा पुनर्जन्म पर आधारित है। माना जाता है कि दलाई लामा अपनी मृत्यु से पहले संकेत और लक्षण बताते हैं, जिनके आधार पर अगले दलाई लामा की खोज की जाती है। इस प्रक्रिया में पंचेन लामा की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है, जो दलाई लामा के चयन में मदद करते हैं, और दलाई लामा पंचेन लामा के चयन में।

तिब्बत में बौद्ध धर्म: बौद्ध धर्म तिब्बत में सातवीं शताब्दी में राजा सोंगत्सेन गम्पो के शासनकाल में पहुंचा जब उन्होंने चीन और नेपाल की बौद्ध धर्मावलंबी महिलाओं से शादी की। बाद में पद्मसंभव और शांतिरक्षित जैसे भारत से गये बौद्ध विद्वानों ने तिब्बत में बौद्ध धर्म को मजबूत किया। नालंदा और विक्रमशिला जैसे भारतीय बौद्ध केंद्र तिब्बती विद्वानों के लिए तीर्थस्थल थे।

तिब्बती बौद्ध धर्म वज्रयान परंपरा का हिस्सा है, जो तांत्रिक अभ्यास, मंत्र, और गुरु-शिष्य परंपरा पर जोर देता है। यह परंपरा तिब्बत की मूल बोन परंपरा को काफी हद तक प्रतिस्थापित करने में सफल रही।

चीन का दावा: चीन का दावा है कि तिब्बत 13वीं शताब्दी के युआन राजवंश से उसका हिस्सा रहा है। हालाँकि, कई इतिहासकार और तिब्बती कार्यकर्ता इसे विवादित मानते हैं, यह कहते हुए कि तिब्बत ने कई शताब्दियों तक स्वायत्तता बनाए रखी। 1913 से 1950 तक, तिब्बत में अपनी सरकार, मुद्रा, पासपोर्ट, और सेना थी, जो उसे एक स्वतंत्र राज्य बनाता था। 1948 में माओत्से तुंग की कम्युनिस्ट क्रांति के बाद, 1950 में चीन ने तिब्बत पर सैन्य आक्रमण किया, जिसे शांतिपूर्ण मुक्ति कहा गया। 1951 में, तिब्बती प्रतिनिधियों ने 17-सूत्री समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत तिब्बत को चीन का हिस्सा मान लिया गया। लेकिन तिब्बती लोगों ने इसे अवैध माना, और 1959 में विद्रोह हुआ, जिसके दमन के बाद दलाई लामा को भारत भागना पड़ा।

दलाई लामा और 1962 का युद्ध: 1959 में, तिब्बती विद्रोह के बाद, दलाई लामा 17 मार्च को ल्हासा से भागे और 31 मार्च को भारत पहुंचे। तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में शरण दी, जहां तिब्बत की निर्वासित सरकार स्थापित हुई। यह भारत की शरणागत परंपरा और नैतिकता का प्रतीक था, लेकिन चीन ने इसे तिब्बती अलगाववाद का समर्थन माना। 1954 में, नेहरू और चीनी प्रधानमंत्री चाऊ एन-लाई ने पंचशील समझौता किया था, जिसमें पांच सिद्धांत थे:

एक-दूसरे की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान।

एक-दूसरे पर आक्रमण न करना।

आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना।

समानता और पारस्परिक लाभ।

शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व। : यह समझौता भारत-चीन दोस्ती का प्रतीक था। उस समय हिंदी-चीनी भाई-भाई का नारा गूंजा। लेकिन दलाई लामा का भारत आना और सीमा विवाद ने संबंधों को बिगाड़ दिया। 1962 में भारत-चीन युद्ध हुआ, जिसमें दलाई लामा का मुद्दा एक अहम कारक था।

गोल्डन अर्न प्रक्रिया: चीन दलाई लामा के उत्तराधिकार के लिए गोल्डन अर्न प्रक्रिया का उपयोग करना चाहता है, जो 1793 में चिंग वंश के सम्राट चिआनलॉन्ग द्वारा शुरू की गई थी। इसमें संभावित उम्मीदवारों के नाम एक सोने की कलश में डाले जाते हैं और लॉटरी के माध्यम से चयन होता है। यह प्रक्रिया चीनी नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई थी।

संपादकीय

जलवायु परिवर्तन के खतरे

इससे बड़ी विडम्बना और क्या होगी कि जिस प्रकृति के बूते मानव ने ऊंचाइयां हासिल की है, उसी से अपनी सुख-सुविधाओं के नाम पर खिलवाड़ करने में जुटा है। जलवायु परिवर्तन के खतरे कोई नए नहीं हैं। इन्हीं खतरों की चपेट में आकर इंसान नित नई समस्याओं के जाल में उलझता जा रहा है। प्राग में हाल में हुई गोल्डश्मिट कॉन्फ्रेंस के दौरान पेश किए शोधों ने तो खतरे की भयावहता की ओर संकेत कर दिया है। इन शोधों के मुताबिक धरती पर ग्लेशियरों के पिघलने से ज्वालामुखी विस्फोटों का खतरा भी बढ़ गया है। अभी तक माना जाता था कि ग्लेशियर पिघलने से समुद्रों का जलस्तर बढ़ रहा है लेकिन नए शोधों ने चिंता और बढ़ा दी है। अध्ययन में बताया गया कि ग्लेशियरों का भारी वजन पृथ्वी की सतह और इसके नीचे मैग्मा परतों पर दबाव डालता है। इससे ज्वालामुखी गतिविधियां नियंत्रित रहती है। लेकिन मानव की गतिविधियों के कारण पारिस्थितिकी तंत्र में नित नए असंतुलन पैदा हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में दुनियाभर में पर्वतीय क्षेत्रों में ग्लेशियरों पर संकट लगातार बढ़ रहा है। देहरादून स्थित वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिकों का भी कहना है कि दुनिया के बढ़ते प्रदूषण का प्रभाव हिमालय सहित अन्य पहाड़ों पर पड़ रहा है। धरती पर कार्बन की मात्रा में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है और उससे ग्लेशियरों को खतरा पैदा हो गया है। हाल ही में एक अन्य रिपोर्ट में बताया गया था कि जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ता तापमान हिमालयी ग्लेशियर से ढके हिंदूकुश पहाड़ों की चोटी को लगातार गला रहा है। यह हालात रहे तो इस सदी के अंत तक हिमालय पर्वत के ग्लेशियरों का करीब दो-तिहाई हिस्सा खत्म हो जाएगा। खास बात है कि यह ग्लेशियर दुनिया के दो अरब से अधिक लोगों को पीने का पानी उपलब्ध कराते हैं। ऐसा नहीं है कि पर्यावरण असंतुलन के कारण आने वाले संकटों को लेकर पहली बार आशंका जताई गई हो, लेकिन दुर्भाग्य है कि अध्ययनों में बार-बार के संकेत दिए जाने के बावजूद दुनिया भर में इस मसले पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। इस बड़े संकट से पार पाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्ताव तैयार किए जाते हैं, मगर उन पर गंभीरता से अमल नहीं किया जाता। इस शोध ने एक बार फिर बताया है कि पारिस्थितिकी तंत्र में असंतुलन से मानव जीवन पर घातक असर पड़ेगा। अगर समय रहते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ठोस पहल नहीं की गई तो इसका खामियाजा समूची दुनिया को उठाना पड़ सकता है। हमारी संस्कृति में प्रकृति को ज्ञान, जीवन और पालन-पोषण का स्रोत माना जाता है। यह जीवन के रहस्यों को भी बताती है और मार्गदर्शन भी करती है। इसलिए प्रकृति भी गुरु के समान है। प्रकृति पूजन की शपथ लेना ही काफी नहीं बल्कि यह भी सुनिश्चित करना होगा कि ऐसा कोई काम नहीं करें जो जलवायु परिवर्तन के खतरों को बढ़ाने वाला हो।

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण संबंधी चिंताएं

देश में सरकार द्वारा कोई नागरिकता दस्तावेज जारी नहीं किया जाता, ऐसे में क्या चुनाव आयोग को ऐसे प्रावधानों का पालन करना चाहिए जिससे नागरिकों को मतदान अधिकार से वंचित करने का खतरा खड़ा हो जाए या उसे पुरानी प्रक्रिया का पालन करना चाहिए। बिहार में विशेष गहन संशोधन प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची में से वोटर्स का नाम हटने की आशंका का निवारण चुनाव आयोग द्वारा किया जाना बेहतर था।

अशोक लवासा

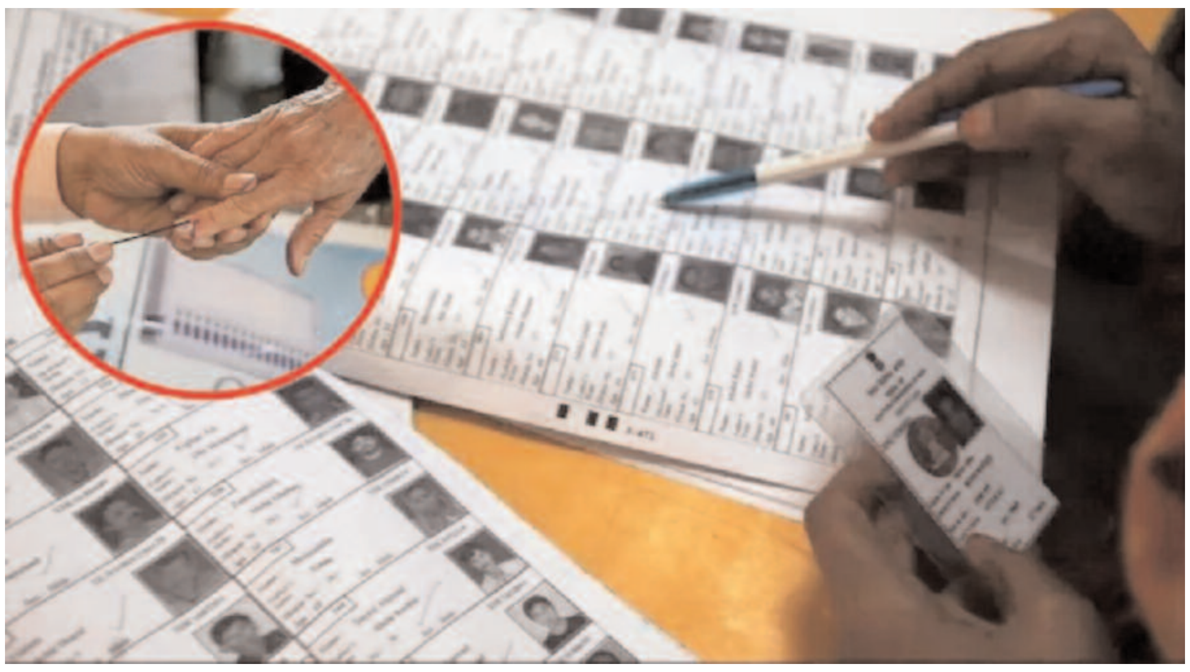

जरूरी नहीं जो कानूनी तौर पर हो, वह हमेशा उचित हो। मतदाता सूचियों का 'शोधन' एक सराहनीय उद्देश्य, एक जायज मांग और कठिन जिम्मेदारी है। भारत के पहले मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) सुकुमार सेन ने मतदाता सूची (ईआर) की गुणवत्ता पर अपनी पूरी तसल्ली होने बाद ही 1951 में प्रथम चुनाव करवाने से पहले, 18 महीने तक काफी दबाव झेला था। वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी, जब इस साल की शुरुआत में, मतदाता सूची में कथित हेराफेरी और विसंगतियों की शिकायतों पर प्रतिक्रिया देते हुए 90 दिनों के अंदर सुधारात्मक कदम उठाने का आश्वासन देश को दिया था। लेकिन इस दिशा में उठाए गए एक कदम ने चुनाव आयोग को विवाद के घेरे में ला दिया, जो कि पिछले कुछ समय से इस संस्थान को घेरने वाले कई विवादों में एक है। हालांकि इस मामले में अब सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद स्थिति स्पष्ट होती नजर आ रही है।

समय-समय पर चुनाव करवाने वाले काम के विपरीत, मतदाता सूची तैयार करना एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें जन-प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 21 (2) और मतदाता पंजीकरण नियमों के नियम 25 के अनुसार प्रत्येक चुनाव से पहले संशोधन किया जाना शामिल है। इस हिसाब से, 2024 में हुए लोकसभा चुनावों से पहले एक राष्ट्रव्यापी संशोधन कार्य किया जाना बनता था।

इस साल 24 जून को चुनाव आयोग ने बिहार की मतदाता सूचियों का विशेष गहन संशोधन करने का आदेश दिया, जबकि वहां होने वाले विधानसभा चुनाव में चंद महीने बाकी हैं। ऊपरी तौर से, इसका मंतव्य यह सुनिश्चित करना है कि 'मतदाता सूची में सभी पात्र नागरिक जुड़ें', 'कोई अयोग्य मतदाता न हो' और 'सूची में मतदाताओं को जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता हो।' इस आदेश में गहन संशोधन हेतु विस्तृत प्रक्रिया की रूपरेखा दी गई, लेकिन इसने मतदाता सूची में 2003 से पहले और इसके बाद जुड़े मतदाताओं के बीच एक विवादास्पद अंतर खड़ा कर दिया, उस साल बिहार में आखिरी मर्तबा एसआईआर कार्य हुआ था।

इस आदेश में 2003 के बाद जुड़े मतदाताओं को अपनी नागरिकता सिद्ध करने के लिए, आयोग द्वारा तय दस्तावेज प्रस्तुत करके अपने दावों को सिद्ध करना अनिवार्य था। भले ही मतदाता के रूप में उनका नाम शामिल करते वक्त, 'जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 23 के अनुरूप मतदाता संशोधन अधिकारी उनकी पात्रता की शर्तों की सत्यापना, अपनी तसल्ली होने तक, पहले ही कर चुका हो।' तर्क दिया गया, यह कार्य ईसीआईएनईटी पर शोधित सूची को प्रकाशित करने योग्य बनाएगा।

यह घोषणा करने का वक्त और इसे अचानक किए जाने से हो-हल्ला मच गया, खासकर इसलिए कि यह प्रक्रिया उन अन्य राज्यों में नहीं करवाई गई जहां 'शुद्धीकरण' किया जाना इतना ही महत्वपूर्ण था और चुनाव भी तुरंत नहीं होने वाले थे। संदेह की वजह यह समझने में मुश्किल होना रही कि चुनाव आयोग किस चीज़ को आधार बनाकर 2003 तक पंजीकृत हुए लोगों की साक्ष्य-साख का अधिक मोल डाल रहा है। जबकि चुनाव आयोग खुद कहता है कि प्रवासन, मृत्यु, रोजगार आदि की संभावना दोनों श्रेणी के मतदाताओं पर लागू होती है। तो समझना मुश्किल है कि 2003 से पहले वाली और बाद वाली में अपनाई प्रक्रिया के बीच फर्क क्यों रखा जा रहा है? खासकर जब संक्षिप्त संशोधन या विशेष गहन संशोधन या चालू पंजीकरण के दौरान अपनाई जाने वाली प्रक्रिया एक जैसी है, जिसमें दस्तावेज जमा करवाए जाते हैं और बूथ स्तर का अधिकारी उनकी भौतिक सत्यापना करता है।

24 जून की प्रारंभिक अधिसूचना के अनुसार यह आशंका व्यक्त की गई कि 2003 के बाद पंजीकृत मतदाता यदि कोई संतोषजनक दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करने में विफल रहते हैं तो उनका नाम मसौदा मतदाता सूची से स्वतः हट जाएगा। चुनाव आयोग के लिए अच्छा रहता यदि आदेश के साथ-साथ एक प्रेस नोट भी जारी करता, यह समझाने के लिए कि 24 जून के आदेश के पैरा 13 से जो अर्थ निकाले जा रहे हैं, वह वैसा नहीं है, जब उसमें कहा गया : 'मसौदा सूची में उन सभी मतदाताओं के नाम शामिल होंगे जो 25 जुलाई, 2025 से पहले-पहले विधिवत भरा हुआ पंजीकरण फॉर्म जमा करवा देंगे। चूंकि यह एक गहन संशोधन है, इसलिए यदि 25 जुलाई, 2025 से पहले पंजीकरण फॉर्म जमा नहीं करवाया जाता, तब मतदाता का नाम मसौदा सूची में शामिल नहीं किया जा सकेगा।'

चुनाव आयोग को तुरंत स्पष्ट करना चाहिए था कि 'विधिवत भरे गए फॉर्म' से यहां आशय 'केवल वही फॉर्म जिनके साथ अपेक्षित दस्तावेज संलग्न हों' नहीं है व बूथ स्तरीय अधिकारी ऐसे पंजीकरण फार्म मसौदा सूची में शामिल न किए जाने की 'अनुशंसा' नहीं करेगा और नतीजन उनका नाम मसौदा मतदाता सूची से बाहर रह जाएगा। ऐसे स्पष्टीकरण से, मसौदा सूची से वोटर्स के नाम हट जाने बारे बनी गलतफहमी दूर होने में मदद मिलती।

चूंकि तय किए दस्तावेज पेश करने की करोड़ों लोगों की क्षमता पर संदेह स्वाभाविक है, खासकर तब, जब चुनाव आयोग की स्वीकारोक्ति मुताबिक, यह काम पहले करना चाहिए था। इसका अहसास होने पर आयोग ने 30 जून को स्पष्टीकरण दिया : 'कोई भी व्यक्ति जिसका नाम 2003 की बिहार मतदाता सूची में नहीं है, वह अभी भी अपने माता या पिता के लिए कोई अन्य दस्तावेज प्रदान करने के बजाय 2003 की मतदाता सूची में दर्ज जानकारी का संदर्भ उपयोग कर सकता हैज इसके लिए, 2003 वाली मतदाता सूची वाला प्रासंगिक विवरण पर्याप्त होगा'। यह किए जाने से उन लोगों का बोझ हल्का हो गया होगा, जिनके लिए इससे पूर्व उक्त दस्तावेज पेश करना जरूरी था व उन्हें पाना कठिन हो सकता था।

शिक्षा क्रांति भारत के बदलते भविष्य की कुंजी

प्रो. अशोक कुमार

शिक्षा क्रांति भारत के बदलते भविष्य की कुंजी है। किसी भी देश के विकास में शिक्षा की भूमिका सबसे महत्त्वपूर्ण होती है और भारत जैसे युवा और विविधतापूर्ण देश के लिए तो यह और भी आवश्यक है। एक सच्ची शिक्षा क्रांति केवल साक्षरता बढ़ाने से कहीं बढ़कर है - यह ज्ञान, कौशल और नवाचार को बढ़ावा देने के बारे में है जो देश को 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने और वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभाने में सक्षम बनाएगी।

वर्तमान शिक्षा की स्थिति को देखते हुए शिक्षा क्रांति की आवश्यकता कई कारणों से है। हरित क्रांति ने जिस तरह कृषि उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि की, उसी तरह शिक्षा क्रांति का अर्थ शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक और सकारात्मक बदलाव लाना है, ताकि यह सभी के लिए सुलभ, गुणवत्तापूर्ण और प्रासंगिक बन सके। यह केवल प्रणालीगत सुधारों से नहीं, बल्कि एक समग्र दृष्टिकोण से संभव है, जिसमें प्रौद्योगिकी, नीतिगत बदलाव और सामाजिक सहभागिता महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षा में जो गहरी असमानताएं मौजूद हैं, खासकर गांव और शहरों के बीच और सरकारी व निजी स्कूलों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों के बीच, वे ही शिक्षा क्रांति की सबसे बड़ी आवश्यकता को दर्शाती हैं।

कई ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में बच्चों को स्कूल जाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, खासकर प्राथमिक शिक्षा के बाद। इससे ड्रॉपआउट दर बढ़ती है, खासकर लड़कियों में। कुछ जगहों पर तो प्राथमिक शिक्षा के बाद उच्च शिक्षा के लिए स्कूल होते ही नहीं हैं। जहां स्कूल हैं, वहां प्रशिक्षित और पर्याप्त संख्या में शिक्षकों का अभाव एक बड़ी चुनौती है। एक ही शिक्षक को कई कक्षाओं को पढ़ाना पड़ता है, जिससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रभावित होती है। विषय-विशेषज्ञ शिक्षकों की कमी भी एक समस्या है, खासकर विज्ञान, गणित और अंग्रेजी जैसे विषयों में। शिक्षकों का बार-बार तबादला होना भी शिक्षण की निरंतरता को बाधित करता है। सरकारी स्कूलों में गुणवत्ता और बुनियादी सुविधाओं का अभाव ! शौचालयों की कमी या गंदगी, पीने के पानी की अनुपलब्धता, जर्जर इमारतें, ब्लैकबोर्ड और बेंच जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव सरकारी स्कूलों की एक बड़ी समस्या है। इन सुविधाओं की कमी से छात्रों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और सीखने के माहौल पर नकारात्मक असर पड़ता है। शिक्षण सामग्री और डिजिटल उपकरणों की कमी भी गुणवत्ता को प्रभावित करती है। निजी स्कूल अक्सर बेहतर बुनियादी ढांचा, एयर कंडीशनिंग जैसी सुविधाएं और आधुनिक शिक्षण विधियों का दावा करते हैं, लेकिन उनकी फीस इतनी अधिक होती है कि समाज के बड़े वर्ग के लिए वे वहनीय नहीं होते। इससे आर्थिक रूप से सक्षम परिवारों के बच्चे तो अच्छी शिक्षा प्राप्त कर पाते हैं, लेकिन गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चे इन सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। यह शिक्षा तक पहुंच में एक बड़ी असमानता पैदा करता है।

इन सभी कारणों का सीधा परिणाम यह है कि सबको समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल पाती है। एक बच्चा जो एक सुविधायुक्त निजी स्कूल में पढ़ता है और एक बच्चा जो एक ग्रामीण सरकारी स्कूल में बुनियादी सुविधाओं के बिना पढ़ता है, उन्हें कभी समान शैक्षिक अवसर नहीं मिलते। यह न केवल उनके भविष्य के अवसरों को प्रभावित करता है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक असमानता को भी बढ़ाता है।

इसलिए, शिक्षा क्रांति की आवश्यकता अत्यंत महत्त्वपूर्ण है ताकि इन सभी समस्याओं का समाधान किया जा सके। सभी स्कूलों में स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण, पर्याप्त शौचालय, पीने का पानी, बिजली और उचित क्लासरूम सुनिश्चित करना। सभी स्कूलों में पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षित और योग्य शिक्षकों की नियुक्ति करना, और उन्हें नई शिक्षण तकनीकों और बाल-केंद्रित शिक्षा के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षित करना। डिजिटल खाई को पाटने के लिए ग्रामीण स्कूलों में भी इंटरनेट कनेक्टिविटी, कंप्यूटर और अन्य डिजिटल शिक्षण उपकरण उपलब्ध कराना। सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता को इतना बढ़ाना कि वे निजी स्कूलों के समान या बेहतर विकल्प बन सकें, ताकि आर्थिक स्थिति के बावजूद हर बच्चे को सर्वोत्तम शिक्षा मिले। ऐसी नीतियां बनाना, जो शिक्षा को सभी के लिए सुलभ, सस्ती और समान गुणवत्ता वाली बनाए। जब तक शिक्षा में ये मौलिक असमानताएं दूर नहीं होंगी, तब तक हम एक न्यायपूर्ण और विकसित समाज की कल्पना नहीं कर सकते। शिक्षा क्रांति इन चुनौतियों का समाधान करके प्रत्येक बच्चे के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने का मार्ग प्रशस्त करेगी।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

संक्षिप्त समाचार

धार्मिक न्यास बोर्ड समिति के सदस्य शायन कुणाल ने बाबा हरिहरनाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना

भाजपा नेता राकेश सिंह ने शायन कुणाल को मंदिर का प्रतीक चिन्ह और अंग वस्त्र से स्वागत किया

सोनपुर , ।

धार्मिक न्यास बोर्ड समिति के सदस्य बनने के बाद शायन कुणाल पहली बार सोनपुर पहुंचे और बाबा हरिहरनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश की खुशहाली की कामना की। शायन कुणाल का मंदिर में पहुंचने पर प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह और मंदिर सचिव विजय लाला ने मंदिर का प्रतीक चिन्ह और अंग वस्त्र से स्वागत किया।इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता शुभम पराशर भी मौजूद थे। पूजा-अर्चना के दौरान पवन बाबा, भूटकून बाबा, बमबम बाबा, सुशीलचंद्र शास्त्री, सदानंद बाबा सहित अनेक लोग उपस्थित थे। शायन कुणाल के धार्मिक न्यास बोर्ड समिति के सदस्य बनने पर जदयू और भाजपा नेताओं ने बधाई दी है

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संजय मेहता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से दिल्ली में मुलाकात किया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष, लोकसभा प्रभारी सासाराम सह प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भाजपा (बिहार) श्री संजय मेहता जी ने देश के यशस्वी रक्षा मंत्री माननीय राजनाथ सिंह जी से दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास 17, अकबर रोड पर उनके 74वां जन्म दिवस के मौके पर फूलों का गुलदस्ता देकर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दिए एवं उनके स्वस्थ और दीघार्यु जीवन की कामना किये। श्री मेहता ने बताया कि भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सरल व सोम्य व्यक्तित्व के धनी देश के माननीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी से निवेदन किया कि आगामी 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में मगध एवं शाहाबाद से आप अपने व्यक्तित्व के उम्मीदवार को चुनाव लड़ने का मौका दिया जाए ताकि मगध शाहाबाद के भाजपा द्वारा हारी हुई तमाम सीटें 2025 में जीती जा सके। श्री मेहता ने 2024 के लोकसभा चुनाव की चर्चा करते हुए माननीय रक्षा मंत्री जी से निवेदन किया कि पूर्व की परिस्थितियों ना बने अतः आपके व्यक्तित्व का उम्मीदवार होना आवश्यक है। इस मौके पर काराकाट विधानसभा निवासी रंजीत कुमार सिंह,सत्येंद्र सिंह,कमलेश कुशवाहा एवं अन्य सम्मानित साथी उपस्थित रहे।

प्रधान मंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का लाभ मिला

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला उपभोक्ता अदालत में उपभोक्ता वाद संख्या - 110/22 में आवेदक रामाकांत शर्मा वार्ड 08 श्रीकृष्ण नगर अहरी औरंगाबाद को स्टार युनीयन डाई इची लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड नवी मुंबई के क्षेत्रीय कार्यालय गयाजी का 198904 का चेक जिला उपभोक्ता विवाद निवारण फोरम के सदस्य बद्रीनारायण सिंह ने प्रदान किया इस अवसर पर बीमा कम्पनी अधिवक्ता अंजनी कुमार सिंह और अधिवक्ता चंदन गोरव उपस्थित थे, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि आवेदक रामाकांत शर्मा के पत्नी का मृत्यु 29/04/22 को हो गई थी आवेदक और उनकी पत्नी का संयुक्त खाता बैंक आफ इंडिया महाराजगंज रोड औरंगाबाद में था,28/08/20 से प्रधान मंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में प्रिमियम हर साल भर रहे थे याचिकाकर्ता को बेंक ने कभी भी बोंड पत्र और बीमा पॉलिसी नम्बर नहीं दिया था इसलिए बीमा राशि भुगतान में टालमटोल करता था मजबूरन पीड़ित को जिला उपभोक्ता अदालत में वाद करना पड़ा तत्पश्चात लाभ मिला, अधिवक्ता ने आगे बताया कि बहुत से लोग जानकारी के अभाव में सरकारी योजनाओं के लाभ,बीमा लाभ, प्राकृतिक आपदा और सड़क दुघर्टना लाभ से वंचित रह जाते हैं

गुरु के सम्मान और ज्ञान के प्रति सम्मान करने का पर्व है गुरु पूर्णिमा।

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

ओबरा (औरंगाबाद) :- ओबरा प्रखण्ड मुख्यालय ओबरा एवम दाउदनगर मे गुरु पूर्णिमा त्यौहार धूम धाम से मनाया गया । इस मौके पर डॉक्टर सुशील कुमार पाण्डेय के नेतृत्व मे भारी संख्या में छात्र छात्राएं गुरु को पूजा अर्चना के उपरांत सम्मानित किया । इस मौके पर राजीव पाण्डेय के साथ अन्य कलाकारों ने भी भजन गीत की प्रस्तुति दी । इस मौके पर सुशील कुमार पाण्डेय ने कहा कि,गुरुओं के सम्मान और ज्ञान के प्रति सजग रहना चाहिए । गुरु के बगैर जीवन अधंकार मे है । हर व्यक्ति के गुरु होते है । इसी लिए गुरु को सम्मान आदर करना चाहिए । शिष्य गुरुओं को पूजा करते है । और उनसे आशीर्वाद प्राप्त करते है । क्योंकि गुरु ही अज्ञानता से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाते है । गुरु जी पूजा और सम्मान जीवन मे हमेशा गुरुओं का आशीर्वाद मिलता है । और हम खुशहाल रहते है । इस मौके पर संस्थान के छात्रों ने पूजा अर्चना उपरांत प्रसाद वितरण किया । इस मौके पर अनुराधा कुमारी ,वर्षा पाण्डेय राधा कुमारी आदिति वर्मा वंदना पांडेय छवि किशोर विकास कुमार मोहम्मद इमरान सुनील कुमार सोनी कुमारी विष्णु कुमार अभिराम कुमार समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

विभिन्न विद्यालयों मे नीतीश कुमार जनसंवाद कार्यक्रम के तहत उमड़ी भीड़

गांव के बुजुर्ग लोगों ने स्मार्ट टीवी के माध्यम से मुख्यमंत्री की सुनी बाते

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

ओबरा (औरंगाबाद) :- ओबरा प्रखण्ड मुख्यालय के विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लाभुकों का आज खुशी का दिन रहा । हर क्षेत्रों मे वृद्ध महिला पुरुष खाते मे पैसा आने को इंतजार कर रहे थे । प्रखंड के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तेंदुआ हरकेश एवम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोनवरसा मे मुख्यमंत्री का जनसंवाद कार्यक्रम मे बुजुर्गों की भीड़ उमड़ी रही । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने संबोधन मे कहा कि,महिलाओं को हमेशा सम्मान दिया । आरक्षण को मैने इस लिए लागू किया कि ,सभी महिलाएं पुरुषों के बराबर रहे । मैं सामाजिक सुरक्षा पेंशन,विधवा पेंशन ,400 सौ की जगह 1100 सौ देने की घोषणा की । और वह राशि आज से खाते आना शुरू हो जाएगा । बैठे बुजुर्गों ने तालिया की गड़गड़ाहट कर दी । कहा कि,सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लाभुकों को आयुष्मान कार्ड से जोड़ा जाएगा । और उन्होंने कहा कि,हम ऐसे भी बुजुर्गों का सामान्य करना दायित्व है । और हम हमेशा सम्मान करेंगे । उन्होंने किए गए ,विकास को दोहराया । कहा कि,हम चाहते है कि,आप सभी स्वस्थ एवं सुखी रहे । जिसके लिए स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया है । सबों को आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे । वृद्धजन विधवा महिलाएं एवम दिव्यांग हमारे समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा है । और उसे सम्मान देने हमारा दायित्व है । कहा कि,शिक्षा के क्षेत्र मे कितना भी काम किया आपके सामने है । विद्यालय मे बैठी बच्चे बच्चियां तालिया की बौछार कर दी । कहा कि,मेरा ही देन है कि,छात्र छात्राएं को देखकर मन प्रफुल्लित होता है । विद्यालय के प्रधानाध्यापक रविरंजन कुमार तेंदुआ हरकेश,शिक्षक विकास कुमार ने मुख्यमंत्री के किए गए,कार्यों को बताया,और कहा कि,आज से राशि आना शुरू हो जाएगा । और जो लाभुक वंचित रह गए है । आवेदन देकर स्वीकृत कराए । बैंक प्रबंधक के प्राप्त जानकारी के अनुसार दिव्यांग जनों का राशि आना शुरू हो गई है। और इसी तरह अन्य लाभुकों को खाते मे आयेगा । इस सम्बन्ध मे बुजुर्ग रामदीप राम ने बताया कि,अब हमे 1100 सौ रुपए मिलने से मासिक खर्च मे आसानी होगी । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिया गया कदम काफी सराहनीय है। इसके लिए मै उन्हें दिल से धन्यवाद देता हु। और हमे उम्मीद है कि, भविष्य मे हमारी सेवा के प्रति दृढ़ संकल्पित रहेंगे,बुजुर्ग कबूतरी देवी ने बताया कि,मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सीधे 400 सौ की जगह 1100 सौ रुपए कर दी । जब इसकी समाचार सुना तो हमे खुशी का ठिकाना नही रहा । मै मुख्यमंत्री दुआ देती हूं कि,इसी तरह आगे भी हमे सहयोग करेंगे । ताकि किसी के सामने हमे हाथ फैलाना न पड़ें।

फेसर थानाध्यक्ष का वेतन बंद करने का आदेश

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- व्यवहार न्यायालय में न्यायकर्ता ने इजराय वाद संख्या - 05/15 में सुनवाई करते हुए न्यायिक आदेश के अवहेलना करने पर फेसर थानाध्यक्ष के वेतन भुगतान पर रोक लगाने का आदेश दिया है अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि यह इजराय वाद हकीकत वाद -09/12 का भाग है, डिक्रीदार राजाराम यादव और राजू यादव के पक्ष में डिक्री की गई जमीन पर डिक्रीदार को कब्जे दिलाने के पश्चात निर्णित ऋणीगंण द्वारा डिक्रीदार के जमीन कब्जे से बेदखल कर अवैध कब्जा और खेती की जाने लगी, न्यायालय द्वारा इस मामले को गम्भीरता लेते हुए सभी दसों निर्णित ऋणीगंण पर वारंट 06/02/23 को जारी किया गया और पुलिस द्वारा स्थलीय निरीक्षण कराया गया,पुलिस द्वारा एक निर्णित ऋणी को गिरफ्तार कर बाकी 09 निर्णित ऋणीगंण का वारंट फरार दिखाते हुए न्यायालय में 30/01/24 को समर्पित किया गया और कब्जा निर्णित ऋणीगंण का बताया गया, न्यायालय ने कहा कि यदि निर्णित ऋणीगंण फरार है तो उनका कब्जा केसे है,27/05/25 को न्यायालय ने डिक्रीदार को कब्जा दिलाने को आदेश पुलिस को दिया और कहा कि प्रतिवेदन 15 दिन के अंदर समर्पित करें,17/06/25 को स्मारपत्र भेजा, आदेश के अनुपालन न होते देखकर न्यायालय ने थाना प्रभारी फेसर को शोकोज किया, डिक्रीदार के अधिवक्ता ने उचीत निर्णय लेने का निवेदन न्यायालय में किया, जिसके पश्चात न्यायालय ने ऐसा आदेश दिया, जिसकी प्रतिलिपि थाना प्रभारी फेसर, कोषागार पदाधिकारी और पुलिस अधीक्षक औरंगाबाद को भेजी गई है, थानाध्यक्ष फेसर का वेतन न्यायालय के आदेश के अनुपालन न होने तक बंद रहेंगे।

रोहतास जिले के टॉप टेन में शामिल एक अपराधी समेत दो अन्य अपराध कर्मियों को जिला पुलिस की टीम ने अलग-अलग स्थान से गिरफ्तार किया

रिपोर्ट – विश्वास चौरसिया

डेहरी (रोहतास) जिले के टॉप टेन में शामिल एक अपराधी समेत दो अन्य अपराध कर्मियों को जिला पुलिस की टीम ने अलग-अलग स्थान से गिरफ्तार किया है। एसपी ने गिरफ्तारी में शामिल सभी पुलिसकर्मियों को पुरस्कृत करने की घोषणा की है। अपने कार्यालय मेंआयोजित प्रेस वार्ता में एसपी रौशन कुमार ने बताया कि जिले के टॉप टेन में शामिल अपराधी राकेश सिंह उर्फ राकेश राय सासाराम मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भैंसही गांव का निवासी है। दो वर्ष पूर्व उसके द्वारा अपने ही गांव के कमलेश राय को गोली मारकर जख्मी किया गया था। इसके अलावे राकेश सिंह पर हत्या, लूट, डकैती, पुलिस पर हमले समेत एक दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज है। यही कारण है, कि अपराधी राकेश राय को जिले के टॉप टेन अपराधी की श्रेणी में शामिल किया गया था।

पुलिस की विशेष टीम ने की छापेमारी

इसकी गिरफ्तारी के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दो सासाराम व सासाराम मुफस्सिल थानाध्यक्ष तथा जिला आसूचना इकाई के साथ एक टीम गठित की गई थी। बुधवार को सूचना मिली कि सासाराम मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मंडल कारा के पास अपराधकर्मी राकेश राय घूम रहा है। मिली सूचना के बाद पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी उपरांत अपराधी राकेश सिंह उर्फ राकेश राय ने कई अपराधीक घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। राकेश राय पर सासाराम, नोखा, अकोढीगोला समेत अन्य थानों में आपराधिक मुकदमा दर्ज है। टीम में शामिल पुलिसकर्मियों को पुरस्कृत की जाएगी। एसपी ने बताया कि दूसरी ओर 7 जुलाई को अकोढीगोला थाना क्षेत्र के दयाल फॉर्म के पास भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट व गोलीबारी की घटना हुई थी। उक्त घटना में सुपा बिगहा निवासी महेश सिंह व अन्य पर प्राथमिकी दर्ज हुई थी।

हथियारों की बरामदगी के लिए छापेमारी जारी

घटना की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी डेहरी दो के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया है। इसमें थानाध्यक्ष अकोढीगोला के अलावा तकनीकी सहायता के लिए जिला आसूचना इकाई की टीम को भी शामिल किया गया था। गठित पुलिस टीम के द्वारा फरार नामजाद अभयुक्तों के संबंध में मिली सूचना पर सुपा बीघा में छापेमारी की गई, जहां से मुख्य अभयुक्त महेश सिंह व दीनानाथ पासवान को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभयूक्तों ने बताया कि अकोढीगोला थाना क्षेत्र के दयाल फॉर्म में करीब ढाई सौ बीघा जमीन को लेकर इस घटना को अंजाम दिया गया था। घटना में शामिल अन्य व्यक्तियों की गिरफ्तारी व उपयोग किए गए हथियारों की बरामदगी के लिए छापेमारी की जा रही है। साथ ही गिरफ्तार अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास के संबंध में जांच की जा रही है।

निगरानी और सलाह समिति की बैठक जिला विधिक सेवा प्राधिकार औरंगाबाद के अन्तर्गत मुफ्त कानूनी बचाव पक्ष सहायता प्रणाली का कार्य महत्वपूर्ण- अपर जिला जज

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

निगरानी और सलाह समिति के अध्यक्ष प्रभारी जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम विश्व बिभूति गुप्ता की अध्यक्षता में निगरानी और सलाह समिति की बैठक आयोजित की गयी जिसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव, श्रीमती तान्या पटेल, के द्वारा मुफ्त कानूनी बचाव पक्ष सहायता प्रणाली के कार्यो की समीक्षा की गयी। इस बैठक में मुफ्त कानूनी बचाव पक्ष सहायता प्रणाली को माह जून अंतिम और जुलाई के प्रथम सप्ताह में प्रदत्त वादों में किये गये कार्यो को संतोषप्रद बताते हुए और बेहतर कार्य करने एवं वाद के निस्तारण कराने हेतु और अधिक प्रयास करने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त रिमाण्ड कार्य को लेकर कई दिशा निर्देश दिया गयो उनके द्वारा कहा गया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार, औरंगाबाद में वैसे लोग जो अत्यन्त ही गरीब वंचित, अनुसूचित जाति/जनजाति, महिला इत्यादि है जो विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम के धारा 12 के अधीन आते हैं, उन्हें उनके वादों में सशक्त एवं बेहतरीन बचाव हेतु एक नई प्रणाली के अन्तर्गत यह सब व्यवस्था की गयी है अतः आप सभी से उम्मीद की जाती है कि आप उन्हें त्वरित और शसक्त बचाव करते हुए न्याय दिलाने में अग्रणी भूमिका का निर्वह्न ईमानदारीपूर्वक करें। विदित हो कि मुफ्त कानूनी बचाव पक्ष सहायता प्रणाली के अन्तर्गत सभी अधिवक्ताओं की पूर्णकालिक नियुक्ति इसलिए की गयी है कि आप अपने निजी वकालत के कार्य को छोड़कर सिर्फ विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम के धारा 12 के अधीन आने वाले बचाव से सम्बन्धित वाद में कार्य करते हुए उन्हें सशक्त बचाव करते हुए न्याय देना है ऐसी स्थिति में आपका यह परम दायित्व हो जाता है कि आप उस पैमाने पर पूर्ण रूप से खरे उतरे। इस बैठक में मुख्य विधिक सहायता बचाव अधिवक्ता श्री युगेश किशोर पाण्डेय, उपमुख्य विधिक सहायता बचाव अधिवक्ता श्री अभिनन्दन कुमार एवं श्री मुकेश कुमार, सहायक विधिक सहायता बचाव अधिवक्ता श्री चन्दन कुमार एवं रंधीर कुमार द्वारा भी बैठक में दिये गये निर्देश का पूर्णतः पालन करने हेतु समिति को भरोसा दिया गया।

देश की उन्नति के लिए जनसंख्या नियंत्रण जरूरीः डॉ. सहर अफरोज

विश्व जनसंख्या दिवस पर जीडी कॉलेज के सेहत केंद्र में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के द्वारा कार्यशाला का आयोजन

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। हर वर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य जनसंख्या वृद्धि से जुड़ी सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रति जन-जागरूकता फैलाना है। इस अवसर पर जीडी कॉलेज के सेहत केंद्र में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया। जहां जनसंख्या नियंत्रण पर विशेष चर्चा की गयी।कार्यक्रम का नेतृत्व कर रही कार्यक्रम पदाधिकारी सह सेहत केंद्र की नोडल ऑफिसर डॉ. सहर अफरोज ने कहा कि वे जनसंख्या संतुलन बनाए रखने के लिए जिम्मेदार व्यवहार अपनाएं और समाज में शिक्षा, स्वास्थ्य, लैंगिक समानता एवं परिवार नियोजन के महत्व को समझें व दूसरों को भी जागरूक करें। पियर एडुकेटर सुमित कुमार ने कहा कि तेजी से बढ़ती जनसंख्या संसाधनों पर दबाव डालती है। यदि हम शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच और महिलाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता दें, तो जनसंख्या से जुड़ी समस्याओं का समाधान संभव है। स्वयंसेवक नीतीश कुमार व कोमल कुमारी ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है, परिवार नियोजन और प्रजनन स्वास्थ्य की जानकारी का प्रसार, युवाओं, महिलाओं को सशक्त बनाना, सतत विकास लक्ष्यों की ओर सार्थक प्रयास, सामाजिक समरसता और संसाधनों का न्यायपूर्ण वितरण करना है। इस मौके पर पियर एडुकेटर सुमित कुमार, कोमल कुमारी, नीतीश कुमार, स्वयंसेवक अंजली कुमारी, अदिति, सबा नाज, सुजीता, लक्ष्मी, रिशु, निशा, सुनीता, नंदनी, सिंधु कुमारी सहित अन्य स्वयंसेवक मौजूद थे।

गुरु पूर्णिमाः एक आकार में तीन प्रकार के गुरु ब्रह्मा, विष्णु, महेश

गुरू-शिष्य मिलन समारोह का आयोजन

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बौआ जी गुरु महाराज के द्वारा गुरू-शिष्य मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में भक्तजन गुरु जी का दर्शन एवं उनके प्रवचन को सुनने के लिए कोसों दूर से पहुंचे और आशिर्वाद लिये। इस अवसर पर गुरु कौन है, गुरु क्या है, इसके बारे में गुरुजी के द्वारा विस्तार से बताया गया। उन्होंने गुरु के बारे में बताया कि गुरु की उत्पत्ति गु धातु से हुई है। जिसमें चरित्र, ज्ञान, धर्म के प्रति रुचि है। संपूर्ण वेदों का ज्ञान में से पांच चीज गुरु है। सद्गुरु का मिलन काफी कठिन है। गर्दन काटने से भी अगर सद्गुरु मिल जाए तो अपने आप को हम धन्य समझेंगे। गुरु का आकार एक है, मगर प्रकार तीन है। जिसमें ब्रह्मा, विष्णु, महेश है। गुरु का गुणगान जितना भी करेंगे, उसका अंत नहीं है। भले ही संपूर्ण वन संपदा का लेखनी बना लें। सातों समुद्र को स्याही बना लें। यह सब खत्म हो जाएगा। मगर गुरु का गन गन नहीं समाप्त होगा। गुरु का आदर करें अनदर नहीं करें। गुरु को नाराज नहीं करें। अगर गुरु नाराज हो जाएंगे तब कहीं भी जगह नहीं मिलेगी। भगवान हम सबों से जब रूठ जाते हैं। तब हमलोग गुरु के पास जाते हैं और गुरु ही हमें उद्धार करते हैं। गुरु के बगैर देव-दानव और मानव चाहेंगे कि इस पाप रूपी सागर से पर हो जाए यह बिल्कुल संभव है। भगवान को भी गुरु के चरणों में जाना ही पड़ा है। इस मौके पर शिक्षक नेता अमरेंद्र कुमार सिंह, अधिवक्ता राजेंद्र महतो, कवि प्रफुल्ल रंजन, उपमेयर अनिता राय, वार्ड पार्षद उमेश राय, प्राचार्य चंद्रशेखर चौरसिया, डॉ एके राय, अरुण कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

गोह थाना क्षेत्र के मीरपुर वारंटी को भेजा गया जेल

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह। गोह थाना क्षेत्र के मीरपुर गांव में पुलिस छापेमारी कर योगेश यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। उक्त आरोपित पर कोर्ट द्वारा वारंट निर्गत किया गया था। इधर, गम्हारी गांव में भी पुलिस ने छापेमारी कर खुभा चौधरी के पुत्र पिंटू चौधरी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। जिसपर शराब की तस्करी का आरोप है।

...तो घर में जरूर रखें बांसुरी

भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बहुत प्रिय है। बांसुरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको प्रकृति का अनुपम वरदान है। ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमाल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, बांसुरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। बांसुरी से होने वाले लाभ कौन-कौन से है, आइए जानते है।

- फेंगशुई विद्या के अनुसार, बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
- बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अतः घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उठाया जा सकता है।
- बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं।
- जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।
- यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
- ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता हैं, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
- जो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसुरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अतः उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए। यह बहुत ही सरल उपाय है जो आपको अपने बिजनेस में उन्नति के शिखर पर ले जाएगा।

सूर्यास्त के बाद झाड़ू-पौंछा न करें

धार्मिक गंथों में ऐसी कई सार्वभौमिक सत्य बातें बताई गई हैं, जिनका अनसुरण कर हम अपना सौभाग्य लिख सकते हैं या प्रतिकूल ग्रहों को अनुकूल बना सकते हैं। आइए जानें ऐसी पांच चीजों के बारे में जो हमारे अच्छे व सुखद भविष्य की भी नींव रखती हैं।

थाली में न छोडें झूठा अन्न

शास्त्रानुसार कभी भी खाने की प्लेट में जूठा नहीं छोडना चाहिए और न ही कभी जूठे बर्तनों को यूं ही पढ़े रहने देना चाहिए। रात को सोने से पहले सभी जूठे बर्तन धो लेने चाहिए अन्यथा इससे घर में अशांति का वातावरण बनना शुरु हो जाएगा जो अंततः घर के दुर्भाग्य में बदल जाएगा।

बैड को रखें नीट एंड क्लीन

शास्त्रों के अनुसार बेडरूम सुव्यवस्थित तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर बिस्तर पर बिछी हुई चादर बिल्कुल साफ होनी चाहिए साथ ही कमरे में कचरा नहीं फैला होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उस बिस्तर पर सोने वाले का सौभाग्य भी दुर्भाग्य में बदल जाता है।

जगह-जगह थूकना लाता है दुर्भाग्य

कहीं भी थूक देना (विशेष तौर पर घर में, देव मंदिरों में, सार्वजनिक स्थानों पर) शास्त्रों में पूरी तरह गलत बताया गया है। इससे घर की लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है। हमें यथासंभव अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की सुख-शांति खत्म हो जाती है और कंगाली घर में प्रवेश कर जाती है।

बाथरूम को रखें साफ-सुथरा

बाथरूम को चन्द्रमा का स्थान माना गया है। जिन घरों में बाथरूम गंदा रहता है या अस्त-व्यस्त पड़ा रहता है, उन घरों के स्वामी की कुंडली में चन्द्रमा पर ग्रहण लग जाता है जिससे उस घर में रहने वालों की मानसिक शांति समाप्त हो जाती है तथा वहां धन की कमी होने लगती है।

पूजा में भगवान श्रीगणेश जी का है सर्वश्रेष्ठ स्थान

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार, किसी भी शुभ काम के करने से पहले गणेश पूजन आवश्यक हैं। इससे प्रसन्न होकर गणेश जी सारे काम निर्विघ्न कर देते हैं। हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जाती अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न से पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी की पूजा में दूर्वा का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है और साथ ही यह मान्यता है कि गणपति को दूर्वा चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। ऐसे में दूर्वा को पूजन परंपरा से जोडक्र उन्होंने दुर्लभ वनस्पतियों को बचाने का संदेश दिया है क्योंकि इससे हम धरती की रक्षा कर अपने लिए एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकेंगे।

ऐसे में कहा जाता है गणपति की साधना-अराधना के लिए बताए गए 108 नाम के बारे में जिनके जप करने से भीतरी आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि श्री गणेश जी के 21 नाम वालें मंत्रों और 21 पेड़ों के पत्तों को अर्पित करने पर उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मान्यता है कि पूजन की इस परंपरा के पीछे जीवनदायक प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्षों को न काटने का गूढ़ रहस्य छिपाया गया है। वहीं इस बात को कहने का तात्पर्य गणपति की साधना-अराधना से जुड़े इन वृक्षों संरक्षण किया जाना चाहिए। श्री गणेश नाम वृक्षों के नाम आइए जानते हैं।

इन मंत्रों का करें जाप

ओम सुमुखाय नमः शमी पत्र।
ओम गणाधीशाय नमः भृंगराज पत्र।
ओम उमापुत्राय नमः बेल पत्र।
ओम गजामुखाय नमः दूर्वापत्र।
ओम लम्बोदराय नमः बेर का पत्र।
ओम हर पुत्राय नमः धतूरे का पत्र।
ओम शूर्पकर्णाय नमः तुलसी के पत्र।
ओम वक्रतुण्डाय नमः सेम का पत्र।
ओम गुहाग्रजाय नमः अपामार्ग पत्र।
ओम एकदंताय नमः भटकटैया पत्र।
ओम हेरम्बाय नमः सिंदूर पत्र।
ओम चतुर्होत्रे नमः तेज पत्र।
ओम सर्वेश्वराय नमः अगस्त पत्र।
ओम विकटाय नमः कनेर पत्र।
ओम हेमतुण्डाय नमः केला पत्र।
ओम विनायकायनमः आक पत्र।
ओम कपिलाय नमः अर्जन पत्र।
ओम वटवे नमः देवदारू पत्र।
ओम भालचंद्रय नमः महुए के पत्र।
ओम सुराग्रजाय नमः गांधारी पत्र।
ओम सिद्धि विनायक नमः केतकी पत्र।

परिवार और व्यक्ति के दुख दूर करते हैं यह सरल उपाय

बुधवार के दिन घर में सफेद रंग के गणपति की स्थापना करने से समस्त प्रकार की तंत्र शक्ति का नाश होता है।

धन प्राप्ति के लिए बुधवार के दिन गणेश को घी और गुड़ का भोग लगाएं। थोड़ी देर बाद घी व गुड़ गाय को खिला दें। ये उपाय करने से धन संबंधी समस्या का निदान हो जाता है।

परिवार में कलह कलेश हो तो बुधवार के दिन दूर्वा के गणेश जी की प्रतिकात्मक मूर्ति बनवाएं। इसे अपने घर के देवालय में स्थापित करें और प्रतिदिन इसकी विधि-विधान से पूजा करें। घर के मुख्य दरवाजे पर गणेशजी की प्रतिमा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कोई भी नकारात्मक शक्ति घर में प्रवेश नहीं कर पाती है।

तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है।
- वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं।
- वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है।
- गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें।
- घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है। कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

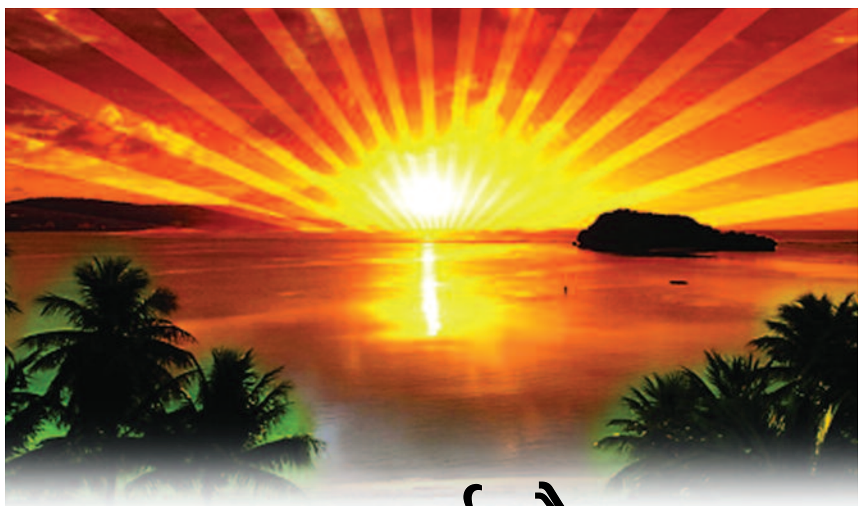

सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए..

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रातः काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन न करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अतः भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।
- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुप्पाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।

गोमेद एक खूबसूरत रत्न

जीवन को भी बना देता है सुंदर

ज्योतिष विज्ञान में गोमेद को एक खूबसूरत रत्न माना गया है, जो जीवन को सुंदर बना देता है। गोमेद सबसे लाभदायक रत्नों में से एक माना गया है। गोमेद राहु ग्रह से संबंधित रत्न माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना जाता है अतः ज्योतिषाचार्यों द्वारा राहु के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए गोमेद रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ध्यान रखने योग्य यह है कि गोमेद के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज नहीं पहनना चाहिए।

यह रत्न जहां रुके कार्यों पूर्ण करने का कार्य करता हैं, वहीं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देता है। ज्योतिषियों की मानें तो जन्म कुंडली की दशाओं को जानकर ही इस रत्न को धारण करना उचित रहता है। इतना ही नहीं गोमेद ब्लड कैंसर, कम सुनाई देना, आंखों तथा जोड़ों के दर्द जैसी बीमारियों से भी निजात दिलाता है। गोमेद एक चमकदार और अपारदर्शी रत्न है। यह गहरे भूरे अथवा लाल रंग की तरह होता है। इसे गारनेट समूह का रत्न माना जाता है। यह दुनिया में कई स्थानों पर पाया जाता है। गोमेद मुख्य रूप से यह भारत, श्रीलंका और ब्राजील में आसानी से मिल जाता है तथा साउथ अफ्रीका, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी यह रत्न पाया जाता है। राहु ग्रह से संबंधित इस रत्न को हिन्दी में गोमेद और अंग्रेजी में हैसोनाइट स्टोन कहते हैं। गोमेद रत्न 6 रत्ती से कम का धारण नहीं करना चाहिए। यह रत्न शनि की होरा में शुक्ल पक्ष के किसी भी शनिवार को पहनना अतिशुभ माना गया है। यदि शनिवार के दिन शतभिषा, स्वाती या आर्द्रा नक्षत्र में इसे धारण किया जाए तो गोमेद की शुभता अधिक बढ़ जाती है।

रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न की अंगूठी को सबसे पहले गंगा जल, दूध, शहद और मिश्री के घोल में डालकर एक रात उसमें ही रहने दें। तत्पश्चात ऊँ रां राहवे नमः मंत्र का 108 बार जाप करके कनिष्का में धारण करना चाहिए।

किस अंगुली में धारण करें

इसे चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वा कर पहनना उचित रहता है। राहु का रत्न गोमेद को कनिष्का ऊंगली में पहनना चाहिए, क्योंकि मिथुन राशि में उच्च का होने से बुध की अंगुली कनिष्का में पहनना शुभ फलदायी रहता है। यह राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करता है। गोमेद धारण करने से राहु की दशा-महादशा को दुष्प्रभावों से निजात मिलती है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला भी माना जाता है, इतना ही नहीं इसे धारण करने से सकारात्मक विचार, एकाग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

कौन धारण करें

इसे राजनीतिज्ञ, जासूसी, जुआ, सट्टा खेलने वाले तथा तंत्र या मंत्र विद्या से जुड़े व्यक्ति पहनते हैं।

कौन ना पहने ये रत्न- जिस व्यक्ति की कुंडली में राहु 5वें, 8वें 9वें 11वें या 12वें स्थान पर हो उन्हें गोमेद धारण नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है तथा जिनका व्यापार-व्यवसाय राहु ग्रह से संबंधित हो उन्हें भी यह रत्न नहीं पहनना चाहिए।

पीतल का शेर देगा आपको आत्मविश्वास...

घर का सामान आपके जीवन, धन-संपत्ति और खुशहाली के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व पर भी गहरा प्रभाव डालता है। वास्तुशास्त्र के कुछ मौलिक सिद्धांत तो लगभग सभी लोगों को मालूम होते भी हैं, मसलन दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए, उत्तर दिशा में तिजोरी रखना और घर में गंदगी इकट्ठी ना होने देना...वगैरह-वगैरह।

लेकिन कुछ वास्तु टिप्स ऐसे होते हैं, जो आपके व्यक्तित्व पर भी बहुत गहर असर छोड़ते हैं। अगर आप उदास रहते हैं या फिर आपको लगता है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण आप अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आपको अन्य लोगों के समक्ष अपनी बात रखने में हिचक होती है तो हम आपको एक ऐसा वास्तु उपाय बताने जा रहे हैं जो आपके लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। पीतल धातु से बना शेर, ना सिर्फ आपके घर की शोभा को बढ़ाता है बल्कि आपके भीतर छिपी हीन भावना या आत्मविश्वास की कमी को भी समाप्त करता है।

वास्तुशास्त्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगर पीतल धातु से बने शेर को घर की पूर्वी दिशा में स्थापित करते हैं तो यह आपके सेल्फ कॉफिडेंस में गजब का उछाल लाता है। बस एक बात का ध्यान रखें कि जब आप शेर को अपने घर में स्थापित करें तो उसका मुख घर के केन्द्र में होना चाहिए।

भारत की स्थापित सौर क्षमता में 4,000 फीसदी की वृद्धि हुई : पीयूष गोयल

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत की स्थापित सौर क्षमता में 4,000 फीसदी की वृद्धि हुई है, जिससे देश की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता अब 227 गीगावाट के स्तर पर पहुंच गई। उन्होंने कहा कि भारत संभवतः पेरिस समझौते के तहत अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) को पूरा करने वाला पहला जी-20 देश है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने नई दिल्ली में 11वें भारत ऊर्जा भंडारण सप्ताह (आईईएसडब्ल्यू) 2025 को संबोधित करते हुए यह बात कही। पीयूष गोयल ने जम्मू-कश्मीर के पल्ली गांव का उदाहरण दिया, जो सौर ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता का उपयोग करने वाला भारत का पहला कार्बन-तटस्थ पंचायत बन गया है। उन्होंने बताया कि आईईएसडब्ल्यू का आयोजन स्थल यशोभूमि अपने आप में स्थायित्व का एक आदर्श उदाहरण है, जहां छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र, अपशिष्ट जल उपचार और ऊर्जा-कुशल बुनियादी ढांचा उपलब्ध है।गोयल ने कहा कि देश की सौर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल क्षमता करीब 38 गुना बढ़ गई है, जबकि फोटोवोल्टिक सेल क्षमता 21 गुना बढ़ गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य 1 करोड़ घरों को रूफटॉप सोलर पैनल से लैस करना है, ताकि वे ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बन सकें और बिजली के बिल कम कर सकें।

यूपीआई का असर, आईएमएफ ने कहा- भारत में अन्य देशों की तुलना में अधिक तेजी से हो रहा भुगतान

एजेंसी
नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने एक नोट में कहा कि भारत दुनिया में अन्य देशों की तुलना में अधिक तेजी से भुगतान कर रहा है। इसकी वजह देश में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) का बड़े स्तर पर इस्तेमाल होना है। आईएमएफ के 'बढ़ते खुदरा डिजिटल भुगतानः इंटरऑपरेबिलिटी का मूल्य' शीर्षक वाले नोट के अनुसार, 2016 में अपनी शुरुआत के बाद से देश में यूपीआई तेजी से बढ़ा है, जबकि नकदी के इस्तेमाल में गिरावट शुरू हो गई है। यूपीआई अब प्रति माह 18 अरब से ज्यादा लेनदेन प्रोसेस करता है और भारत में अन्य इलेक्ट्रॉनिक खुदरा भुगतानों में अग्रणी है। यूपीआई एक त्वरित भुगतान प्लेटफॉर्म है जो इमीडिएट पेमेंट सर्विस (आईएमपीएस) इन्फ्रास्ट्रक्चर पर बना हुआ है।

नोट में आगे कहा गया कि यूपीआई ने भारत में डिजिटल भुगतान के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। इस प्लेटफॉर्म से मिले सबूत बताते हैं कि इंटरऑपरेबिलिटी यूजर्स के डिजिटल भुगतान के अनुभव को बेहतर बना सकती है और इससे नई टेक्नोलॉजी को अपनाने की दर में इजाफा हो सकता है। आईएमएफ ने नोट में कहा, 'इंटरऑपरेबिलिटी सीधे तौर पर यूजर्स को अपना पसंदीदा ऐप चुनने की आजादी देती है, जिससे वे उपलब्ध ऐप्स की विविधता और गुणवत्ता का पूरा लाभ उठा पाते हैं। इंटरऑपरेबिलिटी नए प्रोवाइडर्स के प्रवेश को भी सुगम बना सकती है और मौजूदा प्रदाताओं को अपने ऐप्स अपग्रेड करने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है, जिससे यूजर्स को अप्रत्यक्ष लाभ मिल सकता है।' यूपीआई को बढ़ावा देने के लिए भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने 2016 के अंत में भारत इंटरफेस फॉर मनी (भीम) ऐप को लॉन्च किया था। जून में यूपीआई लेनदेन की मात्रा सालाना आधार पर 32 प्रतिशत बढ़ी। पिछले साल जून की तुलना में लेनदेन मूल्य में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई। दैनिक यूपीआई लेनदेन की संख्या मई के 602 मिलियन से बढ़कर जून में 613 मिलियन हो गई।

युवाओं को सशक्त बनाने के लिए राष्ट्रीय जनजातीय विद्यार्थी शिक्षा समिति और टाटा मोटर्स लिमिटेड के बीच समझौता

एजेंसी
नई दिल्ली। जनजातीय कार्य मंत्रालय (एमओटीए) के अंतर्गत एक स्वायत्त संगठन, राष्ट्रीय जनजातीय विद्यार्थी शिक्षा समिति (एनईएसटीएस) ने टाटा मोटर्स लिमिटेड (टीएमएल) के बीचएक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोगात्मक समझौते का उद्देश्य एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) से 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने वाले जनजातीय विद्यार्थियों के लिए कौशल से जुड़ी शिक्षा और रोजगार के अवसरों को संयुक्त रूप से उपलब्ध कराना है। यह पांच वर्षीय समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर की तिथि से प्रभावी होगा। यह समझौता सामाजिक रूप से वंचित समुदायों के जीवन स्तर में सुधार लाने की साझा प्रतिबद्धता का उल्लेख करता है। यह समझौता जनजातीय युवाओं को कुशल कार्यबल में एकीकृत करने के लिए एक सुव्यवस्थित अवसर प्रदान करता है। इसमें 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के ईएमआरएस में नामांकित 50,000 से अधिक कक्षा 12 के विद्यार्थियों को लाभ होने की संभावना है।जनजातीय कार्य मंत्रालय ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इस सहयोगात्मक समझौते का मुख्य उद्देश्य आजीविका सृजन में दोनों संगठनों के साझा हितों को आगे बढ़ाना है। विद्यार्थियों का चयन विशिष्ट मानदंडों के आधार पर किया जाएगा। इन मानदंडों के तहत छात्रों की आयु 18-23 वर्ष होनी चाहिए, उनके एसएससी (10वीं कक्षा) परीक्षा में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक होने चाहिए। उन्होंने ईएमआरएस से अपनी 12वीं कक्षा पूरी की हो। यह कार्यक्रम एक संरचित कमाई और सीखें मॉडल प्रदान करता है, जिसमें इंजीनियरिंग में डिप्लोमा के साथ सामाजिक विश्वविद्यालय- संस्थान द्वारा संचालित कक्षाएं, एनएसक्यूएफ के अनुरूप ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण (ओजेटी) और विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार नियमित सेमेस्टर परीक्षाएं और मूल्यांकन शामिल हैं।

फ्लिपकार्ट मिनट्स पर नई सर्विस लॉन्च, पुराने और खराब फोन होंगे एक्सचेंज

नई दिल्ली। देश के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने नई सर्विस शुरू की है, जिसका इस्तेमाल करके आप कुछ ही मिनट्स में अपने पुराने फोन को एक्सचेंज कर सकते हैं। कंपनी किसी भी कंडीशन में फोन एक्सचेंज के लिए स्वीकार कर लेगी। हालांकि, इसका असर कीमत पर पड़ेगा। ई-कॉमर्स फ्लिपकार्ट ने फ्लिपकार्ट मिनट्स पर स्मार्टफोन एक्सचेंज प्रोग्राम शुरू किया है। इसकी मदद से ग्राहक मात्र 40 मिनट के अंदर अपने पुराने स्मार्टफोन को नए स्मार्टफोन के साथ अपग्रेड कर सकते हैं। ये सर्विस बेंगलुरु, दिल्ली और मुंबई के कुछ चुनिंदा पिन कोड पर शुरू की गई है। कंपनी जुलाई से इसे फ्लिपकार्ट मिनट्स के परिचालन वाले सभी शहरों में विस्तार देगी। कंपनी के मुताबिक रियल टाइम डिवाइस वैल्यूएशन, इंस्टेंट डोरस्टेप पिकअप और सेम-डे वैल्यू एप्लिकेशन के साथ यह भारत में किसी क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर अपनी तरह की पहली सुविधा है, जिसमें बिना किसी बाधा डिवाइस एक्सचेंज हो सकेगा। वैसे तो फ्लिपकार्ट की एक्सचेंज सर्विस ऐप पर पहले भी मौजूद थी, लेकिन अब इसका फायदा फ्लिपकार्ट मिनट्स पर भी मिल जाएगा। ग्राहक बंद पड़े स्मार्टफोन समेत किसी भी तरह का स्मार्टफोन एक्सचेंज करके पुराने स्मार्टफोन की हालत के हिसाब से 50 फीसदी तक की एक्सचेंज वैल्यू प्राप्त कर सकते हैं।

रोजगार मेलाः प्रधानमंत्री 12 जुलाई को 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को युवाओं को बड़ा तोहफा देंगे। 12 जुलाई को 'रोजगार मेला' का आयोजन होने वाला है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़ेंगे। इस दौरान अलग-अलग सरकारी विभागों और संगठनों में नियुक्त किए गए 51 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से शुक्रवार को इसकी जानकारी दी गई। पीएमओ के मुताबिक, इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नव-नियुक्त कर्मचारियों को संबोधित भी करेंगे। यह 16वां 'रोजगार मेला' देशभर के 47 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा, जबकि नियुक्तियां केंद्र सरकार के मंत्रालयों और विभागों में की जा रही हैं। चयनित नए उम्मीदवार पूरे देश से आए हैं और वो जिन विभागों में शामिल होंगे, उनमें रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, डाक विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय

समेत कई अन्य मंत्रालय और विभाग शामिल हैं। 'रोजगार मेला' पीएम मोदी की रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। 'रोजगार मेला' प्रधानमंत्री मोदी की ओर से 22 अक्टूबर 2022 को मिशन मोड में शुरू किया गया था। कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के मुताबिक, यह पहल युवाओं को सशक्त बनाने और राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सार्थक मौके दे रही है। 'रोजगार मेला' की पहल ने अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों के साथ-साथ सरकारी संगठनों को मिशन मोड में अपनी रिक्तियों को भरने में सक्षम बनाया। विभागों और संगठनों को स्कूलों, अस्पतालों, रेलवे स्टेशनों, पुलिस स्टेशनों और कर कार्यालयों आदि में उच्च गुणवत्ता वाली नागरिक सेवाएं प्रदान करने में मदद मिली। इससे हमारे रक्षा और सुरक्षा संगठनों को भी लाभ हुआ। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, देश भर में आयोजित 'रोजगार मेलों' के माध्यम से 10 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र पहले ही वितरित किए जा चुके हैं। इससे माना जा सकता है कि यह कार्यक्रम युवाओं के उज्जवल भविष्य की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

आयकर विभाग ने आईटीआर-2 और आईटीआर-3 फॉर्म के लिए एक्सेल यूटिलिटीज को जारी किया

एजेंसी
नई दिल्ली । आयकर विभाग ने शुक्रवार को आईटीआर-2 और आईटीआर-3 फॉर्म के लिए एक्सेल यूटिलिटीज को जारी किया, इनका इस्तेमाल करदाताओं द्वारा कर योग्य पूंजीगत लाभ, क्रिप्टो इनकम और अन्य से प्राप्त हुई आय पर आईटीआर दाखिल करने के लिए किया जा सकता है। आयकर विभाग ने पहले केवल आईटीआर-1 और आईटीआर-4 फॉर्म (ऑनलाइन और एक्सेल यूटिलिटी दोनों) जारी किए थे, जिससे कुछ ही सीमित करदाताओं को स्पेसिफाइड इनकम क्लासिफिकेशन के साथ उनके आईटीआर को फाइल करने में मदद मिली। आयकर विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा की, 'करदाता ध्यान दें! असेस्मेंट ईयर 2025-26 के लिए आईटीआर-2 और आईटीआर-3 की एक्सेल यूटिलिटीज अब लाइव हैं और फाइल करने के लिए उपलब्ध हैं।' इसमें आगे कहा गया, 'आयकर विभाग के ई-फाइलिंग आईटीआर पोर्टल के डाउनलोड सेक्शन में, आप आईटीआर-2 और आईटीआर-3 यूटिलिटीज डाउनलोड कर सकते हैं। डाउनलोड करने के बाद, आपको एक विंडोज जिप फाइल मिलेगी, जिससे एक्सेल फाइल प्राप्त की जा सकती है।'

आयकर विभाग की वेबसाइट के अनुसार, 11 जुलाई से, आईटीआर-2 उन व्यक्तियों या एचयूएफ द्वारा फाइल किया जा सकता है, जो आईटीआर-1 (सहज) फाइल करने के पात्र नहीं हैं। इसके अलावा, विभाग के अनुसार, जो व्यक्ति व्यवसाय या पेशे से लाभ और हानि की आय नहीं रखते हैं और साथ ही साझेदारी फर्म से ब्याज, वेतन, बोनस, कमीशन या पारिश्रमिक के रूप में व्यवसाय या पेशे से लाभ और हानि की आय नहीं रखते हैं, वे भी आईटीआर-2 फाइल कर सकते हैं। जिन व्यक्तियों की आय में अगर जोड़ी जाने वाली आय में किसी अन्य व्यक्ति जैसे पति/पत्नी, नाबालिग बच्चे आदि की आय शामिल है तो वे भी आईटीआर-2 के अंतर्गत आते हैं। आयकर विभाग ने 27 मई को वित्त वर्ष 2024-25 (असेस्मेंट ईयर 2025-26) के लिए आयकर रिटर्न फाइल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2025 से बढ़ाकर 15 सितंबर, 2025 कर दी थी।

आईटी विभाग ने कहा था कि इस विस्तार से हितधारकों द्वारा उठाई गई चिंताओं को कम करने और अनुपालन के लिए पर्याप्त समय मिलने की उम्मीद है, जिससे रिटर्न फाइल करने की प्रक्रिया की अखंडता और सटीकता सुनिश्चित होगी।

एलआईसी की व्यक्तिगत प्रीमियम आय जून महीने में 14.6 फीसदी बढ़ी

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की व्यक्तिगत प्रीमियम खंड से आय सालाना आधार पर जून महीने में 14.60 फीसदी बढ़ी है। इस दौरान निजी क्षेत्र की सभी जीवन बीमा कंपनियों की कुल प्रीमियम आय में 12.12 फीसदी की वृद्धि हुई है। जीवन बीमा परिषद ने जारी आंकड़ों में बताया कि एलआईसी ने जून महीने में व्यक्तिगत प्रीमियम के रूप में 5,313 करोड़ रुपये एकत्र किए, जबकि 25 निजी क्षेत्र की कंपनियों ने कुल मिलाकर 8,408 करोड़ रुपये एकत्र किए हैं। इस तरह एलआईसी ने जून में व्यक्तिगत प्रीमियम में साल-दर-साल 14.60 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है, जो निजी क्षेत्र की जीवन बीमा कंपनियों की प्रीमियम आय में इस दौरान 12.12 फीसदी की वृद्धि से अधिक है। आंकड़ों के अनुसार एलआईसी की ओर से इस दौरान जारी की गईं कुल पॉलिसी की संख्या 12.49 लाख रही, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 14.65 लाख थी। व्यक्तिगत पॉलिसियों की श्रेणी में एलआईसी ने जून, 2025 के लिए 12.48 लाख पॉलिसियां जारी कीं, जबकि 2024 में इसी महीने में यह संख्या 14.62 लाख रही थी। इसके अलावा समूह पॉलिसियां जून में 1,290 रही है, जो पिछले साल इसी महीने में 2,827 थीं।

पीएम-किसान से करोड़ों किसान लाभान्वित, 1400 मंडियों को ई-नाम से जोड़ा गयाः पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि संतुलित उर्वरक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए किसानों को 25 करोड़ मृदा हेल्थ कार्ड वितरित किए गए हैं। इसके साथ ही किसान क्रेडिट कार्ड पहल के माध्यम से फसल ऋण सुलभ कराए गए हैं, जबकि 1,400 मंडियों को ई-नाम प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में बताया गया कि पीयूष गोयल ने बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित 16वें एग्रीकल्चर लीडरशिप सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार ने कृषि क्षेत्र को अपने विकास एजेंडे में निरंतर अग्रिम स्थान दिया है। उन्होंने कहा कि पीएम-किसान सम्मान निधि स्कीम से बड़ी संख्या में किसान परिवारों को लाभ हुआ है। इसके अलावा 1,400 मंडियों को ई-नाम प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया है। उर्वरक क्षेत्र में केंद्र सरकार ने किसानों को किफायती दामों पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त सब्सिडी प्रदान की है।

सरकार 6जी टेक्नोलॉजी में अगली पीढ़ी के इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध : ज्योतिरादित्य सिंधिया

एजेंसी
नई दिल्ली । केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि सरकार 6जी जैसी अगली पीढ़ी की संचार टेक्नोलॉजी को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही उन्होंने नई टेक्नोलॉजी के विकास के लिए एक रोडमैप की भी जरूरत बताई। दूरसंचार सचिव डॉ. नीरज मित्तल के साथ भारत 6जी गठबंधन (बी6जीए) की प्रगति की समीक्षा करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत 6जी गठबंधन को 6जी टेक्नोलॉजी में इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए एक केंद्रित, रणनीतिक और स्पष्ट रोडमैप तैयार करना चाहिए। उन्होंने वैश्विक स्तर पर 6जी टेक्नोलॉजी में 10 प्रतिशत बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) प्राप्त करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रत्येक कार्यसमूह स्तर पर प्रगति की नियमित समीक्षा पर जोर

दिया। उच्च-स्तरीय बातचीत के दौरान, गठबंधन ने वर्ष 2030 तक 6-जी में वैश्विक अग्रणी बनने की दिशा में भारत की प्रगति पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। इस कार्यक्रम में कार्य समूह के अध्यक्षों द्वारा व्यापक प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें कार्यान्वयन योग्य योजनाओं और प्रमुख तकनीकी प्रगति की रूपरेखा को दिखाया गया। मंत्रालय ने आधिकारिक बयान में कहा, गठबंधन के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, उपाध्यक्षों और सदस्यों ने रणनीतिक अपडेट, पहलों और कार्य योजनाओं पर व्यापक जानकारी साझा की। प्रस्तुतियों में स्वदेशी आरएएन तकनीक, ग्रामीण संपर्क के लिए बुद्धिमान और समावेशी नेटवर्क, कृषि, स्वास्थ्य सेवा, स्मार्ट और टिकाऊ परिनियोजन जैसे क्षेत्रों में अंतर-क्षेत्रीय 6-जी अनुप्रयोगों जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति पर चर्चा की गई। भारत 6-जी गठबंधन ने केंद्रीय मंत्री को पिछली समीक्षा के बाद से सरकार और उद्योग द्वारा की गई प्रमुख कार्रवाइयों के बारे में भी बताया। गठबंधन अब 80 सदस्य संगठनों के एक मजबूत नेटवर्क तक विस्तारित हो गया है, जिसमें 30 से अधिक स्टार्टअप शामिल हैं, जो स्वदेशी 6-जी इनोवेशन के लिए बढ़ती राष्ट्रीय गति को दर्शाता है।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने शिलांग में किया पोलो शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन

एजेंसी
शिलांग (असम)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा के साथ शिलांग में पोलो शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री स्नीऔभालांग धर भी उपस्थित रहे। इस आधुनिक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स को शिलांग स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत विकसित किया गया है, जिसमें 90 से अधिक दुकानों की सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही, परिसर में मशीनीकृत कार पार्किंग की भी व्यवस्था की गई है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि इस प्रकार के औद्योगिक निर्माण से शिलांग को स्मार्ट सिटी के रूप में नई पहचान मिलेगी।शिलांग आगमन से पहले वित्त मंत्री को गुवाहाटी में असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व सरमा ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

टेस्ला का पहला भारतीय 'एक्सपीरियंस सेंटर' 15 जुलाई को मुंबई में खुलेगा

एजेंसी
नई दिल्ली। एलन मस्क के स्वामित्व वाली किफायती सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक भारत में अपनी सेवाएं शुरू करने की तैयारी कर रही है, वहीं उनका दूसरा वेंचर, इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला भी इसी महीने से देश में अपना परिचालन शुरू करने के करीब पहुंच रही है।

हालांकि, कंपनी फिलहाल देश में मैन्युफैक्चरिंग नहीं कर रही है, लेकिन वह 15 जुलाई को मुंबई में अपना पहला शोरूम खोलने वाली है। एक्सपीरियंस सेंटर कहे जाने वाले इस टेस्ला शोरूम को आर्थिक राजधानी में 4,000 वर्ग फुट के रिटेल स्पेस में बनाया गया है, जो शहर में अमेरिकी टेक दिग्गज एप्पल के फ्लैगशिप स्टोर के करीब है। यह कदम टेस्ला की भारत में व्यापक विस्तार रणनीति का हिस्सा है। जून में, कंपनी ने मुंबई के कुर्ला पश्चिम में एक कमर्शियल स्पेस लीज पर

लिया था, जिसके वाहन सेवा केंद्र के रूप में काम करने की उम्मीद है।टेस्ला की अब भारत में चार कमर्शियल प्रॉपर्टीज हैं, जिनमें पुणे में एक इंजीनियरिंग हब, बेंगलुरु में एक पंजीकृत कार्यालय और बीकेसी के पास एक अस्थायी कार्यालय शामिल है। टेस्ला इंडिया मोटर एंड एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड ने मुंबई के कुर्ला पश्चिम में अपने आगामी बीकेसी शोरूम के पास एक सर्विस सेंटर स्थापित करने के लिए 24,500 वर्ग फुट जगह लीज पर ली थी। यह कदम टेस्ला की भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में प्रवेश की योजना में एक महत्वपूर्ण कदम है, हालांकि कंपनी का वर्तमान में देश में वाहनों का निर्माण करने का कोई इरादा नहीं है। प्रॉपर्टी डेटा विश्लेषण फर्म सीआरई मैट्रिक्स द्वारा प्राप्त रियल एस्टेट दस्तावेजों के अनुसार, टेस्ला ने लोढ़ा लॉजिस्टिक्स पार्क में जगह किराए पर लेने के लिए बेलिसिमो इन सिटी एफसी मुंबई वन प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक लीज और लाइसेंस समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता पांच साल के लिए है, जिसका शुरुआती मासिक किराया 37.53 लाख रुपए है। दस्तावेजों के अनुसार, लीज की पूरी अवधि के दौरान, टेस्ला कुल मिलाकर लगभग 25 करोड़ रुपए का भुगतान करेगी, जिसमें 2.25 करोड़ रुपए की सुरक्षा जमा राशि भी शामिल है। टेस्ला ने स्पष्ट कर दिया है कि उसकी वर्तमान रुचि केवल भारत में अपने वाहनों को बेचने में है। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने टेस्ला को लेकर पिछले महीने कहा था, वे भारत में विनिर्माण में रुचि नहीं रखते। उन्होंने आगे कहा कि टेस्ला भारत में केवल बिक्री के लिए शोरूम खोलने की योजना बना रही है।

स्वयं सहायता समूह की दीदियों से संवाद में बोले शिवराज सिंह- 'प्राकृतिक खेती में लागत कम और मुनाफा ज्यादा'

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आन्ध्र प्रदेश में किसानों एवं स्वयं सहायता समूह की दीदियों से संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने किसानों से कहा कि प्राकृतिक खेती में लागत बहुत कम और मुनाफा बहुत ज्यादा है। उन्होंने कहा कि भारत के किसानों को पीछे नहीं रहने देना है। आधुनिक तकनीक अपनाकर खेती को फायदे का व्यवसाय बनाना है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने स्वयं सहायता समूह की दीदियों से कहा कि आप अबला नहीं, सही अर्थों में सबला हैं। उन्होंने सदस्यों से कहा कि द्वारा निर्मित उत्पाद बहुत अच्छे हैं। उन्होंने दीदियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि गरीब नहीं रहना है और ना ही हाथ फैलाना है। सम्मान के साथ अपना जीवन जीना है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री रहते हुए अपने कुछ महिलाओं के लिए कई तरह की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि लाडली बहना योजना जिससे लाखों बहनों को लाभ मिला। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का संकल्प है, जिस लक्ष्य की ओर हम तेजी से बढ़ रहे हैं, अब-तक डेढ़ करोड़ से ज्यादा दीदियां लखपति बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है, अब कोई बहन ग़रीब नहीं रहेगी। हर एक को स्वयं सहायता समूह से जोड़ेंगे। उन्हें काम की ट्रेनिंग देंगे, बैंक

लिंकेज़ करेंगे, उनके उत्पाद की मार्केटिंग व ब्रांडिंग करेंगे, उन्हें लखपति दीदी बनाएंगे। अब तो बहनों को लखपति नहीं करोड़पति बनाना है। दीदियां उद्यमी कैसे बने, छोटे-छोटे उद्योग कैसे शुरू करें, इस पर भी हम तेजी से काम करेंगे। उन्होंने अंत में कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि बहनें यह भी करके दिखाएंगी और छोटे से बड़ा उद्योग भी चलाना शुरू करेंगी। हम देश, आन्ध्र प्रदेश और ज़िले में विकास की नई लकीर खीचेंगे।

आईडीबीआई की रणनीतिक बिक्री अक्टूबर तक पूरी होने की संभावना

नई दिल्ली। भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (आईडीबीआई) की बिक्री प्रकिया अक्टूबर तक पूरी होने की संभावना है। केंद्र सरकार ने इसकी रणनीतिक विनिवेश की प्रक्रिया पर चर्चा पूरी कर ली है। केंद्र सरकार और एलआईसी 60 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी बेचेंगी। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि सरकार ने आईडीबीआई की शेयर खरीद समझौते पर चर्चा पूरी कर ली है, जो वित्तीय बोली लगाने वाले बोलीदाताओं को दिया जाएगा। ऐसे में इस बैंक की रणनीतिक बिक्री अक्टूबर तक पूरी होने की संभावना है। आईडीबीआई के निजीकरण की प्रक्रिया पिछले तीन साल से चल रही है। सरकार ने अक्टूबर 2022 में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के साथ मिलकर आईडीबीआई बैंक के निजीकरण के लिए निवेशकों से रुचि पत्र (ईओआई) आमंत्रित किए थे। इस प्रक्रिया के तहत केंद्र सरकार और एलआईसी की कुल 60.72 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की योजना है। इसमें सरकार की 30.48 फीसदी और एलआईसी की 30.24 फीसदी हिस्सेदारी शामिल है। उल्लेखनीय है कि आईडीबीआई भारत के प्रमुख बैंकों में से एक सरकारी बैंक है। भारतीय रिजर्व बैंक ने इस बैंक को अन्य क्षेत्र के बैंक की श्रेणी में रखा है। यह बैंक भारत सरकार द्वारा 22 जून, 1964 को जारी की गई अधिसूचना द्वारा 01 जुलाई, 1964 से अस्तित्व में आया था।

लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन गिरावट का शिकार होकर बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक की चाल में कुछ तेजी भी आई। हालांकि थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इन दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। दिनभर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.41 प्रतिशत और निफ्टी 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान रियल्टी, ऑयल एंड गैस और मेटल सेक्टर के शेयरों में लिवाली का जोर बना रहा। दूसरी ओर बैंकिंग, डिफेंस, आईटी और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसके अलावाफार्मास्यूटिकल, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉल कैप इंडेक्स ने 0.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब सवा लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 460.17 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 461.39 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.22 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,161 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,961 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,062 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 138 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,639 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,196 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,443 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 6 शेयर बढ़त के साथ और 24 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 11 शेयर हरे निशान में और 39 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 122.12 अंक उछल कर 83,658.20 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 206.20 अंक की मजबूती के साथ की 83,742.28 अंक तक पहुंच गया। हालांकि ये तेजी टिक नहीं सकी। थोड़ी ही देर बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये सूचकांक 401.11 अंक की कमजोरी के साथ 83,134.97 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई खरीदारी की वजह से सेंसेक्स निचले स्तर से करीब 55 अंक की रिकवरी करके 345.80 अंक की गिरावट के साथ 83,190.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ।सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 35.55 अंक टूट कर 25,511.65 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 47.95 अंक की बढ़त के साथ 25,524.05 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण निफ्टी ऊपरी स्तर से 180 अंक से अधिक लुढ़क कर 135.65 अंक की कमजोरी के साथ 25,340.45 अंक तक गिर गया। हालांकि कारोबार के आखिरी वक्त में दिन के सौदों के निपटारे के कारण निफ्टी निचले स्तर से करीब 15 अंक की रिकवरी करके 120.85 अंक की गिरावट के साथ 25,355.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

भारतीय वॉलीबाल टीम में अब्दुल्ला का चयन

प्रयागराज। जिले के वॉलीबाल खिलाड़ी अब्दुल्ला का चयन अंडर 16 बालक वर्ग की अंतरराष्ट्रीय वॉलीबाल प्रतियोगिता के लिए किया गया है। उक्त आशय की जानकारी डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन (डीवीए) प्रयागराज के महासचिव आर.पी. शुक्ला ने देते हुए बताया कि गंगापार के गाँव मंडौर का खिलाड़ी अब्दुल्ला का चयन अंडर-16 भारतीय वॉलीबाल टीम के राष्ट्रीय कैम्प के लिए बंगलुरु में किया गया था। अब वह 12 से 16 जुलाई तक थाईलैंड में होने वाली अंतरराष्ट्रीय बालकों की अंडर-16 वॉलीबाल टीम में भारतीय वॉलीबाल टीम का प्रतिनिधित्व करेगा। उन्होंने बताया कि भारतीय वॉलीबाल टीम बुधवार को बैंगलोर एयरपोर्ट से थाईलैंड के लिए रवाना हो चुकी है। अब्दुल्ला का चयन होने पर पूर्व अंतरराष्ट्रीय वॉलीबाल खिलाड़ी जॉर्डन एच नाथ, प्रभात राय, आर.पी. शुक्ला आदि ने बधाई के साथ अपनी शुभकामनाएं देकर उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

फीफा रैंकिंग में भारत को बड़ा झटका, 6 स्थान गिरकर 133वें पायदान पर पहुंची भारतीय टीम

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम को फीफा रैंकिंग में तगड़ा झटका लगा है। जारी हुई ताज़ा फीफा रैंकिंग में भारत छह स्थान फिसलकर 133वें स्थान पर पहुंच गया है। यह भारत की पिछले लगभग एक दशक में सबसे निचली रैंकिंग है। इससे पहले भारत दिसंबर 2016 में 135वें स्थान पर था। 2023 के अंत तक भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन ट्रॉफियां जीती थीं और टॉप 100 में जगह बना ली थी। लेकिन उसके बाद से प्रदर्शन में लगातार गिरावट देखने को मिली है। पहले 2023 एएफसी एशियन कप के ग्रुप स्टेज से बाहर होना, फिर 2026 फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स से भी जल्दी बाहर हो जाना टीम के गिरते ग्राफ का हिस्सा बना। इगोर स्टिमैक की जगह मैनोलो मार्केज़ को हेड कोच नियुक्त किया गया, लेकिन कोचिंग बदलाव का भी कोई सकारात्मक असर नहीं पड़ा। भारत पिछले 16 महीनों से कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं जीत पाया है। हाल ही में हांगकांग से 0-1 की हार के साथ एएफसी एशियन कप 2027 क्वालिफायर्स के तीसरे राउंड से बाहर हुआ और इसी के साथ मार्केज़ ने भी कोच पद से इस्तीफा दे दिया।भारत की यह 6 स्थानों की गिरावट, इस बार की वैश्विक रैंकिंग में दूसरी सबसे बड़ी गिरावट है। भारत के साथ चीनी ताइपे, केमैन द्वीप, सेंट किट्स और नेविस, अल साल्वाडोर और स्लोवाकिया ने भी इतनी ही गिरावट दर्ज की है।

हॉकी इंडिया ने की सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए 33 सदस्यीय कोर ग्रुप की घोषणा

बेंगलुरु। हॉकी इंडिया ने सीनियर पुरुष राष्ट्रीय टीम के कोचिंग कैंप के लिए 33 सदस्यीय संभावित कोर ग्रुप की घोषणा की है। यह कैंप 14 जुलाई से 7 अगस्त तक स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) बेंगलुरु में आयोजित किया जाएगा। कैंप आगामी दो महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट–ऑस्ट्रेलिया दौरा और हीरो एशिया कप 2025 (राजगीर, बिहार में 29 अगस्त से 7 सितंबर तक) के लिए अहम तैयारी का हिस्सा होगा। गौरतलब है कि एशिया कप का विजेता सीधे एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालिफाई करेगा।हालांकि भारत का एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024/25 में प्रदर्शन निराशाजनक रहा, जहां टीम ने आठ में से केवल एक मुकाबला जीता और लीग में आठवें स्थान पर रही, लेकिन कोचिंग स्टाफ आने वाले टूर्नामेंटों को ध्यान में रखते हुए टीम को दोबारा संवारने और कमजोरियों पर काम करने को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, ÷प्रो लीग में यूरोप दौरे पर हमने देखा कि हमारी टीम ने हर मुकाबले में अच्छा खेल दिखाया, लेकिन मैच को फिनिश नहीं कर पाई–जो हमने भुवनेश्वर में बेहतर तरीके से किया था। यह एक अहम पहलू है जिस पर हमें ध्यान देने की जरूरत है। इस कैंप का उद्देश्य हमारी 'डिफेंड टू काउंटर टू विन' रणनीति को और मजबूत करना है। वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन का सीधा मौका हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा है और हम पूरी तैयारी के साथ एशिया कप में उतरेंगे।

इंडिया ए पुरुष हॉकी टीम का शानदार प्रदर्शन, आयरलैंड को 6-0 से हराया

एंडहोवन, (नीदरलैंड्स)। यूरोप दौरे के दूसरे मुकाबले में इंडिया ए पुरुष हॉकी टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए आयरलैंड को 6-0 से करारी शिकस्त दी। यह मुकाबला नीदरलैंड्स के एंडहोवन में खेला गया, जहां भारतीय टीम ने एकतरफा अंदाज़ में जीत दर्ज करते हुए दौरे में लगातार दूसरी जीत हासिल की। टीम के लिए उत्तम सिंह ने एक बार फिर स्कोरिंग की शुरुआत की, जिसके बाद कप्तान संजय ने टीम की बढ़त को दोगुना किया। इसके बाद मिडफील्डर मोहम्मद रहील मऊसिन ने लगातार दो शानदार गोल दागे। अंतिम चरण में अमनदीप लकड़ा और वरुण कुमार ने एक-एक गोल करते हुए टीम की जीत को और भी मजबूत बना दिया। मैच के बाद टीम के कोच शिवेंद्र सिंह ने कहा, हमने आयरलैंड के खिलाफ दो बेहतरीन मुकाबले खेले हैं और मुझे खुशी है कि खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। अगला मुकाबला फ्रांस के खिलाफ है और उम्मीद है कि टीम वही लय बरकरार रखेगी। इंडिया ए टीम अब 12 जुलाई को इसी मैदान पर दोपहर 2 बजे (भारतीय समयानुसार) फ्रांस के खिलाफ अपना अगला मुकाबला खेलेगी।

यूएफा महिला यूरो 2025: स्विट्ज़रलैंड पहली बार क्वार्टरफाइनल में, नॉर्वे ने आइसलैंड को 4-3 से हराया

एजेंसी

जिनेवा। स्विट्ज़रलैंड की रियोला झेमाइली ने फिनलैंड के खिलाफ मुकाबले के अंतिम क्षणों में गोल कर टीम को 1-1 की रोमांचक बराबरी दिलाई और इसके साथ ही मेज़बान टीम ने पहली बार महिला यूरो 2025 के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया।

इस ड्रा के चलते फिनलैंड टूर्नामेंट से बाहर हो गया। ग्रुप ए में नॉर्वे के बाद स्विट्ज़रलैंड दूसरे स्थान पर रहा। उसे नॉकआउट चरण में पहुंचने के लिए सिर्फ ड्रॉ की जरूरत थी, जो उसने नाटकीय अंदाज में हासिल किया। फिनलैंड के लिए नतालिया कुइक्का ने 79वें मिनट में पेनल्टी पर गोल कर बढ़त दिलाई। यह पेनल्टी तब मिली जब वियोला कैलिगारिस ने एम्मा कोइविस्टो को बॉक्स में गिरा दिया। 101वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहीं सेंटर-बैक कुइक्का ने आत्मविश्वास के साथ गेंद को गोलकीपर लिविया पेंग के विपरीत दिशा में भेजा। हालांकि, घरेलू दर्शकों के जबरदस्त

समर्थन से उत्साहित स्विस टीम ने अंतिम पलों में आक्रामक खेल जारी रखा। 92वें मिनट में जेराल्डीन रयूटेलेर का शॉट भले ही सही से नहीं लगा, लेकिन झेमाइली मौके पर मौजूद थीं और उन्होंने गेंद को गोल में डालकर स्टेड डी जिनेवा का माहौल जश्न में बदल दिया। मैच में स्विट्ज़रलैंड ने कुल 15 शॉट्स लिए जबकि फिनलैंड सिर्फ 6 पर ही सिमट गया। अब क्वार्टरफाइनल में स्विट्ज़रलैंड का सामना ग्रुप बी की विजेता से होगा, जो फिलहाल विश्व चैंपियन स्पेन है। एक अन्य मुकाबले में नॉर्वे ने आइसलैंड को 4-3 से हराकर ग्रुप ए में लगातार तीन जीत के साथ शीर्ष स्थान पक्का किया। यह मैच नॉर्वे की विंगर सिग्ने गौपसेट के नाम रहा, जिन्होंने दो गोल किए और दो गोल में सहायता दी। हालांकि पहले ही बाहर हो चुकी आइसलैंड की टीम ने शुरुआत में बढ़त बनाई। छठे मिनट में स्वेइंडिस जोन्सडोत्तिर ने गोल दागकर टूर्नामेंट में आइसलैंड का खाता खोला। लेकिन गौपसेट ने 15वें मिनट में कॉर्नर से मिले मौके को गोल में बदलते हुए स्कोर बराबर किया, और फिर 26वें मिनट में शानदार लेफ्ट-फुटेड शॉट से बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में गौपसेट ने फ्रिडा मानेम को 49वें और 76वें मिनट में गोल करने में मदद की, जिससे नॉर्वे की बढ़त 4-1 हो गई। लेकिन अंतिम क्षणों में नॉर्वे की टीम लड़खड़ा गई।

आइसलैंड की ह्लिन एइरिक्सडोत्तिर ने 84वें मिनट में गोल किया और फिर इंजरी टाइम में नॉर्वे की मारीट ब्रैटबर्ग लुंड को फाउल के लिए रेड कार्ड मिला।

सब-जूनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप में आठवें दिन मिजोरम और बिहार ने क्वार्टर फाइनल में बनाई मजबूत स्थिति

एजेंसी

रांची। 15वीं हॉकी इंडिया सब-जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 अपने क्वार्टर फाइनल चरण के नजदीक पहुंच चुकी है।

आज डिविजन 'ए' के मुकाबलों में हॉकी मिजोरम और हॉकी एसोसिएशन ऑफ बिहार ने शानदार जीत के साथ अपने अभियान का समापन किया। पहले मुकाबले में हॉकी मिजोरम ने दिल्ली को 4-0 से मात दी। कप्तान वानलालरिन्हलुई (13', 34') ने अग्रणी भूमिका निभाते हुए दो गोल दागे। ललरेमरूटी एस्थर (17') और ललदिनपुई (51') ने भी एक-एक गोल कर टीम को मज़बूत बढ़त दिलाई। इस जीत के साथ हॉकी मिजोरम पूल 'डी' में 6 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है। वहीं दूसरे मुकाबले में हॉकी एसोसिएशन ऑफ बिहार ने दिल्ली पर 6-0 की एकतरफा जीत दर्ज की।

पुष्पांजलि कुमारी (2', 35', 58') ने शानदार हैट्रिक लगाई। कप्तान सिद्धि कुमारी (31', 60') ने दो गोल किए, जबकि विनायक सिद्धि (57') ने भी एक गोल कर टीम की जीत को सुनिश्चित किया। इस जीत के साथ बिहार पूल 'डी' में दूसरे स्थान पर है और क्वार्टर फाइनल की दौड़ में मज़बूती से बनी हुई है। दोनों टीमों के प्रदर्शन ने न केवल प्रतियोगिता को और रोमांचक बना दिया है, बल्कि युवा खिलाड़ियों के कौशल और उत्साह की भी झलक पेश की।

विंबलडन 2025: वर्बीक और सिनियाकोवा ने रचा इतिहास, जीता मिक्स्ड डबल्स खिताब

एजेंसी

लंदन। चेक गणराज्य की कैटेरीना सिनियाकोवा और नीदरलैंड्स के सेम वर्बीक ने (स्थानीय समयानुसार)को विंबलडन 2025 का मिक्स्ड डबल्स खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने ब्रिटेन के जो सालिसबरी और ब्राज़ील की लुइसा स्टेफनी को सीधे सेटों में 7-6(3), 7-6(3) से हराया। सेंटर कोर्ट पर घरेलू खिलाड़ी सालिसबरी और उनकी जोड़ीदार स्टेफनी के खिलाफ खेले गए इस मुकाबले में चेक-डच जोड़ी ने संयम और आत्मविश्वास का परिचय दिया। दूसरे सेट में स्टेफनी को पैर में परेशानी भी नजर आई, जिसका असर उनकी मूवमेंट पर पड़ा। जीत का आखिरी बिंदु कैटेरीना सिनियाकोवा के ओवरहेड स्मैश के साथ आया, जिसके बाद दोनों खिलाड़ियों ने खिताबी जीत का जश्न मनाया। यह दोनों की एक साथ पहली खिताबी जीत है। जहां सिनियाकोवा का यह पहला मिक्स्ड डबल्स ग्रैंड

स्लैम खिताब है, वहीं 31 वर्षीय वर्बीक के करियर का यह पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है। खिताब जीतने के बाद 29 वर्षीय सिनियाकोवा ने कहा, ÷यह बहुत खास है। इस टूर्नामेंट में खेलकर और जीतकर बहुत मज़ा आया। यह एक शानदार अनुभव था। गौरतलब है कि सिनियाकोवा के नाम अब कुल 11 ग्रैंड स्लैम डबल्स खिताब हो गए हैं, जिनमें इस साल जनवरी में टेलर टाउन्सेंड के साथ जीता गया ऑस्ट्रेलियन ओपन महिला युगल खिताब भी शामिल है। अपने साथी की तारीफ करते हुए वर्बीक ने भावुक शब्दों में कहा, कैटेरीना, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आपके साथ कोर्ट साझा करना मेरे लिए सम्मान की बात रही। आप डबल्स की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। आपने इस मेरी जिंदगी का सबसे यादगार दिन बना दिया।

मैंने अपनी गेंदबाज़ी और निरंतरता पर सबसे ज़्यादा ध्यान दिया: नीतीश रेड्डी

एजेंसी

लंदन। लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन भारत की ओर से सबसे सफल गेंदबाज़ बनकर उभरे युवा ऑलराउंडर नितीश रेड्डी ने अपनी सधी हुई गेंदबाज़ी से सबको प्रभावित किया। 22 वर्षीय नितीश ने इंग्लैंड की पहली पारी में बेन डकेट और ज़ैक क्रॉली को आउट करते हुए कुल दो विकेट झटके - और खास बात यह रही कि दोनों विकेट उन्हें उनके पहले ओवर में ही मिल गए। भारत की ओर से खेले जा रहे चार तेज़ गेंदबाज़ों में सबसे धीमी गति से गेंदबाज़ी करने वाले नितीश ने 14 ओवर डाले, जो अनुभवी मोहम्मद सिराज के बराबर थे। उन्होंने पूरे दिन बेहतरीन लाइन और लेंथ से गेंदबाज़ी की और इंग्लैंड को खुलकर रन बनाने नहीं दिए। दिन के खेल के बाद नितीश ने कहा कि यह गेंदबाज़ी में निरंतरता वह चीज़ है, जिस पर वह इस दौरे की शुरुआत से ही काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद मुझे लगा कि मुझे अपनी गेंदबाज़ी और उसकी निरंतरता में सुधार करना होगा। मैंने इस पर सबसे ज़्यादा ध्यान दिया है।नितीश ने बताया कि आईपीएल में अपने कप्तान पैट कमिंस और टीम इंडिया के गेंदबाज़ी कोच मॉर्न मोर्कल से भी उन्होंने काफी कुछ सीखा।उन्होंने कहा, पैट कमिंस मेरे कप्तान हैं और ऑस्ट्रेलिया में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। मैंने उनसे सुझाव लिए कि कैसे ऑस्ट्रेलिया में गेंदबाज़ी की जाती है। वह अनुभव मेरे लिए बहुत उपयोगी रहा। इस दौरे पर मॉर्न मोर्कल के साथ काम करना भी मेरे लिए बेहतरीन रहा है। वह पिछले कुछ हफ्तों से मेरे साथ काम कर रहे हैं और हम मेरी गेंदबाज़ी में निरंतरता पर ध्यान दे रहे हैं। मुझे गेंद स्विंग कराने की काबिलियत है और मैं उसे सभी क्षेत्रों में स्थिरता के साथ उपयोग करना चाहता हूं।

आईपीएल के दौरान लगी साइड स्ट्रेन की चोट का ज़िक्र करते हुए नितीश ने माना कि इससे उनकी लय पर असर पड़ा था। उन्होंने कहा,सच कहूं तो चोट के बाद मेरी लय पकड़ना मुश्किल हो गया था। आईपीएल की शुरुआत में मैं गेंदबाज़ी नहीं कर सका, लेकिन टूर्नामेंट के आखिरी हिस्से में मैंने नेट्स में गेंदबाज़ी शुरू की और फिर मैचों में भी दोबारा उतर सका।

आयरलैंड और ज़िम्बाब्वे के बल्लेबाज़ पीटर मूर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

एजेंसी

डबलिन/हरारे। आयरलैंड और ज़िम्बाब्वे के अनुभवी बल्लेबाज़ पीटर मूर ने 35 वर्ष की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने अपने करियर में कुल 15 टेस्ट, 49 वनडे और 21 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। हरारे (ज़िम्बाब्वे) में जन्मे मूर ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत नवंबर 2014 में बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय मैच से की थी। उन्होंने 2016 में अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 और न्यूज़ीलैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया। ज़िम्बाब्वे के लिए उन्होंने कुल 8 टेस्ट, और सभी 49 वनडे व 21 टी20 मैच खेले।मूर के पास आयरिश पासपोर्ट था क्योंकि उनकी दादी आयरिश थीं। उन्होंने अक्टूबर

2022 में आयरलैंड के लिए खेलने की पात्रता प्राप्त की और मार्च-अप्रैल 2023 में बांग्लादेश और श्रीलंका दौरे के लिए पहली बार आयरलैंड की टेस्ट टीम में चुने गए। उन्होंने आयरलैंड के लिए कुल 7 टेस्ट मैच खेले। हालांकि, मूर ने आयरलैंड के लिए कभी वनडे या टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला। ज़िम्बाब्वे के लिए उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 35.53 की औसत से पांच अर्धशतक बनाए थे, लेकिन आयरलैंड के लिए यह औसत गिरकर 14.35 रह गई और उन्होंने सिर्फ एक अर्धशतक लगाया। उनका यह अर्धशतक जुलाई 2024 में ज़िम्बाब्वे के खिलाफ जीत में आया था। पीटर मूर उन 17 क्रिकेटरों में शामिल हो गए हैं जिन्होंने दो अलग-अलग देशों के लिए टेस्ट क्रिकेट खेला है। उनका करियर दो देशों के बीच विभाजित रहा, लेकिन उनके जुनून और समर्पण ने उन्हें दोनों टीमों में एक खास पहचान दिलाई।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए इंडिया 'ए' महिला टीम घोषित, राधा यादव होंगी कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए इंडिया 'ए' महिला टीम की घोषणा कर दी है। यह बहु-प्रारूप दौरा 07 अगस्त से 24 अगस्त 2025 तक ऑस्ट्रेलिया में खेला जाएगा, जिसमें तीन टी20, तीन एकदिवसीय मुकाबले और एक चार दिवसीय मैच शामिल होगा। टीम की कमान अनुभवी ऑलराउंडर राधा यादव को सौंपी गई है, जबकि उपकप्तान के रूप में मिन्नू मणि को चुना गया है। इस दौरे का उद्देश्य उभरते खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव देना और भविष्य की भारतीय टीम के लिए मजबूत विकल्प तैयार करना है।

दौरे का कार्यक्रम:

ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर भारती टीम तीन टी20 मुकाबले 07 अगस्त से मैकाय (रूड्डष्म्झड्ड4) में खेलेगी। इसके बाद टीम 50 ओवर के तीन मैच ब्रिसबेन के नॉर्थ्स ग्राउंड में खेलेगी। आखिर में चार दिवसीय मैच एलन बॉर्डर फील्ड, ब्रिसबेन में खेला जाएगा।

इंडिया 'ए' टी20 टीम: राधा यादव (कप्तान), मिन्नू मणि (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, डी. वृंदा, सजना सजीवन, उमा छेत्री (विकेटकीपर), राघवी बिस्ट, श्रेयंका पाटिल*, प्रेमा रावत, नंदिनी कश्यप (विकेटकीपर), तनुजा कंवर, जोशिता वी.जे., शबनम शकील, साइमा ठाकोर, टिटास साधु।

इंडिया 'ए' वनडे व मल्टी-डे टीम: राधा यादव (कप्तान), मिन्नू मणि (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, तेजल हासाबनीस, राघवी बिस्ट, तनुश्री सरकार, उमा छेत्री (विकेटकीपर), प्रिया मिश्रा*, तनुजा कंवर, नंदिनी कश्यप (विकेटकीपर), धारा गूजर, जोशिता वी.जे., शबनम शकील, साइमा ठाकोर, टिटास साधु।

फिडे महिला विश्व कप: हम्पी ने खामदमोवा को हराया, हरिका भी तीसरे दौर में पहुंचीं

एजेंसी

बतूमी। भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरु हम्पी ने उज्बेकिस्तान की अफरुजा खामदमोवा के खिलाफ आसान ड्रॉ खेलते हुए 1.5-0.5 से मिनी-मैच जीतकर फिडे महिला विश्व कप के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। वहीं, भारत की ही डी. हरिका ने अपनी साथी खिलाड़ी पी. वी. नंधिधा को हराकर अंतिम 32 में जगह बना ली। सफेद मोहरों से खेलते हुए हम्पी ने पूरी तरह नियंत्रण में खेल दिखाया और आगामी मुकाबलों के लिए ऊर्जा बचाते हुए ड्रॉ को स्वीकार किया।

वहीं, हरिका ने आक्रामक खेल दिखाते हुए नंधिधा को हराया, जो कि जीत के लिए सब कुछ दांव पर लगा चुकी थीं। टूर्नामेंट में दो बार कांस्य पदक

जीत चुकी हरिका ने अपने अनुभव का शानदार इस्तेमाल करते हुए विरोधी के सफेद मोहरों को निष्क्रिय किया और अंततः जीत दर्ज की। नंधिधा, किरण मनीषा मोहंती के बाद टूर्नामेंट से बाहर होने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी बनीं। आर. वैशाली ने कनाडा की ओयूलेट मैली-जेड को 2-0 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। वहीं, दिव्या देशमुख ने जॉर्जिया की केसारिया मगेलद्जे को 1.5-0.5 से हराकर भारतीय खेमे में और खुशियां जोड़ दीं। के. प्रियांका, जिन्होंने पहले दौर में सभी को चौंकाया था, ने पोलैंड की क्लाउडिया कुलोन के खिलाफ लगातार दो ड्रॉ खेलकर टाईब्रेक में जगह बना ली है।वहीं वंतिका अग्रवाल के लिए यह दिन थोड़ा निराशाजनक रहा। उन्होंने पहले मुकाबले में पूर्व विश्व चैंपियन अन्ना उशेनिना (यूक्रेन) को हराया था, लेकिन दूसरे गेम में हारने के कारण मुकाबला टाईब्रेक तक पहुंच गया।

जो रूट शतक से एक कदम दूर

एजेंसी

लॉर्ड्स। भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर चल रहे तीसरे टेस्ट मैच के पहले दिन इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने 4 विकेट के नुकसान पर 251 रन बना लिए थे। अनुभवी बल्लेबाज जो रूट 99 रन पर नाबाद लौटे, वहीं कप्तान बेन स्टोक्स 39 रन बनाकर उनके साथ क्रीज पर टिके हुए हैं। दोनों के बीच अब तक 79 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी हो चुकी है। भारतीय गेंदबाजों ने सधी हुई शुरुआत की, लेकिन नितीश कुमार रेड्डी ने 14वें ओवर में आकर इंग्लैंड को दोहरा झटका दिया। उन्होंने पहले बेन डकेट (23) और फिर जैक क्रॉली (18) को आउट कर मैच में भारत को वापस लाया। इसके बाद इंग्लैंड की पारी को जो रूट और ओली पोप ने संभालने की कोशिश की, और 109

रनों की साझेदारी कर डाली। लंच के बाद रवींद्र जडेजा ने ओली पोप (44) को आउट कर साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद जसप्रीत बुमराह ने हैरी ब्रूक (11) को क्लीन बोल्ड कर इंग्लैंड की कमर तोड़ने का प्रयास किया। जो रूट अब तक 191 गेंदों में 99 रन बनाकर खेल रहे हैं और भारत के खिलाफ अपने 11वें टेस्ट शतक से सिर्फ एक रन दूर हैं। रूट पहले ही भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट रन और शतक बनाने वाले बल्लेबाज बन चुके हैं। उनके संयमित अंदाज और तकनीकी बल्लेबाजी ने इंग्लैंड को एक स्थिर मंच दिया है। कप्तान बेन स्टोक्स, जो आमतौर पर आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं, इस बार बैजबॉल शैली को छोड़कर 102 गेंदों में 39 रन की संयमित पारी खेल रहे हैं। यह इंग्लैंड की रणनीति में बदलाव को दर्शाता है, खासकर जब सामने भारतीय गेंदबाज़ों की कसी हुई लाइन-लेंथ हो।

अंतरराष्ट्रीय शूटिंग में भारत का बढ़ता वर्चस्व: अगले तीन वर्षों तक कई शीर्ष प्रतियोगिताओं की करेगा मेजबानी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत को वैश्विक शूटिंग खेल मानचित्र पर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। अंतरराष्ट्रीय शूटिंग खेल महासंघ (आईएसएसएफ) ने भारत को 2025 से 2028 तक कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिताओं की मेजबानी के लिए चुना है, जिससे भारत इस खेल के लिए एक विश्वसनीय और सशक्त गंतव्य के रूप में स्थापित हो गया है। आईएसएसएफ द्वारा नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआईएआई) को हाल ही में भेजे गए पत्र में इसकी औपचारिक घोषणा की गई। इसके अनुसार, 2025 में भारत सितंबर में आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप और नवंबर में शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) के पहले संस्करण की मेजबानी करेगा। 2026 में फरवरी में भारत एशियन राइफल/पिस्टल कप का आयोजन करेगा। 2027 में भारत आईएसएसएफ वर्ल्ड कप और 2028 में आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप का आयोजन करेगा।इसके अलावा, शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) का उद्घाटन संस्करण इस वर्ष नवंबर में आयोजित होगा, जो खिलाड़ियों को पेशेवर मंच प्रदान करेगा। यह पहल भारत में शूटिंग को लोकप्रिय बनाने के साथ-साथ खिलाड़ियों के करियर को भी नया आयाम देगी।

डूरंड कप भव्य ट्रॉफी यात्रा के साथ एक बार फिर इंफाल लौटा

एजेंसी

इम्फाल। एशिया के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट 134वें इंडियनऑयल डूरंड कप की ट्रॉफियों का इम्फाल में भव्य स्वागत किया गया। दो साल के अंतराल के बाद यह ऐतिहासिक टूर्नामेंट एक बार फिर मणिपुर की राजधानी लौटा है। इस अवसर पर आयोजित ट्रॉफी टूर के तहत डूरंड कप की तीनों चमचमाती ट्रॉफियों- मूल डूरंड कप, रोलिंग शिमला ट्रॉफी (जो वर्ष 1904 में शिमला के नागरिकों द्वारा भेंट की गई थी), और प्रेसिडेंट्स कप (जिसे विजेता टीम स्थायी रूप से रखती है)- को सिटी कन्वेंशन सेंटर, इम्फाल में प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला थे। उनके साथ मणिपुर सरकार के मुख्य सचिव प्रशांत कुमार सिंह आईएएस, तथा भारतीय सेना और सुरक्षा बलों के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। इनमें शामिल थे- ले. जनरल मोहित मल्होत्रा एवीएसएम, एसएएम, चीफ ऑफ स्टाफ, ईस्टर्न कमांड एवं डूरंड कप आयोजन समिति के अध्यक्ष, ले. जनरल अभिजीत एस. पेंढारकर एवीएसएम, वाईएसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, 3 कोर. मेजर जनरल एस.एस. कार्तिकेया वाईएसएम, एसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, 57 माउंटेन डिवीजन. मेजर जनरल रवरूप सिंह वाईएसएम, एसएम. इंस्पेक्टर जनरल, असम राइफल्स (दक्षिण); श्री राजीव सिंह (आईपीएस), पुलिस महानिदेशक, मणिपुर।इस अवसर पर राज्यपाल भल्ला ने कहा, 134वें डुरंड कप टूर्नामेंट का एक बार फिर इंफाल में आयोजन किया जाना हमारे राज्य की फुटबॉल के प्रति गहरी भावना और नागरिक तथा सैन्य संस्थानों के संयुक्त प्रयासों का प्रमाण है। मैं इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को एक बार फिर फुटबॉल प्रेमी मणिपुर की भूमि पर लाने के लिए भारतीय सेना, विशेष रूप से ईस्टर्न कमांड का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। खेल हमारे राज्य की पहचान का अभिन्न हिस्सा हैं। मणिपुर हमेशा से खेलों में उत्कृष्टता का अग्रदूत रहा है, जहां से राष्ट्रीय हीरो और ओलंपियन देश को गौरव दिलाने के लिए सामने आए हैं। मैं 134वें डुरंड कप संस्करण की अपार सफलता की कामना करता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि यह संस्करण पहले से कहीं अधिक भव्य, बेहतर और रोमांचक होगा। मेरी तरफ से सभी प्रतिभागी टीमों को दिल से शुभकामनाएं। आप सभी सम्मान, साहस और जुनून के साथ खेलें और अपनी प्रेरणादायक खेल भावना से अनगिनत युवा दिलों को प्रेरित करें। ले. जनरल मोहित मल्होत्रा ने कहा, 137 वर्षों से अधिक समय से, डूरंड कप ने भारतीय फुटबॉल के विकास की यात्रा को देखा है- महान खिलाड़ियों को जन्म दिया है, समुदायों को जोड़ा है और पीढ़ियों तक जुनून की लौ जलाए रखी है। हाल के वर्षों में, ईस्टर्न कमांड के नेतृत्व में डूरंड कप ने अपनी प्रतिष्ठा, पहुंच और गुणवत्ता में उल्लेखनीय वृद्धि की है। देशभर के साझेदारों के साथ घनिष्ठ सहयोग में हमारे प्रयासों ने यह सुनिश्चित किया है कि यह टूर्नामेंट अपनी विरासत को संजोए रखते हुए आधुनिक पेशेवर मानकों को भी अपनाएं। मैं इस महान शहर के लोगों, फुटबॉल प्रेमियों, और मणिपुर के ऊर्जावान युवाओं को आमंत्रित करता हूं कि वे आगे आएं, इतिहास का हिस्सा बनें, और विश्वस्तरीय फुटबॉल का आनंद अपने द्वार पर ही उठाएं। आइए हम सब मिलकर इस खूबसूरत खेल का उत्सव मनाएं, परंपरा का सम्मान करें, और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करें ले. जनरल अभिजीत एस. पेंढारकर ने कहा, डूरंड कप, जो इतिहास और परंपरा में रचा-बसा एक प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है, भारतीय सशस्त्र बलों के संरक्षण में आयोजित किया जाता है। यह न केवल खेल कौशल का उत्सव है, बल्कि भारत की सेना और आम जनता के बीच स्थायी रिश्ते का जीवंत प्रतीक भी है। पीढ़ियों से यह अनोखा टूर्नामेंट सौहार्द, अनुशासन और खेल भावना का प्रतीक रहा है।

संक्षिप्त समाचार

11जुलाई से खाते मे लाभुकों को आयेंगे,400 सौ की जगह 11 00 सौ रुपए

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

ओबरा (औरंगाबाद) :- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लाभुकों को अब चार सौर की जगह ग्यारह सौ रुपए देने की घोषणा के उपरांत आज से खाते आना शुरू हो जाएगी । सामाजिक न्याय और जनकल्याण को हमेशा प्राथमिकता दी है । और इसी सोच का एक सशक्त प्रमाण है ।प्रदेश की बुजुर्ग नागरिकों के लिए आर्थिक सुरक्षा हेतु यह योजना सामान्य जनक जीवन जीने की हक दिलाई है । उन्होंने बताया कि, नीतीश कुमार सरकार के बुजुर्गों की सेवा समाज की असली सेवा की तर्ज पर यह निर्णय लिया है । आज का दिन इतिहासिक है ।जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनां के तहत डीबीटी के माध्यम से राशि उनके बैंक खाते मे भेज सकेंगे । प्रदेश शिक्षा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सुनील कुमार यादव ने यह भी कहा कि,कार्यकताओं के साथ कहा कि,वृद्धजन समाज का अनमोल हिस्सा है । और उनका सामान्य जनक जीवन यापन सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है ।राज्य सरकार इस दिशा मे निरंतरण प्रयत्नशील रहेगी ।ऐसे भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बेहतर कार्य कर रहे है ।सबका साथ सबका विकास के तर्ज पर गांव का चहुमुखी विकास हो रहा है ।युवाओं को रोजगार के प्रति दृढ़ संकल्पित है। महिलाओं को आरक्षण देकर महिलाओं का सम्मान बढ़ाया है ।पूर्ण निरीक्षण कार्य के प्रति सजग है । और घुसपैठी फर्जी वोटरों को हटाने को दृढ़ संकल्पित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जदयू के प्रखंड अध्यक्ष विनोद सिंह जिला अध्यक्ष विश्वनाथ सिंह जदयू नेता सुरीट सिंह प्रवीण शर्मा समेत अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

भिखारी ठाकुर के 54वीं पुण्यतिथि पर आयोजित साहित्यिक संध्या में भारत रत्न देने की मांग

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित ब्लॉक मोड़ के समीप पृथ्वीराज चौहान स्मृति स्थल के प्रांगण में पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट एवं औरंगाबाद जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में भारत के महान साहित्यकार भोजपुरी भाषा के शेक्सपियर भिखारी ठाकुर जी की 54वीं पुण्यतिथि समारोह के अवसर पर आयोजित साहित्यिक संध्या की अध्यक्षता जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह ने किया,जबकि संचालन की जिम्मेवारी सुरेश विद्यार्थी ने निभाई।सर्वप्रथम भिखारी ठाकुर जी के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया गया।पृथ्वीराज चौहान ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश सिंह एवं रामप्रवेश सिंह,उपाध्यक्ष प्रोफेसर ज्ञानेश्वर प्रसाद सिंह, डॉ संजीव रंजन एवं मनोज कुमार सिंह,वरीय सदस्य पूर्व मुखिया सत्येंद्र नारायण सिंह,संजय कुमार सिंह,समकालीन जवाबदेही पत्रिका के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र,मगध प्रमंडलीय माध्यमिक शिक्षक संघ के नेता रामभजन सिंह,संस्था के महामंत्री धनंजय जयपुरी के गरिमामई उपस्थिति में साहित्यिक संध्या की शुरूआत लोक भाषा के प्रसिद्ध गायक शिवनंदन प्रसाद के द्वारा बटोहिया गीत से शुरू की गई। प्रियंका पांडेय ने भिखारी ठाकुर को जन-जन के चर्चित एवं जनमानस से जुड़ा कवि बताया।प्रोफेसर ज्ञानेश्वर प्रसाद सिंह ने पियवा गईले कलकतवा ए सजनी गीत गुनगुनाया तो प्रसिद्ध ज्योतिर्विद शिवनारायण सिंह द्वारा उनके पूरे जीवन के संघर्ष का बखान किया।शिक्षिका अनुपमा सिंह ने हंसी-हंसी पनवा खिएले बेईमनवा गीत गाई तो दर्शक दीर्घा में बैठे लोग भाव विह्वल हो गए। प्रोफेसर रामाधार सिंह ने बिहारी ठाकुर को पर्यावरण से जुड़ा हुआ कवि बताया तो प्रोफेसर राजेंद्र सिंह ने सांस्कृतिक संचेतना जगाने वाला कवि की उपमा दी। डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र ने भिखारी ठाकुर को लोक भाषा का श्रेष्ठ कवि बताते हुए उनकी लोक संस्कृति की चर्चा की। लोक संस्कृति की रक्षा में भिखारी ठाकुर का बहुमूल्य योगदान है। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह ने कहा कि भिखारी ठाकुर के कारण ही भोजपुरी इतनी समृद्ध भाषा बनी जिसकी चर्चा भारत ही नहीं विदेशों में आज हो रही है तो उसके केंद्र में भिखारी ठाकुर के साहित्य का जुड़ाव है। मौके पर सत्यचंडी धाम के राजेंद्र सिंह,दुमुहान धाम के सिंहेश सिंह,समाजसेवी अवधेश सिंह,गजलकार हिमांशु चक्रपाणि,हास्य कविता के सशक्त हस्ताक्षर विनय मामूली बुद्धि,भोला सिंह,अशोक कुमार सिंह,शिक्षक चंद्रकांत ओड़िया सहित अन्य उपस्थित थे। साहित्यिक संध्या में भिखारी ठाकुर को भारत रत्न देने की मांग की गई।धनंजय जयपुरी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लाभुक को चेहरे पर दिख रही है उत्साह - सुनील यादव

गायत्री शक्तिपीठ जम्होर में गुरु पूर्णिमा धूमधाम से मनाई गई

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- सदर प्रखंड सिद्ध ग्राम जम्होर के अनुग्रह नारायण स्टेशन के समीप अवस्थित गायत्री शक्तिपीठ के प्रांगण में गुरु पूर्णिमा के मौके पर गुरु की महिमा पर विचार गोष्ठी सांध्य दीप यज्ञ का आयोजन किया गया।गायत्री शक्तिपीठ के भूमिदाता बृज किशोर प्रसाद की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में भवसागर से पार लगाने वाले गुरु की महिमा का बखान किया गया।गायत्री शक्तिपीठ के संस्थापक वेद मूर्ति तपोनिष्ठ श्रीराम शर्मा आचार्य के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में चर्चा की गई। साथ ही साथ उनकी सहधर्मिणी वेद माता भगवती देवी के बारे में भी लोगों ने बताया।श्रीराम शर्मा आचार्य ने युग परिवर्तन के बेला में क्रांतिकारी साहित्य की रचना कर सामाजिक क्रांति को नई दिशा दी थी। संचालन रामध्या प्रसाद द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जम्होर के प्रभारी डॉ श्याम कुमार,उनकी सहधर्मिणी मनीषा कुमारी, वैश्य रत्न ललन बाबू, समाजसेवी अविनाश कुमार सिंह उर्फ बब्लू बाबू, सरस्वती शिशु मंदिर के प्राचार्य परशुराम ओझा,डॉ सुरेंद्र पाल गुप्ता, बिहारी शर्मा, जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी, अशोक प्रसाद शौंडिक की गरिमामई उपस्थिति रही। संबोधन के क्रम में मुख्य अतिथि ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए गायत्री मंत्र सबसे बड़ी विधा है। मौके पर संतोष प्रसाद गुप्ता राजेश कुमार सहित सैकड़ो श्रद्धालु भक्त उपस्थित थे।

मलहद सरपंच पद पर रामशीष, फाग पंसस पर फुलेश्वरी निर्वाचित

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद) :- गोह प्रखंड के सभा कक्ष में पंचायत उपचुनाव का मतगणना किया गया। जिसमें मलहद ग्राम कचहरी सरपंच पद के लिए रामशीष कुमार निर्वाचित घोषित किए गए। उन्हे 1361 वोट मिले, दूसरा स्थान पर उदय पासवान जिन्हें 768, तीसरा स्थान पर रवीद्र पासवान रहे उन्हे 428 मत किला। इधर, फाग पंचायत समिति पद पर फुलेश्वरी देवी निर्वाचित घोषित किए गए। फुलेश्वरी देवी को 760 सुनैना देवी को 745, प्रभा देवी को 604 वोट मिला। दोनों जीते प्रत्याशियों को प्रखंड निवार्ची पदाधिकारी राजेश कुमार दिनकर ने निर्वाचित प्रमाणपत्र दिया।

अमृतसर : दाना मंडी में गैंगस्टर बिक्रमजीत सिंह के साथ पुलिस मुठभेड़, गिरफ्तार, हथियार बरामद

अमृतसर।

अमृतसर के दाना मंडी भट्टा इलाके में पुलिस और गैंगस्टर बिक्रमजीत सिंह के बीच मुठभेड़ हुई। अमृतसर पुलिस की विशेष जांच के दौरान बिक्रमजीत ने पुलिस पर गोलीबारी की, जिसके जवाब में एएसआई सच्चर सिंह ने फायरिंग की, जिसमें बिक्रमजीत के दाहिने पैर में गोली लगी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से दो पिस्तौल और आठ जिंदा कारतूस बरामद किए। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान बिक्रमजीत को रोकने की कोशिश की, लेकिन उसने मोटरसाइकिल पर भागने की कोशिश की और पुलिस पर गोली चलाई।

वर्ल्ड एक्सपो 2025

भारतीय रेल की उपलब्धियों से दुनिया हैरान

वर्ल्ड एक्सपो में भारतीय रेल का पवेलियन भारत की प्रगति से दुनिया को परिचित करा रहा है। एक ओर जहाँ वंदे भारत एक्सप्रेस 'मेक इन इंडिया' की गौरवगाथा सुना रही है, वहीं दूसरी ओर विश्व का सबसे ऊँचा रेल आर्च पुल चिनाब ब्रिज भारतीय इंजीनियरिंग का परचम लहरा रहा है।

जापान के ओसाका में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो-2025 में जहाँ दुनिया भर के देश भविष्य की तकनीक और शहरों के मॉडल दिखा रहे हैं। वहीं भारतीय रेल का पवेलियन सबका ध्यान खींच रहा है। यहाँ सिर्फ ट्रेनें और पुल नहीं दिखाए जा रहे, बल्कि भारत की तरक्की और सोच को एक नई कहानी की तरह पेश किया जा रहा है। ओसाका के युमेशिमा द्वीप पर बने भारतीय पवेलियन में दो चीज़ें सबसे ज्यादा चर्चा में हैं - वंदे भारत एक्सप्रेस और चिनाब ब्रिज।

हर बार ऐसा नहीं होता कि ट्रेनें और पुल किसी बड़े एक्सपो में इतना आकर्षण बटोरें, लेकिन इसबार वंदे भारत एक्सप्रेस और चिनाब ब्रिज नए भारत के प्रतीक हैं। ये दिखाते हैं कि भारत अब सिर्फ बात नहीं कर रहा, बल्कि तेजी से भविष्य की ओर बढ़ रहा है।

भारतीय रेल का नया युग

वंदे भारत एक्सप्रेस और चिनाब ब्रिज भारतीय रेल के नए युग की पहचान हैं। वंदे भारत ट्रेन पूरी तरह स्वदेशी है। यह न सिर्फ तेज़ है, बल्कि आरामदायक भी है। इसमें नई तकनीकें हैं जैसे स्मार्ट ब्रेक सिस्टम, साफ-सुथरे बायो टॉयलेट और हवाई जहाज़ जैसी आरामदायक सीटें। यह ट्रेन 'मेक इन इंडिया' का ज़िंदा उदाहरण है। एक्सपो में जापान जैसे देशों से आए दर्शक, जहां पहले से शिंकानसेन बुलेट ट्रेन हैं। वह वंदे भारत की स्वदेशी तकनीक देखकर चकित हैं। उन्हें यकीन नहीं होता कि भारत ने इतनी जल्दी अपनी खुद की हाई-स्पीड ट्रेन बना ली।

दुनिया की सराहना, देश का आत्मविश्वास

इस एक्सपो में भारत को जो तारीफें मिल रही हैं, वो इस बात की पहचान है कि भारत अब आत्मनिर्भर हो चुका है। लोग हैरान हैं कि कैसे भारत ने कुछ ही वर्षों में भारतीय रेल तकनीक के आयात से आगे बढ़कर अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर विश्वस्तरीय और स्वदेशी प्रणालियों का प्रदर्शन करने लगा है।

चिनाब ब्रिज: भारत की सबसे ऊँची उड़ान

वंदे भारत की तेज़ रफ्तार और एयरोडायनॉमिक डिजाइन के उलट, चिनाब ब्रिज एक मजबूत और ऊँचा पुल है जो सबका ध्यान खींचता है। यह पुल जम्मू और कश्मीर में चेनाब नदी के ऊपर बना है और दुनिया का सबसे ऊँचा रेलवे आर्च ब्रिज है। जो एफिल टावर से भी ऊँचा है और इसकी ऊँचाई 359 मीटर है। इस पुल को बनाना आसान नहीं था। वहाँ का मौसम, ज़मीन और भूकंप का खतरा, सबकुछ मुश्किल था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह इतिहास रचा गया। यह भारतीय इंजीनियरिंग की ताकत और मेहनत का अद्भुत उदाहरण है। इस पुल से जम्मू और कश्मीर जैसे दूर-दराज़ इलाकों को देश से जोड़ना आसान हो गया। यह सिर्फ एक पुल नहीं, बल्कि वहाँ के लोगों के लिए उम्मीद और विकास का सेतु है।

भविष्य से जुड़ती भारतीय रेल

वर्ल्ड एक्सपो 2025 का थीम "हमारे जीवन के लिए भविष्य के समाज का निर्माण" है। भारतीय रेल की कहानी इसी से जुड़ती है। "जीवन को बचाना, सशक्त बनाना और जोड़ना"- इन तीन बातों को वंदे भारत और चिनाब ब्रिज पूरा करते हैं।

पवेलियन में लोग वर्चुअल रियलिटी, मॉडल और गाइड के ज़रिए देख पा रहे हैं कि भारत की रेल कैसे हरित ऊर्जा (ग्रीन एनर्जी) पर जा रही है। कैसे नई तकनीक से रेलवे को सुरक्षित और तेज़ बनाया जा रहा है। कैसे देश के हर कोने को रेल नेटवर्क से जोड़ा जा रहा है।

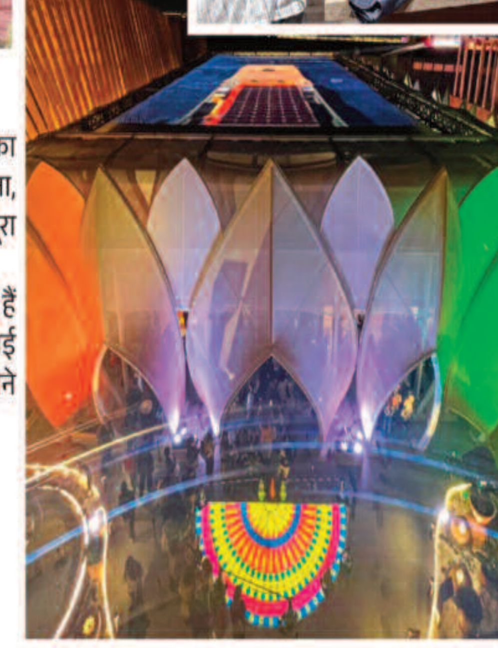

सिर्फ तकनीक नहीं, बदलाव की कहानी

भारतीय रेल का यह प्रदर्शन केवल इंजीनियरिंग का नहीं, एक परिवर्तन की गाथा है। एक पुरानी रेल व्यवस्था अब नया रूप ले चुकी है। डिजिटल टिकटिंग, सौर ऊर्जा से चलने वाले स्टेशन, प्लेटफॉर्म पर वाई-फाई, बुलेट ट्रेन कॉरिडोर। यह नई भारतीय रेल है जो सिर्फ सफर नहीं करा रही, बल्कि राष्ट्र को स्थाई मजबूती के साथ आगे बढ़ा रही है।

वर्ल्ड एक्सपो २०२५ में जब दुनिया भारत की इन उपलब्धियों को देख रही है, तब यह साफ हो रहा है कि भारतीय रेल अब सिर्फ अतीत की नहीं बल्कि उज्ज्वल भविष्य की कहानी कह रही है।

बिरसा टाइम्स देश का सर्वाधिक प्रसारित रविवारीय अखबार है। अपनी खोजपूर्ण तथा विश्लेषणात्मक खबरों के कारण बिरसा टाइम्स ने मीडिया- जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई हैं। वर्ष 1980 से शुरू हुआ बिरसा टाइम्स का सफरनामा इसके पाठकों के निरंतर स्नेह और समर्थन के चलते आज भी उसी तेवर के साथ जारी हैं।

राँची और दिल्ली के साथ-साथ
अब
बिहार, छत्तीसगढ़ तथा उड़ीसा
से
प्रकाशित होने जा रहा है।

बिरसा टाइम्स

देश का सर्वाधिक प्रसारित नंबर-1 रविवारीय अखबार

जन सम्पर्क विभाग मे विशाल भ्रष्टाचार का वट वृक्ष

"जब झारखंड और बिहार एक साथ था तब पांडे अपने पिता के साथ पटना में महावीर मंदिर मे साफ-साफाई का काम करता था और पांडे जी के पिता मंदिर के सचिव आईपीएस स्वर्गीय आचार्य किशोर कुणाल जी के घर पर पूजा पाठ करते थे एवं महावीर मंदिर में भी काम करते थे और उसी समय अवधेश पांडे बिहार सरकार में दैनिक मजदूर में बहाली लेकर धीरे-धीरे आई इ एस पदाधिकारी के घर पर कप-प्लेट साफ कर प्रभारी निदेशक तक पहुंच गए! श्री पांडे को हिंदी और अंग्रेजी मे एक लाइन भी लिखने नहीं आता था! इनका सारा का सारा फाइल का काम के नीचे वाले अधिकारी लिखते थे और इस काम में उप निदेशक श्री शालिनी वर्मा और वर्तमान मे बोकारो के उपायुक्त श्रीअजय नाथ झा सारा फाइल का काम करते थे! दोनों के दोनों से पांडे के कार्यालय से लेकर आवास तक 11:00 बजे रात तक गुरु मंत्र लेते रहते थे और इसमें अपनी कुशलता से श्री झा ने उपायुक्त पद पर पहुंच गए! ऐसे पांडे कभी भी अपनी पत्नी को अपने आवास में नहीं रखते थे और पांडे के समय में सिर्फ सिर्फ उसके पिता ही रहते थे और श्री पांडे के समय में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का पेड़-पौधा लगन! शुरू हुआ और अब वर्तमान में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का बड़ा बरगद का पेड़ हो चुका है।

बिरसा टाइम्स देश का विश्वास पत्रकारिता के उन मूल्यों में है जो आम आदमी की चिंताओं और सरोकारों को आवाज देते हैं। इसीलिए बिरसा टाइम्स लोगो के बीच इस लम्बी यात्रा में भी अपनी विश्वसनीयता बरकरार रखने में कामयाब रहा है। अपने खास कंटेंट, गंभीर राजनैतिक विश्लेषण, अलग अंदाज और सुन्दर छपाई के चलते बिरसा टाइम्स को सम्मान-जनक स्थान मिला हैं। शायद इसीलिए बिरसा टाइम्स के पाठक वे युवा और संवेदनशील लोग हैं जो न केवल देश के बारे में सोचते हैं बल्कि देश के लिए कुछ करने का जज्बा भी रखते हैं।

सत्य और निष्पक्ष समाचारों के लिए पढ़ें !

सम्पर्क सूत्र :-

aadivasiexpress@gmail.com
birsatimes@gmail.com

8084674042

6202611859
8084674042